दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

6 | अभिव्यक्ति 3 | राजधानी 7 | आंचलिक 12 | देश-विदेश

रांची, रविवार, 12 जुलाई 2026, आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वादशी/त्रयोदशी, विक्रम संवत-2084 वर्ष-10 अंक-84 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

इंसान ही इंसान की दवा है, कोई दुख देता है, तो कोई सुकून बन जाता है।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:10 प्रातः

अस्त : 06:39 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.0	24.0
जमशेदपुर	32.0	26.0
हजारीबाग	29.0	24.0
डालटनगंज	33.0	26.0

भारत केवल बाजार नहीं, वैश्विक विकास का लॉन्चपैड है : मोदी

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का ₹लॉन्चपैड₹ बन चुका है। उन्होंने न्यूजीलैंड के उद्योग जगत से भारत की विकास यात्रा में साझेदार बनने का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, सेवाओं और प्रतिभा के आदान-प्रदान के नए अवसर खोलेगा। ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ दोनों देशों के प्रमुख उद्योगपतियों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, विविधता और सतत विकास की प्रतिबद्धता से जुड़े हुए हैं। यही आधार दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने मात्र नौ महीने के रिकॉर्ड समय में मुक्त व्यापार समझौता संपन्न किया है, जो द्विपक्षीय संबंधों में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देश वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपये) तक पहुंचाने के लक्ष्य को हासिल करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह केवल निवेश नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने का संकल्प भी है। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। देश का तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल क्रांति, आधुनिक आधारभूत ढांचा, कुशल युवा कार्यबल और लगातार हो रहे आर्थिक सुधार निवेशकों के लिए अभूतपूर्व अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में नीति की स्थिरता, राजनीतिक स्थिरता और निरंतर विकास ने उसे वैश्विक आर्थिक वृद्धि का महत्वपूर्ण इंजन बना दिया है। उन्होंने कहा, दुनिया के लिए हमारा संदेश स्पष्ट है–भारत केवल एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का लॉन्चपैड है। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का लाभ उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण से लेकर वस्त्र उद्योग सहित 14 क्षेत्रों में लगभग 20 अरब डॉलर का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने न्यूजीलैंड की कंपनियों से भारत के विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत में हवाई अड्डों, क्षेत्रीय हवाई संपर्क, एयर कार्गो और पर्यटन का तेजी से विस्तार हो रहा है तथा देश दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है। उन्होंने दोनों देशों के बीच कार्गो कॉरिडोर, उड़ान संपर्क और संयुक्त पर्यटन पैकेज विकसित करने का सुझाव दिया। मोदी ने कहा कि भारत फिनटेक के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी है और दुनिया के लगभग 50 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल भुगतान भारत में होते हैं। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने के बाद देश में 400 से अधिक स्पेस स्टार्टअप कार्यरत हैं, जिनमें एक यूनिकॉर्न भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते में माओरी समुदाय के व्यवसायों को भी विशेष महत्व दिया गया है। भारत और न्यूजीलैंड साझा मूल्यों के आधार पर समावेशी एवं सतत व्यापार का नया मॉडल विकसित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के उद्योग जगत से एक महत्वाकांक्षी व्यापारिक रोडमैप तैयार करने का आग्रह करते हुए कहा कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी ताकतों को जोड़कर कम से कम पांच प्रमुख संयुक्त परियोजनाओं की पहचान करें तथा उनकी समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी समीक्षा तंत्र विकसित करें। उन्होंने कहा कि इसी से भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक साझेदारी की वास्तविक क्षमता का पूरा लाभ उठाया जा सकेगा।

भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक करेंगे उन्नयन, 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 35 हजार करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने की घोषणा की। दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर (लगभग 35,000 हजार करोड़) तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन के साथ ऑकलैंड में आयोजित शिखर वार्ता में 'रोडमैप टू 2030' का अनुमोदन किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार यह अगले चार वर्षों में द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा देने और साझेदारी को मजबूत करने के लिए साझा कार्ययोजना का आधार बनेगा।

दोनों देशों के प्रधानमंत्री वार्ता के बाद समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान के साक्षी बने। इसके बाद विदेश मंत्रालय की ओर से घोषणाओं और समझौते की जानकारी दी गई। मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए समुद्री सुरक्षा संवाद शुरू किया जाएगा। न्यूजीलैंड ने इंडो-पैसिफिक ओशंस इनिशिएटिव के समुद्री सुरक्षा स्तंभ में शामिल होगा। न्यूजीलैंड ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस में भी शामिल होगा। कृषि सहयोग के तहत कीवीफ्रूट एक्शन प्लान शुरू किया जाएगा और नागालैंड तथा उत्तराखंड में कीवी फल के दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा और कैंटरबरी विश्वविद्यालय के बीच अंटार्कटिक अनुसंधान पर सहयोग तथा निफ्टेम-कुंडली और मैसी विश्वविद्यालय के बीच खाद्य प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, छात्र आदान-प्रदान और शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता किया गया। दोनों देशों के नेताओं की बीच आज हुई वार्ता के दौरान कुल 18 समझौतों और व्यवस्थाओं पर सहमति बनी। इनमें रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा क्षेत्र से जुड़े चार प्रमुख समझौते शामिल हैं, जिनमें समुद्री सहयोग, हाइड्रोग्राफी एवं नौटिकल कार्टोग्राफी, भारतीय नौसेना और न्यूजीलैंड रक्षा बल के बीच पारस्परिक लॉजिस्टिक सहायता तथा आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह की स्थापना शामिल है।

एक समझौता आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हुआ, जबकि एक-एक समझौता पशुपालन एवं डेयरी, पर्यटन तथा सांस्कृतिक सहयोग से संबंधित है। खेल क्षेत्र में भारत-न्यूजीलैंड संयुक्त कार्य योजना को अपनाया गया।

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश में मानसून का कहर, बाढ़ और भूस्खलन से 44 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में लगातार हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश ने व्यापक तबाही मचा दी है। बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से के सात जिलों में हालात गंभीर बने हुए हैं और लाखों लोग राहत एवं बचाव कार्यों पर निर्भर हैं। आपदा प्रबंधन मंत्रालय के अनुसार चट्टोग्राम, कॉक्स बाजार, बंदरबन, रंगामाटी, खग्राछड़ी, मौलवीबाजार और हबीगंज जिलों में बाढ़ से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। करीब 2.68 लाख परिवार बाढ़ के कारण अपने घरों में फंस गए हैं और हजारों परिवार बाहरी दुनिया से कट गए हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद का जाना हालचाल

रांची/नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित आवास पर राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद से शिष्टाचार मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गौरतलब है कि हाल ही में राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद के घुटने का प्रत्यारोपण (नी-रिप्लेसमेंट) हुआ है। मुख्यमंत्री ने उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली और चिकित्सकों के निदेशों का पालन करते हुए जल्द पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच आत्मीय बातचीत भी हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह सरफराज अहमद के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं और उनके जल्द सक्रिय सार्वजनिक जीवन में लौटने की अपेक्षा रखते हैं।

वियतनाम में भारतीय पर्यटकों को ले जा रही नाव पलटी, 15 की मौत

हनोई। वियतनाम में भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव के फु-क्वोक द्वीप के पास पलटने से 15 लोगों की मौत हो गयी है। हादसे में 21 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर 32 भारतीय पर्यटक और 4 चालक दल के सदस्य सवार थे।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में वियतनाम के अधिकारियों ने कहा कि नाव पलटने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई है। हादसे के वक्त नाव पर 32 भारतीय पर्यटक और चालक दल के 4 सदस्य सवार थे। हादसे में 21 लोगों को बचा लिया गया है, जिनको अस्पताल ले जाया गया है। इनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी 15 शवों को बाहर निकाल लिया गया है। भारतीय पर्यटकों में ज्यादातर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के थे। यह नाव हादसा सुबह 10:30 बजे के आसपास हुआ। हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक दुखद घटना में कुछ घंटे पहले वियतनाम के फु-क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक नाव पलट गई। घटना की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है और स्थानीय अधिकारियों द्वारा खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी और मदद के लिए हो ची मिन्ह सिटी में भारत के कॉन्सुलेट जनरल और हनोई स्थित दूतावास में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं।

बिहार कोसी बराज से छोड़ा गया 1.25 लाख क्यूसेक से अधिक पानी

तटवर्ती इलाकों में बढ़ायी गयी निगरानी

सुपौल। नेपाल के तराई क्षेत्र और कोसी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण कोसी नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। बढ़ते जलप्रवाह को देखते हुए जल संसाधन विभाग और जिला प्रशासन ने तटबंधों की निगरानी तेज कर दी है। शनिवार शाम को कोसी बराज से 1.25 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया, जिससे नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम छह बजे कोसी बराज से कुल 1,25,690 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। इसमें डाउनस्ट्रीम की ओर 1,23,090 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जबकि वेस्टर्न कोसी मेन कैनाल में 2,600 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया गया। ईस्टर्न कोसी मेन कैनाल में इस समय पानी का बहाव शून्य रहा।

कोसी बराज नियंत्रण कक्ष के अनुसार नेपाल के बराह क्षेत्र में शाम छह बजे फॉलिंग डिस्चार्ज 83,750 क्यूसेक दर्ज किया गया। जलस्तर में लगातार हो रहे बदलाव को देखते हुए विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कोसी बराज तथा तटबंधों की सुरक्षा की लगातार निगरानी की जा रही है। संवेदनशील स्थलों पर अभियंताओं और कर्मियों की तैनाती बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

प्रशासन ने कोसी नदी के तटवर्ती गांवों और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। लोगों को नदी के किनारे अनावश्यक आवाजाही से बचने, प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी असामान्य स्थिति की तत्काल सूचना संबंधित अधिकारियों को देने को कहा गया है। जल संसाधन विभाग ने बताया कि कोसी नदी की प्रवृत्ति को देखते हुए बाढ़ नियंत्रण विभाग तटबंधों की सुरक्षा, जलस्तर की नियमित निगरानी और संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियों की लगातार समीक्षा कर रहा है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की है।

PR.No.- 384495 (HEALTH MED EDU AND FAMLY WEALFARE) 26-27

संक्षिप्त

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह बदहाल : भाजपा

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अभय सिंह ने आरोप लगाया कि राज्य का स्वास्थ्य तंत्र भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और लापरवाही का शिकार हो चुका है। शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में अभय सिंह ने कहा कि राजधानी रांची स्थित राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों तक मरीजों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दावे केवल कागजों तक सीमित हैं, जबकि जमीनी स्तर पर आम जनता बदहाल व्यवस्था और आर्थिक शोषण का सामना करने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से प्रतिदिन स्वास्थ्य विभाग की बदहाल व्यवस्था, चिकित्सीय लापरवाही और भ्रष्टाचार की खबरें सामने आ रही हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग गंभीर नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, मनमानी और अव्यवस्था का सबसे अधिक खामियाजा गरीब और जरूरतमंद लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

कलकत्ता पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण और अलंकरण समारोह

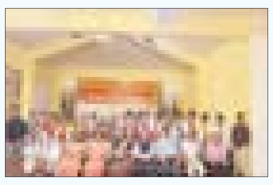

रांची। ओरमांझी स्थित कलकत्ता पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शनिवार को नवगठित छात्र परिषद का शपथ ग्रहण और अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर ऑनलाइन मतदान से निर्वाचित 21 छात्र-छात्राओं ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली तथा उन्हें बैज और सैश प्रदान किए गए। समारोह का उद्घाटन विद्यालय समूह के अध्यक्ष प्रभास कुमार झा, प्राचार्या प्रियम्दा झा, निदेशक मिथिलेश कुमार मिश्र और शैक्षिक सलाहकार टी.पी. झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जबकि मंच संचालन दृष्टि प्रसाद और आर्य सौरभ ने किया। इस अवसर पर छात्र परिषद में सौरभ बाखला को प्रधान छात्र, आकृति सिन्हा को प्रधान छात्रा, सुनिधि कुमारी को प्रीफेक्ट सहित विभिन्न पदों पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। अध्यक्ष प्रभास कुमार झा ने कहा कि नेतृत्व जन्मजात नहीं होता, बल्कि अनुशासन, निष्ठा और जिम्मेदारी से विकसित होता है। प्राचार्या प्रियम्दा झा ने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को सफलता का मूल मंत्र बताया, जबकि निदेशक मिथिलेश कुमार मिश्र ने छात्र परिषद को लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभ्यास बताते हुए छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र अथर्व गुप्ता को अखिल भारतीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में रजत पदक तथा वुडबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में छात्र-शिक्षक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

झारखंड में 14 जुलाई को सभी मतदान केन्द्रों पर चुनाव पाठशाला, बीएलओ-बीएलए टू की होगी बैठक : के. रवि कुमार

चुनाव पाठशाला में बूथ लेवल अफसर एएसडी सूची को पढ़कर सुनाएं

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर आगामी 14 जुलाई 2026 को बीएलओझबीएलए 2 की द्वितीय संयुक्त बैठक एवं चुनाव पाठशाला का विशेष आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 की यह पूरी कवायद एक सहभागी प्रक्रिया है, जिसे शत-प्रतिशत त्रुटिहीन और सफल बनाने के लिए राज्य के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक, मतदाता और सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है।

के रवि कुमार ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस विशेष अभियान के तहत 14 जुलाई को दिन के 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए 2 की बैठकों का संचालन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि इस चुनाव पाठशाला में बूथ लेवल अधिकारियों की ओर से अनिवार्य रूप से प्रारूप एएसडी सूची को सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया जाए, ताकि इस सूची को सत्यापित किया जा सके। इसके साथ ही, बैठक के दौरान अनमैप्ड मतदाताओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि चक्रधरपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 195 एवं 196 तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 87, बड़कागांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 44 एवं सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 218 के बीएलओ ने अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के सभी मतदाताओं का इन्यूमरेशन फॉर्म भरवाकर इसका 100प्रतिशत डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके लिए यहां के बीएलओ के साथझसाथ मतदाताओं, बीएलए 2 एवं निर्वाचन से संबंधित सभी स्टेकहोल्डर को हार्दिक बधाई।

उन्होंने राज्य के अन्य सभी मतदान केंद्र के बीएलओ एवं प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिकों से अपेक्षा की है कि वे भी इसी प्रकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें एवं ससमय अपने इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर एवं हस्ताक्षर कर अपने बीएलओ को यथाशीघ्र लौटाएं जिससे ससमय सभी इन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटाइजेशन प्रक्रिया पूरी की जा सके। उन्होंने बताया कि अबतक राज्य में बीएलओ द्वारा 83.40प्रतिशत मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है जिसमें आज के रिपोर्ट जारी करने तक 5336 ऐसे मतदान केंद्र है जहां 100प्रतिशत मतदाताओं को उनके बीएलओ की ओर से इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया की पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए इस बैठक में मतदाताओं, सामाजिक कार्यकताओं, यंग भोटर ईएलसी, चुनाव पाठशाला, बूथ अवेयरनेस ग्रुप के मेंबर एवं विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट की सक्रिय सहभागिता अपेक्षित है। इस बैठक में कोई गैर भारतीय व्यक्ति शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कोई पात्र भारतीय नागरिक न छूटे और कोई अपात्र व्यक्ति न जुड़े।

रांची विवि प्रशासनिक परिसर में मना कला दिवस

रांची। रांची विश्वविद्यालय के 67 वें स्थापना दिवस समारोह का दूसरा दिन शनिवार को शहीद चौक स्थित प्रशासनिक भवन में कला दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट विभाग और एनएसएस की छात्रों बुलबुल, एकता, मौसमी, तुषार, प्राची ने शिक्षक विवेक दास के निर्देशन में विश्वविद्यालय के दीवारों पर झारखंड की पहचान खुबसूरत सोहराई पेंटिंग बनाई।

इस अवसर पर कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का संरक्षक भी है और सोहराई जैसी लोक कलाओं को संस्थागत मंच प्रदान करना समय की मांग है। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर की दीवारें अब झारखंड की माटी की सुगंध और सोहराई कला के रंगों से सजीव होंगी, जो प्रकृति, फसल एवं जीवन के अटूट बंधन का प्रतीक हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीएसडब्लूय डॉ सुदेश कुमार साहु, ने छात्रों को सोहराई पेंटिंग के बारे में जानकारी दी और कहा कि झारखंड के ग्रामीण इलाकों में मृच्छकटिक कच्चे मकानों के दीवारों पर यह सुंदर पेंटिंग की जाती है। इस पेंटिंग को अपनी विशिष्टता के कारण जिओ टैग भी प्राप्त है। इसके लिये प्राकृतिक सामग्रियों जैसे कोयला, चूना, लाल और पीली मिट्टी गोंद से बनाये रंगों का उपयोग किया जाता है। इसमें पशु-पक्षियों, वृक्षों और जानवरों की आकृतियां बनायी जाती हैं। घर की दीवार पर सोहराई पेंटिंग समृद्धि और अच्छेद स्वा्स्ट्य का प्रतीक माना जाता है।

विश्वविद्यालय में कला दिवस पर सभी वरीय पदाधिकारी, कर्मी सहित कई विभागों के प्राध्यापक उपस्थित थे। सबों ने सोहराई पेंटिंग के छात्र कलाकारों की सराहना की और रांची विश्वाविद्यालय की चारदीवारी को पेंटिंग से सजाने और राज्य की इस पारंपरिक चित्रकारी कला को जीवंत रखने के लिये आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कॉर्डिनेटर डॉ किशोर सुरीन ने किया। इस अवसर पर डॉ सुदेश कुमार साहु, सीसीडीसी डॉ पीके झा, परीक्षा नियंत्रक डॉ संजय सिंह, प्रोक्टार डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, एफओ डॉ दिलीप प्रसाद, आईक्यूएसी डायरेक्टर डॉ एके डेल्टा, सीवीएस की डिप्टी डायरेक्टार डॉ स्मृति सिंह, डॉ हीरानंदन झा, आइएमएस के निदेशक डॉ अमर कुमार चौधरी, डॉ लाडली रानी सहित अन्य पदाधिकारी, प्राध्यापक एवं कर्मी उपस्थित थे।

इधर, विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय स्थापना समारोह के अंतिम दिन 12 जुलाई 2026 को हरित वीथिका कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें प्रशासनिक परिसर में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित है। इसके लिये सारी तैयारियां कर ली गयी हैं।

चुटूपालू घाटी में अनियंत्रित ट्रेलर ने दो कारों को उड़ाया, बाल-बाल बचे यात्री

रांची। रांची-पटना मुख्यमार्ग अंतर्गत फोरलेन के चुटूपालू घाटी में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है। एक के बाद एक लगातार हो रही दुर्घटना के बावजूद एनएचएआई के अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा। एक हफ्ते पूर्व डीसी ऋतुराज और एसपी मुकेश कुमार लुनायत सहित अन्य अधिकारियों ने चुटूपालू घाटी का निरीक्षण कर एनएचएआई के अधिकारियों सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में पहल करने के लिए कई निर्देश दिए थे। लेकिन अभी तक कोई पहल नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों के अनुसार चुटूपालू घाटी में एक एलपीजी टैंकर (एनएल 01 एल 1412) पहले से ही दुर्घटनाग्रस्त हो कर सड़क पर खड़ी थी। इस दौरान रांची से हजारीबाग जा रही वेन्यू कार संख्या (जेएच 02 बीएन 4677) और मारुति स्विफ्ट कार संख्या (जेएच 02 बीजेड 6481) को एक तेज रफ्तार से आ रहे ट्रेलर ने दोनों कारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में कार पर हजारीबाग निवासी सीसीएल कर्मी योगेंद्र प्रसाद और उनका साला राज भूषण बाल बाल बच गए। स्विफ्ट कार पर सवार चतरा जिले के मयूरहंड प्रखंड निवासी रंजीत कुमार भी बाल-बाल बच गए। वहीं रंजीत का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे पुलिस की मदद से सदर अस्पताल भेज दिया गया।

जनसंख्या नहीं, जनशक्ति बने झारखंड की पहचान : इरफान

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जनसंख्या किसी भी राज्य के लिए बोझ नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी पूंजी और जनशक्ति होती है। झारखंड की पहचान जनसंख्या नहीं, बल्कि जनशक्ति के रूप में स्थापित होनी चाहिए। पर जनसंख्या तभी राज्य की वास्तविक शक्ति बन सकती है, जब प्रत्येक नागरिक स्वस्थ, शिक्षित, कुशल और आत्मनिर्भर हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार जनस्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को रांची में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि राज्य के सभी जिलों में गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए अत्याधुनिक मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इन अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव, नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल, महिलाओं के लिए विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं तथा अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी और महिलाओं को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

डॉ. अंसारी ने कहा कि झारखंड एक युवा राज्य है और यहां की युवा आबादी राज्य के विकास की सबसे बड़ी ताकत है। यदि युवाओं को बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो राज्य विकास के नए आयाम स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।

इरफान अंसारी ने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार को स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध बनाना है। इसके लिए जनजागरूकता बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा परिवार नियोजन संबंधी सुविधाओं का विस्तार करने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को उसके जिले के निकट ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान जनसंख्या स्थिरीकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों से परिवार नियोजन अपनाने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, सहिया बहनें तथा विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

एक नजर

रंगदारी के लिए फायरिंग मामले में तीन आरोपितों की जमानत याचिका खारिज

रांची। रंगदारी की मांग को लेकर बस चालक पर फायरिंग करने के मामले में तीन आरोपितों को राहत नहीं मिली है। अपर न्यायायुक्त की अदालत ने नीतीश पाण्डेय, गोलू बाल्मीकि और अभिजीत कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह मामला 12 मई का है। नो-एंट्री के कारण जीवन ज्योति बस अरगोड़ा चौक स्थित यात्री शेड के पास खड़ी थी। इसी दौरान रात करीब 10 बजे दो युवक बस में घुस गए और चालक के सिर पर रिवॉल्वर सटाकर रंगदारी की मांग करने लगे। आरोपित चालक की जेब से जबरन रुपये निकालने लगे। विरोध करने पर उन्होंने चालक पर गोली चला दी। हालांकि चालक ने समय रहते सिर झुका लिया, जिससे वह बाल-बाल बच गया। गोली चलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपित भागने लगे। पीछा करने के दौरान पुलिस ने एक आरोपित को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य फरार होने में सफल रहे। बाद में उनकी भी गिरफ्तारी हुई। घटना के संबंध में बस चालक के बयान पर अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने तीनों आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी।

झारखंड में 13 और 14 जुलाई को बारिश के आसार, कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने राज्य की राजधानी रांची समेत अधिकांश जिलों में 13 और 14 जुलाई को हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है। इसके साथ ही 12 से 14 जुलाई के बीच राज्य के विभिन्न हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश की भी संभावना व्यक्त की गई है। इसे देखते हुए विभाग ने संबंधित जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 12 जुलाई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और उससे सटे मध्यवर्ती क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं 13 जुलाई को उत्तर-पूर्वी, मध्यवर्ती तथा दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा 14 जुलाई को उत्तर-पूर्वी और उससे सटे मध्यवर्ती जिलों में भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। विभाग ने लोगों से मौसम की स्थिति को देखते हुए आवश्यक सतर्कता बरतने की अपील की है। विभाग के अनुसार, जुलाई महीने में मानसून के दोबारा सक्रिय होने से राजधानी रांची सहित राज्य के लगभग सभी जिलों में लगातार कमोबेश बारिश हो रही है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को उमस से राहत मिली है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 94.2 मिलीमीटर वर्षा जामताड़ा डीवीसी क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई। इसी अवधि में राज्य का सर्वाधिक तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस पाकुड़ में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड हुआ। शनिवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। बीच-बीच में हल्की बारिश होती रही, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को रांची का अधिकतम तापमान 28.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 32.4 डिग्री और न्यूनतम 24.0 डिग्री सेल्सियस, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.4 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री सेल्सियस, बोकारो में अधिकतम 31.1 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री सेल्सियस तथा चाईबासा में अधिकतम 31.8 डिग्री और न्यूनतम 23.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

आपसी विवाद में युवक की हत्या मामले में आरोपित पर आरोप गठित, तीन अगस्त से होगी गवाही

रांची। आपसी विवाद में पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में आरोपित शंकर लोहरा के खिलाफ अपर न्यायायुक्त की अदालत ने शनिवार को आरोप गठित कर दिया। अदालत ने आरोपित को उसके खिलाफ लगाए गए आरोप पढ़कर सुनाए, जिस पर उसने अपनी संलिप्तता से इनकार किया। आरोपित के इनकार के बाद अदालत ने मामले में आरोप गठित करते हुए अभियोजन पक्ष को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मामले में तीन अगस्त से गवाही की प्रक्रिया शुरू होगी। मामला रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र के डिबडीह का है, जहां 29 जनवरी को आपसी विवाद के बाद अभिषेक लोहरा के साथ मारपीट की गई थी। आरोप है कि विवाद के दौरान शंकर लोहरा ने अभिषेक को लाठी-डंडे और लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अभिषेक को इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान 30 जनवरी को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने डोरंडा थाना का घेराव कर कार्रवाई की मांग की थी। परिजनों की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 30 जनवरी की देर रात आरोपित शंकर लोहरा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है।

वर्षा ऋतु में राज्यव्यापी वृक्षारोपण अभियान चलाएगा मारवाड़ी सम्मेलन

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने वर्षा ऋतु के दौरान राज्यभर में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने का आह्वान किया है। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल और प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन ने सभी जिला एवं शाखा इकाइयों, पदाधिकारियों और सदस्यों से कम-से-कम एक पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। सम्मेलन ने एक पौधा-एक जीवन, हर सदस्य-एक संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। सम्मेलन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए वृक्षारोपण को जन आंदोलन का स्वरूप देना है। प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि वर्षा ऋतु वृक्षारोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय है। इस मौसम में लगाए गए पौधों के जीवित रहने की संभावना अधिक होती है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को स्थायी मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, लगातार बढ़ता तापमान और घटते हरित क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। सम्मेलन के अध्यक्ष ने कहा कि वृक्ष जीवन का आधार हैं। वे शुद्ध वायु, छाया, वर्षा, भू-जल संरक्षण तथा जैव विविधता के संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसलिए पौधारोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सभी सदस्यों से अपने घर, प्रतिष्ठान, विद्यालय, मंदिर, पार्क तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल, सिंचाई और सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

नगर निगम | रांची नगर निगम परिषद की बैठक में 25 विकास प्रस्तावों पर चर्चा

पायलट सिटी बनाने व पुलिस कमिश्नर प्रणाली की उठी मांग

रांची। रांची नगर निगम परिषद की बैठक में शनिवार को शहर के विकास, आधारभूत सुविधाओं और जनसुरक्षा से जुड़े 25 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, महापौर रौशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार तथा नगर निगम के सभी 53 वार्डों के पार्षद उपस्थित रहे। जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने सुझाव रखे और शहर के समग्र विकास पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए सांसद एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि शहर का विकास योजनाबद्ध, वैज्ञानिक और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप किया जा सके। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती आबादी को देखते हुए दीर्घकालिक विकास योजना तैयार करना समय की मांग है। संजय सेठ ने नगर निगम के सभी वार्डों में ओपन जिम स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में ओपन जिम बनने से लोगों, विशेषकर युवाओं और बुजुर्गों को अपने क्षेत्र में ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा फिट इंडिया अभियान को भी बढ़ावा मिलेगा। संजय सेठ ने कहा कि रांची की बढ़ती आबादी के साथ लूट, चोरी और डकैती जैसी आपराधिक घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। ऐसे में शहर की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने की आवश्यकता है। उनका कहना था कि इस व्यवस्था से अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत किया जा सकेगा।

बैठक में राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से राज्य का बकाया भुगतान समय पर नहीं किए जाने के कारण कई विकास योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य को समय पर उसकी देय राशि उपलब्ध कराई जाए तो नगर विकास सहित विभिन्न परियोजनाओं को और गति मिल सकेगी तथा आम लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।महुआ माजी ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बरसात के मौसम में मच्छरजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने निगम प्रशासन से इस दिशा में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम की जा सके।

बैठक के दौरान पार्षदों ने भी अपने-अपने वार्डों से जुड़े विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, जलनिकासी, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित मुद्दे उठाए। इन प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के बाद निगम प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में शहर के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार और बेहतर शहरी प्रबंधन को लेकर सभी जनप्रतिनिधियों ने समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया। जनप्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि परिषद की बैठक में उठाए गए प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्रवाई होने से रांची के विकास को नई गति मिलेगी।

ऊर्जा निगम में कर्मियों की सुरक्षा भगवान भरोसे : अजय राय

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम के विभिन्न सप्लाई एरिया बोर्ड में कार्यरत मानव दिवस एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि श्रमिकों की जान भगवान भरोसे है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद विभाग और संबंधित एजेंसियां सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर नहीं हैं। शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में अजय राय ने कहा कि हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न सप्लाई एरिया बोर्डों में आधा दर्जन से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इन हादसों में कई कर्मियों की मौत हुई है, जबकि अनेक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके बावजूद मृतक और घायल कर्मियों के परिजनों को समय पर मुआवजा, आर्थिक सहायता तथा अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध नहीं कराया गया, जो विभाग और संबंधित एजेंसियों की संवेदनहीनता को दर्शाता है। अजय राय ने कहा कि यदि सभी कर्मियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सेफ्टी किट उपलब्ध कराई जाती, नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाता और कार्यस्थलों पर सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाता, तो कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता था। बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों और सुरक्षा व्यवस्था के श्रमिकों से कार्य कराना उनके जीवन को जोखिम में डालने के समान है। अजय राय ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में कार्य करने वाले मानव दिवस और आउटसोर्सिंग कर्मी कठिन एवं जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में अपनी सेवाएं देते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग और संबंधित एजेंसियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने राज्य सरकार और झारखंड ऊर्जा विकास निगम प्रबंधन से सभी दुर्घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई करने, मृतक एवं घायल कर्मियों के आश्रितों को तत्काल उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा सभी सप्लाई एरिया बोर्डों में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

राज्यपाल ने विश्व रिकॉर्ड धारक डॉ. मेघा रानी को किया सम्मानित

हिंदी लेखन को लगातार बढ़ावा देने का दिया संदेश

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दुनिया में सबसे तेज हिंदी लिखने का विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने वाली डॉ. मेघा रानी को लोक भवन में आमंत्रित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. मेघा रानी को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने तथा अपनी लेखनी से नई पीढ़ी को प्रेरित करने का संदेश दिया।

राज्यपाल ने कहा कि डॉ. मेघा रानी ने अपनी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और कठिन परिश्रम के बल पर न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की है, बल्कि वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा का गौरव भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां समाज और राष्ट्र दोनों के लिए प्रेरणादायी होती हैं। उन्होंने डॉ. मेघा रानी से आग्रह किया कि वे हिंदी लेखन की अपनी यात्रा को निरंतर जारी रखें, ताकि उनकी लेखनी साहित्य जगत को नई दिशा देने के साथ-साथ युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहे। संतोष कुमार गंगवार ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. मेघा रानी की उपलब्धि देशभर की युवतियों तथा लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सपना देखने वाले युवाओं को नई प्रेरणा देगी। उन्होंने कहा कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है और डॉ. मेघा रानी इसकी उत्कृष्ट मिसाल हैं।

राज्यपाल से मिले स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ. मेघा रानी ने कहा कि विश्व रिकॉर्ड स्थापित करना उनके जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है, लेकिन राज्यपाल से मिलना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना उनके लिए सबसे बड़े सम्मान में से एक है। उन्होंने कहा कि वह राज्यपाल की सीख को जीवनभर स्मरण रखेंगी और हिंदी भाषा एवं साहित्य की सेवा के प्रति अपना समर्पण निरंतर बनाए रखेंगी।

उल्लेखनीय है कि डॉ. मेघा रानी ने अपनी असाधारण प्रतिभा और अथक परिश्रम के बल पर दुनिया में सबसे तेज हिंदी लिखने का नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस उपलब्धि के साथ वह ऐसा करने वाली विश्व की पहली महिला बन गई हैं। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता की देश-विदेश के विभिन्न मीडिया मंचों पर व्यापक चर्चा हो रही है।

संक्षिप्त

रातू में घर के आंगन में खड़ी बाईक की चोरी

रातू। थाना क्षेत्र के सिमलिया से शुक्रवार रात एक मोटरसाइकिल की चोरी हो गई। इस संबंध में पीड़ित सुहेल अंसारी, पिता आबिद अंसारी ने चोरी को रातू थाना में लिखित शिकायत दी है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सुहेल अंसारी ने अन्य दिनों की तरह अपनी बाइक जेएच 01 सीजे 5006 को रात को घर के आंगन में लगाया था। सुबह उठकर देखा तो गाड़ी वहां नहीं थी। काफी खोजबीन के बाद भी गाड़ी का पता नहीं चल सका। सुहेल अंसारी ने पुलिस से गाड़ी चोरी का मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। रातू पुलिस ने आवेदन लेकर जांच शुरू कर दी है।

काठीटांड चौक पर लगेगी स्व. गोपाल शरण नाथ शाहदेव की आदमकद प्रतिमा

रातू। छोटानागपुर राज परिवार के युवराज एवं हटिया विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व विधायक स्वर्गीय गोपाल शरण नाथ शाहदेव की स्मृति में काठीटांड चौक पर उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह निर्णय शनिवार को पंचायत भवन, रातू पूर्वी में आयोजित विशेष ग्राम सभा में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान सुरेश पाहन ने की। ग्राम सभा में उपस्थित सभी ग्रामीणों और गणमान्य नागरिकों ने विस्तार से चर्चा के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। सदस्यों ने कहा कि स्व. शाहदेव जी ने क्षेत्र के सामाजिक, शैक्षणिक और विकास कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया था। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने और आने वाली पीढ़ियों को उनसे प्रेरणा मिले, इसी उद्देश्य से प्रतिमा लगाने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर रातू पूर्वी की मुखिया सुषमा तिर्की, पृथ्वी नाथ शाहदेव,जय गोविंद मुंडा,अरविंद पांडेय, अशोक तिर्की, नवीन कुमार सिन्हा, अरशद अयूब, सुबोध कुमार साहू, ए बारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। बैठक के अंत में सभी ने प्रस्ताव के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक और सामाजिक सहयोग का संकल्प लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों से प्रतिमा स्थापना की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने का आग्रह किया गया। कौन थे गोपाल शरण नाथ शाहदेव - छोटानागपुर राज परिवार के युवराज और हटिया से पूर्व विधायक। क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका।

पत्नी ने पति से आपसी सहमति से अलग होने का किया फैसला

रातू। थाना क्षेत्र के मुरगु में पारिवारिक विवाद को आपसी सहमति से सुलझाते हुए एक दंपति ने शांति से अलग रहने का निर्णय लिया है। इस संबंध में काजल कुमारी ने शनिवार को रातू थाना में लिखित समझौता पत्र सौंपा। पत्र में काजल कुमारी ने बताया कि उनका विवाह अनिल साहू के साथ 14 मई 2026 को हुआ था। लेकिन आपसी मतभेद के कारण तीन जून 2026 से दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि 11 जुलाई 2026 को दोनों पक्षों की सहमति से यह तय किया गया है कि भविष्य में किसी प्रकार का झगड़ा नहीं किया जाएगा और न ही एक-दूसरे के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दोनों शांतिपूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे। समझौता के मौके पर सीमा देवी, मुक्ता देवी और निरंजन साहू गवाह के रूप में उपस्थित थे।

अभाविप मांडर नगर इकाई का पुनर्गठन, डॉ. विवेक शाही बने नगर अध्यक्ष

मांडर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की झारखंड प्रदेश इकाई के रांची ग्रामीण जिला अंतर्गत मांडर नगर इकाई का सत्र 2026-27 के लिए पुनर्गठन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी आदर्श प्रसाद ने कार्यकताओं की सहमति एवं सर्वसम्मति से नई नगर कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में डॉ. विवेक शाही को नगर अध्यक्ष बनाया गया। निखिल सिंह एवं सोना पोद्दार को नगर उपाध्यक्ष तथा रोहित साहू को नगर मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं रवीना उरांव, शिवम हजाम, अभिनव पाठक, आंचल सिंह एवं सुभाष महतो को नगर सह मंत्री बनाया गया। मोहित ठाकुर एवं नीतेश कुमार को नगर कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया। नगर एसएफएस संयोजक के रूप में बिट्टू सिंह एवं अंजली लोहरा, जबकि एसएफडी संयोजक के रूप में आशा कुमारी एवं सतीश उरांव को दायित्व दिया गया। सोशल मीडिया संयोजक अनिकेत सिंह तथा सह संयोजक अंजली कुमारी बनाए गए। +2 प्रमुख के रूप में अमित गोप एवं निखिल गोप को जिम्मेदारी मिली। नगर कला मंच के संयोजक मंडल में रोहिणी उरांव, मुस्कान कुमारी, निधि कुमारी एवं अमित उरांव को शामिल किया गया। 'खेलो भारत' अभियान के लिए अभिषेक कुमार, राजू रजक, प्रिंस गुप्ता एवं कुंदन सिंह को दायित्व सौंपा गया। नगर जनजातीय कार्य संयोजक के रूप में रोहित लोहरा, अर्जुन पूर्व, सुहानी उरांव एवं रोशनी उरांव को जिम्मेदारी दी गई। स्टूडोमैटिक्स प्रमुख शिवम तिवारी एवं दीप्ति कुजुर, नगर कोष प्रमुख अमित कर्मकार तथा नगर मीडिया संयोजक नीतीश गुप्ता बनाए गए। इसके अलावा सूरज सिंह, आकाश गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, देवेश तिवारी एवं आकाश महली को नगर कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने नवगठित टीम को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थी परिषद राष्ट्र निर्माण, छात्र हित एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी।

मादी मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक डॉ. शशी दिनकर मिंज के हार्ट अटैक से मौत

रातू। मादी मेमोरियल हॉस्पिटल बेलांगी के संचालक डॉ. शशी दिनकर मिंज के हार्ट अटैक से असामयिक निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन को चिकित्सा जगत, मरीजों और आम जनता के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। डॉ. मिंज ने दशकों तक मादी मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक के रूप में समर्पित भाव से समाज और मानवता की सेवा की। अपनी सरलता, सेवा भावना और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के कारण वे क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे। गरीब और जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए वे हमेशा तत्पर रहते थे। उनके निधन की खबर से शुभचिंतकों, सहयोगियों और हजारों मरीजों में गहरा दुःख व्याप्त है।

जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक – डॉ. मिंज के निधन पर स्थानीय सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, विधायक नवीन जायसवाल, रातू सीएचसी के प्रभारी डॉ. सुजीत कुमार कश्यप,

भाजपा नेता कृष्णा भगत, विमल उरांव, प्रदीप टोप्पो, लाला मिंज,धर्मेन्द्र सिंह, महेश महतो,जीवनजीत मिर्धा,सुबोध साहु,शिवप्रकाश तिवारी, आदित्य तिर्की, अमर उरांव,डॉ आरपी साहु,डॉ केपी सिंह,डॉ रमेश श्रीवास्तव सहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

भाई के आने के बाद अंतिम संस्कार - सुत्रो से मिली जानकारी के अनुसार मृतक के बडे भाई अमेरिका में रहते है। उनका रविवार शाम रांची पहुचने की संभावना है। उनके आने के बाद डॉ मिंज का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

परिजनो का रो रोकर हाल बेहाल – डॉ शशि दिनकर मिंज की मौत की खबर सुबह जैसे ही घर वालो को मिली घर में कोहराम मच गया। पत्नी रामेश्वरी मिंज सहित उनकी दोनो बेटियो का हाल बेहाल था। वही चिकित्सक की मौत की खबर मिलते ही हॉस्पीटल के जावेद एवं विवेक भागे - भागे उनके आवास पहुंचे। वही मृतक के पिता करमा मिंज सहित मां की भी बेटे की मौत की खुबर सुन हाल बेहाल था।

क्या कहते है समाजसेवी कृष्णा भगत - डॉ शशि दिनकर मिंज सरल स्वभाव, 24७7 मरीजों की सेवा और बिना भेदभाव इलाज के लिए जाने जाते थे। बेलांगी और आसपास के गांवों के लिए वे डॉक्टर साहब के नाम से मशहूर थे। उनके निधन की खबर पर बेलांगी गांव के लोगो ने कहा कि विश्वास ही नही हो रहा।

मांडर में आधुनिक कार एक्सेसरीज का नया ठिकाना : 'ईशा कार एक्सेसीरीज' का भव्य शुभारंभ

डीएसपी रामनरायण चौधरी ने किया उद्घाटन

मांडर : मांडर के फिरदौस नगर स्थित होंडा शोरूम के सामने शनिवार को आधुनिक कार एक्सेसरीज शोरूम 'ईशा कार एक्सेसीरीज' का भव्य शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी एवं मांडर थाना प्रभारी मनोज करमाली ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुड़मा मदरसा के छात्रों द्वारा पवित्र कुरआन की तिलावत एवं क्षेत्र की अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ के साथ हुई। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, व्यवसायी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीएसपी रामनारायण चौधरी ने कहा कि मांडर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह पहला

कार एक्सेसरीज सेंटर है। इसके खुलने से अब क्षेत्र के वाहन मालिकों को कार एक्सेसरीज खरीदने के लिए रांची का रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्हें स्थानीय स्तर पर ही बेहतर गुणवत्ता की सामग्री उचित कीमत पर उपलब्ध होगी। प्रतिष्ठान के संचालक अल्तमस अकरम ने बताया कि ईशा कार एक्सेसीरीज में प्रीमियम सीट कवर, क्रोम आइटम्स, एंड्रॉयड म्यूज़िक सिस्टम, यूनिवर्सल कार एक्सेसरीज सहित वाहनों से जुड़े कई आधुनिक उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और बेहतर सेवा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उद्घाटन समारोह में इफ्तेखार अंसारी, आतिप अकरम, दानिस आलम, तफेजुल अंसारी, समाजसेवी मुस्लिम अंसारी, हाजी अयुब अंसारी, अरविंद दुबे, छेदी साहू, तुफैल अंसारी, इम्तियाज अंसारी उर्फ बाबू, दयान तैयब, हसीब खान, असलम अंसारी, अनवर कुरैशी, जाहिर खान, जमील अंसारी, आरिफ खान, शाहिद अंसारी, एहसान अंसारी, अनवर अंसारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं व्यवसायी उपस्थित रहे।

श्री राम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

पिस्का नगड़ी। पिस्का नगड़ी प्रखंड के प्रेमनगर स्थित श्री राम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा वन महोत्सव-2026 के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की चेयरमैन मंजू सिन्हा के मुख्य आतिथ्य एवं प्राचार्य डॉ. आनंद मोय के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर मंजू सिन्हा ने फलदार एवं सुगंधित पौधों का रोपण करते हुए कहा कि एक पौधा माँ के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

महाविद्यालय के सचिव विकास सिन्हा ने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा हरित, स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। वहीं प्राचार्य डॉ. आनंद मोय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिवर्ष कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

महाविद्यालय के डीन डॉ. सुरजीत सिंह ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ सम्मान का भी प्रेरणादायी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण और लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अर्पणा कुमारी, प्रो. रूपेश कुमार, डॉ. संजीता कच्छप, प्रो. उद्धव कुमार, प्रो. रंजीत कुमार, प्रणीता मिश्रा, मिस फूल रानी तिर्की, मार्टिन रजक, दीपक कुमार, रंजीत कुमार पासवान सहित महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ के साथ हुआ। सभी प्रतिभागियों ने रोपित पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

एक नजर

रातू में 89 किसानों के बीच धान, मसूर, उरद और मुंगफली बीज का वितरण

रातू। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा शनिवार को प्रखंड मुख्यालय में खरीफ फसल के लिए किसानों के बीच बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुरियो, चितरकोटा, बानापीड़ी, जाड़ी, सुंडील और झखराटांड़ गांवों के कुल 89 किसानों के बीच धान, मसूर, उरद और मुंगफली के बीज का वितरण किया गया। विभाग द्वारा प्रत्येक किसान को 10-10 किलो चना और 4-4 किलो मसूर, उरद व मुंगफली बीज उपलब्ध कराया गया। इस दौरान बीटीएम मुनी कुजूर ने किसानों को बीज लगाने की सही विधि और बीजोपचार के फायदे के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीजोपचार से फसल की पैदावार अच्छी होती है और बीमारी का खतरा कम होता है। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख संगीता तिर्की, उपप्रमुख रियाजुल अंसारी, मुखिया ज्योति देवी सहित पंचायत प्रतिनिधि और कृषि विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सम्मानित हुए रातू सीएचसी के प्रभारी डॉ. सुजीत कश्यप

रातू। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को राज्यस्तरीय संवेदीकरण कार्यशाला सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रातू के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सह सर्जन डॉ. सुजीत कुमार कश्यप को जिला में सीएचसी स्तर पर सर्वाधिक शल्य प्रसव यानी सी- सेक्शन के उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डॉ. कश्यप को यह सम्मान राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनके मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। रातू सीएचसी में पिछले एक वर्ष में सुरक्षित प्रसव और आपातकालीन सी-सेक्शन सेवाओं के सफल संचालन के लिए उनके कार्य की सराहना की गई। इस उपलब्धि पर सीएचसी रातू के सभी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. सुजीत कश्यप को शुभकामनाएं दीं। सम्मान मिलने के बाद डॉ. सुजीत कुमार कश्यप ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल मेरी नहीं है, बल्कि सभी चिकित्सा पदाधिकारियों, नर्सों, एएनएम और सहयोगी कर्मियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। आगे भी हम माताओं और नवजातों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भाजपा नेता ने श्राद्धकर्म के लिए किया सहयोग

अनगड़ा। भाजपा नेता जैलेन्द्र कुमार ने प्रखंड के राजाडेरा गांव निवासी स्व लखीचरण सिंह घटवार के श्राद्धकर्म के लिए सूखा राशन और नकद देकर सहयोग किया है। शनिवार को मृतक के गांव जाकर उन्होने उनके परिजनों को सामग्री सौंपी। विगत दिनों गंभीर बीमारी से लखीचरण का निधन हो गया था,परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। मौके पर सोनू महतो,मृतक की पत्नी जीतन देवी, पुत्र सुमित सिंह,बुधराम बेदिया, सरयू सिंह, पवन सिंह, नंदलाल महतो आदि उपस्थित थे।

झारखंड राज्य किसान सभा ने 10 अगस्त के देशव्यापी जेल भरो आंदोलन की तैयारी तेज की

पिस्का नगड़ी। झारखंड राज्य किसान सभा (नगड़ी अंचल किसान काउंसिल) की बैठक शुक्रवार को दलादली, नगड़ी में अंचल अध्यक्ष ललित मुंडा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार, किसानों की विभिन्न समस्याओं तथा आगामी आंदोलनों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्षों के शासनकाल में किसानों पर सबसे अधिक हमले हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, बीज एवं बिजली विधेयक, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में कटौती, डीएपी एवं यूरिया पर सब्सिडी में कमी, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और निजीकरण जैसी नीतियां किसानों के हितों के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि खेती और किसानों को बचाने के लिए 10 अगस्त को देशव्यापी जेल भरो आंदोलन आयोजित किया जाएगा, जिसे ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि ₹हर गांव में किसान सभा, किसान सभा में हर किसान₹ अभियान के तहत गांव-गांव और घर-घर जाकर संगठन का विस्तार किया जाएगा। साथ ही 13 जुलाई को नगड़ी, रातू और मांडर प्रखंड कार्यालयों में डीएपी, यूरिया की उपलब्धता, मूल्य वृद्धि तथा किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके अलावा 26 जुलाई को शहीद सुभाष मुंडा का शहादत दिवस मनाने तथा 10 अगस्त के देशव्यापी जेल भरो आंदोलन की व्यापक तैयारियां करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में रांची जिला किसान सभा के जिला सचिव सह राज्य संयुक्त सचिव मदुवा कच्छप, जिला अध्यक्ष ललित मुंडा, अंचल सचिव राजू मुंडा, प्रदीप कुमार महतो, अशोक मुंडा, अमित मुंडा, बिंदेश्वर कुजुर, युसुफ जमील, जगदीश उरांव, अशोक मिंज, एरिक पौल तिर्की, बिक्रम तिग्गा, मरिया बुल तिर्की, छोटन देवी, जनवादी महिला समिति की नेत्री कृति सिंह मुंडा, निमा तिर्की सहित बड़ी संख्या में किसान प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्रील डे

संत माईकल स्कूल, मुरी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ग्रीन डे

पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है : डॉ. राकेश कुमार

हरी सब्जियां स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी हैं, इनके नियमित सेवन से शरीर स्वस्थ रहता है : सीएल प्रजापति

नव प्रदेश संवाददाता

सिल्ली। संत माईकल स्कूल, मुरी में शनिवार, 11 जुलाई 2026 को ग्रीन डे उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से यूकेजी तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर सभी बच्चे हरे रंग की आकर्षक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। किसी ने आम, पेड़, अंगूर, हरा मक्का, भिंडी, मिर्च, पालक, कद्दू, पपीता और अमरूद का रूप धारण किया, तो किसी ने प्रकृति और हरियाली का संदेश अपनी प्रस्तुति के माध्यम से दिया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपने-अपने परिधानों का परिचय देते हुए उनके महत्व और उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। ग्रीन डे के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, हरियाली के महत्व तथा स्वस्थ जीवन के लिए हरी सब्जियों एवं फलों के सेवन के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रीना साहू ने किया। उन्होंने बच्चों को हरियाली के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा हरे फल एवं सब्जियां खाने के स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है और इसकी शुरूआत बचपन से ही होनी चाहिए।

विद्यालय के निदेशक डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पेड़-पौधे, जंगल, नदियां, भूमि और पहाड़ हमारे जीवन का आधार हैं। इसलिए इनके महत्व को समझते हुए सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए।

विद्यालय के प्राचार्य सी.एल. प्रजापति ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने दैनिक भोजन में अधिक से अधिक हरी सब्जियों को शामिल करना चाहिए। हरी सब्जियां शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ आंखों की रोशनी बढ़ाने और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने में भी सहायक होती हैं। उन्होंने बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं में उत्पल कुमार, निक्की कुमारी, दीपिका कुमारी, प्रतिमा कुमारी, डॉली महतो एवं संजुक्ता सिंह देव सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों तथा छात्र-छात्राओं ने भी भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

तीन वाहन आपस में भिड़े बाल- बाल बचे लोग

रातू। थाना क्षेत्र के एनएच 39 स्थित बेलांगी के पास शनिवार शाम छह बजे के करीब तीन तेज रफतार वाहन आपस में भिड गए। लेकिन वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार एक थार रांची की ओर जा रही थी इसी बीच अचानक से थार ने ब्रेक मारा तो थार के पीछे चल रहा तेज रफतार इको स्पोर्ट ने उसे पीछे से ठोक दिया। वही इको स्पोर्ट के पीछे आ रही 407 बस ने इको स्पोर्ट को पीछे से ठोक दिया जिससे इको स्पोर्ट क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियो ने बताया कि थार जो पीछे हल्का सा क्षतिग्रस्त हुआ था भागने में सफल रहा। अंत में दोनो वाहन चालको ने आपसी समझौता कर लिया जिसके कारण रातू थाना में किसी प्रकार की कोई प्राथमिकी दर्ज नही की गई।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
आम सूचना
मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना वर्ष 2026-27

स्टील प्लांट का 'कौशल विकास मिशन': युवाओं और विस्थापित परिवारों के लिए खुल रहे रोजगार के नए द्वार

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र अपने निगमित सामाजिक दायित्व के माध्यम से स्थानीय समुदाय के सशक्तिकरण में एक नई मिसाल पेश कर रहा है। संयंत्र द्वारा शिक्षा और तकनीकी कौशल विकास पर केंद्रित पहलें न केवल स्थानीय युवाओं के भविष्य को संवार रही हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं।

विस्थापित परिवारों के लिए विशेष प्राथमिकता

बीएसएल के सामाजिक सरोकारों के तहत, 'बोकारो प्राइवेट आईटीआई' के माध्यम से युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। संस्थान की सबसे बड़ी विशेषता इसका समावेशी स्वरूप है, जिसमें 40 प्रतिशत सीटें स्थानीय विस्थापित परिवारों के लिए आरक्षित की गई हैं। इन परिवारों के अभ्यर्थियों के लिए यह संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरी तरह से निःशुल्क है, जो उन्हें आर्थिक बाधाओं से मुक्त होकर हुनरमंद बनने का अवसर देता है। उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण और भविष्य की योजनाएं

वर्तमान में, बोकारो प्राइवेट आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, फिटर और वेल्डर जैसे कोर-औद्योगिक ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वैश्विक स्तर पर बदलती औद्योगिक जरूरतों को देखते हुए, प्रबंधन जल्द ही कई नए और आधुनिक ट्रेड शुरू करने की तैयारी में है: कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट डीजल मेकेनिक, फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट, संस्थान अपनी स्थापना से अब तक 2149 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर चुका है, जो क्राफ्ट्समैन ट्रेनिंग स्कीम (उळर) के तहत अपना भविष्य उज्वल कर रहे हैं। ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग और कैंपस प्लेसमेंट, बोकारो आईटीआई की सबसे विशिष्ट पहचान इसकी 'ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग' (डख्ळ) प्रणाली है। प्रशिक्षुओं को बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों में कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव मिलता है, जो उन्हें किताबी ज्ञान से परे वास्तविक औद्योगिक वातावरण के लिए तैयार करता है। यही कारण है कि कैंपस रिक्रूटमेंट-सह-प्लेसमेंट ड्राइव में हौंडा मोटरसाइकिल, स्पार्क मिंडा, एक्साइड और टीवीएस जैसी बड़ी कंपनियां बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। ये ड्राइव ग्रामीण अंचल के युवाओं के लिए रोजगार का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रहे हैं।

समावेशी विकास की दिशा में बढ़ते कदम

बोकारो स्टील प्लांट के ये प्रयास स्थानीय युवाओं में आत्मनिर्भरता का संचार कर रहे हैं। शिक्षा के साथ कौशल और उसके बाद रोजगार का यह त्रिकोणीय मॉडल बोकारो को एक बेहतर कल की ओर ले जा रहा है। यह पहल न केवल एक औद्योगिक इकाई के रूप में बीएसएल की पहचान को पुष्ट करती है, बल्कि यह साबित करती है कि विकास का असली अर्थ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाना है।

बीएकेएस की बैठक में गूंजा आरएमएचपी कर्मचारियों का दर्द, प्रबंधन को दी आंदोलन की चेतावनी

नवप्रदेश/बोकारो स्टील सिटी। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) के आरएमएचपी विभाग की बैठक शनिवार को कैंटीन परिसर में संपन्न हुई। इस बैठक में विभाग की बदहाल कार्यप्रणाली और लंबित कर्मचारी मांगों को लेकर आरएमएचपी प्रबंधन के प्रति गहरा आक्रोश देखने को मिला। कर्मचारियों ने एक स्वर में प्रबंधन की तानाशाही के विरुद्ध मोर्चा खोलने का निर्णय लिया है। बैठक में मुख्य रूप से 2027 के वेज रिवीजन की तैयारी और 2017 से लंबित वेज रिवीजन एवं एरियर भुगतान पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही, बोनस व इंसेंटिव फॉमूर्ले में सुधार तथा नई श्रम संहिता के तहत कार्यसमिति के गठन को लेकर यूनियन पदाधिकारियों ने सदस्यों को जानकारी दी। कर्मचारियों ने विभाग की जर्जर स्थिति को उजागर करते हुए प्रबंधन को 20 सूत्रीय आधारभूत संरचना: जर्जर सड़कें, खराब ड्रेनेज सिस्टम और टूटे हुए वाकवे। पेयजल व स्वच्छता: वाटर प्यूरीफायर खराब होने से स्वच्छ पेयजल का अभाव और कैंटीन व इलेक्ट्रिकल सेक्शन के शौचालयों की दयनीय दशा। सुरक्षा व उपकरण: समय पर सेफ्टी शूज (लिबर्टी/वुडलैंड), रेनकोट और अग्नि-रोधी ड्रेस का न मिलना। साथ ही, टिपलर क्षेत्र में रेस्ट रूम का अभाव।काम का बोझ: नियमित मैनपावर में लगातार कमी और सामान्य गलतियों पर प्रबंधन द्वारा थोपे जा रहे अनावश्यक 'कारण बताओ नोटिस'। बैठक को संबोधित करते हुए संघ के महासचिव हरिओम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि आरएमएचपी प्रबंधन अब बीएसएल की गलत कार्यशैली का अनुकरण कर रहा है। उन्होंने कहा विभाग में समस्याओं का अंबार लगा है।

राजीव रंजन दुबे के नेतृत्व में उपायुक्त को गुलदस्ता भेंट कर सीएम के प्रति जताया आभार

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग), जिला शाखा रांची के जिला उपाध्यक्ष श्री राजीव रंजन दुबे के नेतृत्व में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने रांची के उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी को गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर राजीव रंजन दुबे,ने कहा कि समाहरणालय संवर्ग के लिपिकों की संशोधित नियुक्ति एवं प्रोन्नति नियमावली अधिसूचित किया जाना कर्मचारियों के सम्मान एवं सेवा हित में एक ऐतिहासिक निर्णय है, जिससे कर्मचारियों का मनोबल और अधिक मजबूत होगा।

विश्व आदिवासी दिवस के भव्य आयोजन को लेकर समिति की बैठक संपन्न

नवप्रदेश/गुमला। विश्व आदिवासी दिवस के भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति की बैठक कूड़ो छत्तरपुर पंचायत सचिवालय सभागार में समिति के अध्यक्ष चु यां कुजूर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न आदिवासी समाजों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस को पारंपरिक गरिमा एवं उत्साह के साथ मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया।बैठक में तय किया गया कि कार्यक्रम में सभी आदिवासी समुदायों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। आयोजन के दौरान पारंपरिक वाद्य यंत्र मांदर, नगाड़ा एवं घंट की थाप पर पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक खोड़हा दल अपनी आकर्षक प्रस्तुति देगा। इसके अलावा मंचीय कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता पर आधारित विभिन्न प्रस्तुतियां होंगी। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, विभिन्न समितियों के गठन तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही निर्णय लिया गया कि आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए अगली बैठक 19 जुलाई को आयोजित की जाएगी।बैठक में अनूप फ्रांसिस कुजूर, मंगरू मुंडा, भीम चीक बड़ाईक, कुलदीप नागेसिया, शशिकांत बेक, सिस्टर संगीता नगेसिया, सिस्टर सुशीला मिंज, जेरोम इन्दवार, मदन नगेसिया, रोहित लकड़ा, चारों, आशा बेक, बुधवा, कृष्णा , अनिसता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्य सूचना आयुक्त डॉ. तनुज खत्री ने सूचना के अधिकार अधिनियम के अनुपालन की समीक्षा की

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड राज्य सूचना आयोग, रांची के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. तनुज खत्री की अध्यक्षता में शनिवार को परिसदन भवन, गुमला के सभाकक्ष में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुपालन एवं क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी अपने-अपने विभागों से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन के साथ उपस्थित हुए। बैठक के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, लंबित मामलों के निष्पादन तथा आम नागरिकों तक समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सूचना उपलब्ध कराने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।राज्य सूचना आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि फरियादियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सही, सटीक एवं पूर्ण सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम नागरिकों को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है तथा सभी जन सूचना पदाधिकारी (पीआईओ) आरटीआई आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ बनाने के लिए आरटीआई प्रक्रिया को और अधिक मजबूत करना आवश्यक है। नागरिकों को छोटी-मोटी तकनीकी अथवा प्रक्रियागत कारणों से सूचना से वंचित नहीं रखा जाना चाहिए। साथ ही, अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप अधिकाधिक सूचनाएं डिजिटल माध्यम एवं सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएं, ताकि अंतिम व्यक्ति तक सूचना की सहज पहुंच सुनिश्चित हो सके। बैठक में लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान वर्ष 2025-26 में प्राप्त 28 मामलों में से सभी मामलों के निष्पादन तथा वर्ष 2026-27 में प्राप्त 8 मामलों में से 4 मामलों के निष्पादन पर चर्चा की गई। गुमला जिले में विगत दो वर्षों के दौरान मामलों के बेहतर निष्पादन पर राज्य सूचना आयुक्त ने संतोष व्यक्त किया तथा शेष मामलों का भी त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।डॉ. खत्री ने सभी विभागों को अपने-अपने कार्यालयों में जन सूचना पदाधिकारियों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने तथा जहां पीआईओ पदस्थापित नहीं हैं, वहां आवश्यक कार्रवाई करते हुए सूची का सत्यापन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय कार्यालयों में आरटीआई अधिनियम से संबंधित आवश्यक जानकारियां प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएं, ताकि आम नागरिकों को अधिनियम के प्रावधानों एवं सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी मिल सके।

जनप्रतिनिधि रहे खामोश, ग्रामीणों ने खुद लिखी विकास की इबारत

नवप्रदेश/गुमला। सरकारी उदासीनता और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के बीच घाघरा प्रखंड की चपका पंचायत के ग्रामीणों ने आत्मनिर्भरता और एकजुटता की मिसाल पेश की है। वर्षों तक सड़क निर्माण की मांग पूरी नहीं होने पर ग्रामीणों ने किसी सरकारी सहायता का इंतजार करने के बजाय खुद ही आर्थिक सहयोग जुटाया और सामूहिक श्रमदान से डीपाटोली से गड़ियाटोली तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी मिट्टी-मोरम सड़क का निर्माण कर दिया।

शनिवार को ग्रामीणों ने बताया कि गड़ियाटोली तक पहुंचने के लिए लोगों को मुख्य सड़क से लंबा चक्कर लगाना पड़ता था, जबकि पगडंडी का रास्ता जोखिमभरा और बरसात में लगभग बंद हो जाता था। इसका सबसे अधिक असर किसानों, विद्यार्थियों, महिलाओं और मरीजों पर पड़ता था, जिन्हें रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लगातार अनदेखी से आक्रोशित ग्रामीणों ने बैठक कर स्वयं सड़क निर्माण का निर्णय लिया। गांव के लोगों ने आपसी सहयोग से धन एकत्र किया और श्रमदान करते हुए करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क तैयार कर दी। सड़क बनने के बाद गड़ियाटोली तक आवागमन आसान हो गया है, जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।ग्रामीणों ने कहा कि यह सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि गांव की एकता, आत्मनिर्भरता और सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस सड़क का शीघ्र पक्कीकरण कराया जाए, ताकि हर मौसम में लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। मौके पर लालदेव उरांव, लाला उरांव, विनोद उरांव, बुधवा उरांव, सोमा उरांव, चंदन उरांव, अरविंद उरांव, लक्ष्मण उरांव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रगति एवं आधारभूत सर्वेक्षण प्रतिवेदन पर समीक्षात्मक बैठक आयोजित

नवप्रदेश/गुमला। उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित ह्यजीवन परियोजनाह्न के एक वर्ष की प्रगति एवं आधारभूत सर्वेक्षण प्रतिवेदन के संबंध में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन, सिविल सर्जन डॉ. शंभूनाथ चौधरी, विभिन्न बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पदाधिकारी तथा एकजुट संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।बैठक के दौरान जीवन परियोजना के तहत विगत एक वर्ष में संचालित गतिविधियों, उनके प्रभाव एवं आधारभूत सर्वेक्षण के निष्कर्षों की विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने कहा कि टाटा ट्रस्ट के सहयोग से जुलाई 2025 से जिले में संचालित यह परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में शून्य से छह वर्ष तक के बच्चों तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने कहा कि समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से संचालित इस परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को पोषण, बाल विकास एवं वृद्धि निगरानी संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त संयुक्त गृह भ्रमण, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के आयोजन में सहयोग, सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिकाओं की स्थापना जैसे अनेक नवाचारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में द जॉर्ज इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार आधारभूत सर्वेक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों एवं माताओं के पोषण, स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार, जागरूकता के स्तर तथा सुधार की संभावनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को साझा किया गया।

डीपीएस बोकारो में सीबीएसई की कार्यशाला आयोजित

पढ़ाई को प्रभावशाली बनाने में कारगर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता'

नवप्रदेश/बोकारो। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप शिक्षकों के अध्यापन-कौशल में संवर्द्धन के प्रयासों की कड़ी में शनिवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में शिक्षकों के लिए एकदिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। सीबीएसई के पटना उत्कृष्टता केंद्र के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला का विषय क्लासरूम की पढ़ाई में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की उपयोगिता था। इसमें विद्यालय के दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अध्यापन में एआई की उपयोगिता के गुर सीखे। रिसोर्स पर्सन के रूप में होलीक्रॉस स्कूल बालीडीह के वरीय शिक्षक संजय कुमार सेनापति एवं एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल की वरिष्ठ शिक्षिका दिव्या पांडेय शामिल रहीं।

श्री सेनापति ने कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्र-निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका से की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विद्यार्थियों के समग्र विकास से लेकर उनके भावनात्मक, सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास में शिक्षकों का अहम योगदान है। इसके बाद विषयवस्तु के विभिन्न पहलुओं पर उन्होंने विस्तार से प्रकाश डाला।

दूसरी रिसोर्स पर्सन दिव्या पांडेय ने पारंपरिक शिक्षण प्रणाली एवं आज के अत्याधुनिक शिक्षण परिवेश की चर्चा करते हुए क्लासरूम की पढ़ाई को प्रभावशाली बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को काफी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मानवीय बुद्धिमत्ता को मशीन में समन्वित करते हुए उसके उपयोग का लाभ लेना ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता है। अभी तक शिक्षक क्लासरूम में अपनी प्राकृतिक बुद्धिमत्ता (एनआई) का इस्तेमाल करते रहे हैं। समय के साथ तकनीक में काफी बदलाव आया है और उन्हीं में से एक एआई का उपयोग पठन-पाठन को बेहतर, आसान एवं बच्चों के लिए अधिक समझने योग्य बनाने में किया जा सकता है। उन्होंने ऑटोमेशन सिस्टम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक बदलाव पर भी विस्तार से चर्चा की तथा यह दावा किया कि मानवीय बुद्धिमत्ता ही कंप्यूटर से लेकर एआई तक की जननी है, जिसे हरा पाना किसी के बस की बात नहीं।

गुमला पहुंचीं मंत्री दीपिका पांडेय, टांगीनाथ धाम में किए दर्शन, बच्चों से की मुलाकात

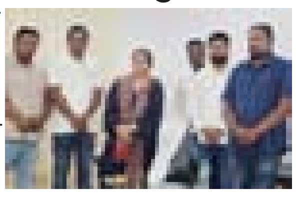

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय शनिवार को पारिवारिक दौरे पर गुमला पहुंचीं। स्थानीय सर्किट हाउस में उपायुक्त दिलेश्वर महतो, पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां एवं उप विकास आयुक्त ने उन्हें बुके भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजनील तिग्गा, जिला उपाध्यक्ष रोहित उरांव, मनीष हिंदुस्तानी, नगर अध्यक्ष जय सिंह, अभिषेक सोरेंग सहित कई कांग्रेस नेताओं ने भी उनका स्वागत किया। सर्किट हाउस में करीब आधे घंटे तक रुकने के दौरान मंत्री ने स्थानीय बच्चों से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें स्नेह व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कांग्रेसी नेता एकरामुल हक की पोती अरफा से पढ़ाई-लिखाई की जानकारी ली और बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मंत्री दीपिका पांडेय ने कहा कि झारखंड सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। बच्चों की मुस्कान और उनके उज्ज्वल भविष्य से ही राज्य का भविष्य सुरक्षित होगा। सरकार चाहती है कि हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और अपने परिवार तथा राज्य का नाम रोशन करे। उन्होंने कहा कि गुमला सहित पूरे राज्य में विकास कार्यों को गति देने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। जनता की समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी जनप्रतिनिधि व प्रशासन मिलकर विकास की दिशा में काम कर रहे हैं। सर्किट हाउस से मंत्री सपरिवार प्राचीन टांगीनाथ धाम पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान का दर्शन-पूजन कर राज्य की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इसके बाद उनका काफिला नेतरहाट के लिए रवाना हो गया।

एक नजर

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का सफल आयोजन

नवप्रदेश/बोकारो। भारत के हर नागरिक को कम - से कम एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करने व जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय नावाडीह में शनिवार को व्यावसायिक शिक्षक के रूप में कार्यरत रूपेश कुमार के द्वारा अपने दादी स्व0 सावित्री देवी के पुण्यतिथी के अवसर पर विद्यालय को 300 फलदार पौधे दान किये। इस अवसर पर नावाडीह प्रखंड प्रमुख पूनम देवी, उप प्रमुख हरिलाल महतो , जिप सदस्य फूलमती देवी , नावाडीह मुखिया किरण देवी, आहरडीह मुखिया गायत्री देवी ,पंसस हिना प्रवीण, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य राजीव रंजन तिवारी ने कार्यक्रम का उद्देश्य, पर्यावरण संरक्षण, सरकार के द्वारा संचालित कार्यक्रम और योजनाओं के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी। प्रमुख पूनम देवी ने कार्यक्रम की सराहना की और हर खुशी के अवसर पर यादगार के तौर पर पेड़ लगाने पर जोर दिया गया। मौके पर प्रवीण कुमार रजवार, आनंद महतो, उपेन्द्र कुमार, प्रमोद शुक्ला, प्रवीण कुमार, संगीता कुमारी, श्वेता सानवी, अंजलि सिंह, पूनम कुमारी, चंद्र भूषण श्रीवास्तव, ललन कुमार, लक्ष्मण ठाकुर, विकास, राजा बाबु, संदीप वर्मा, ईमरान अंसारी, दीपक कौशल, रूपेश कुमार, पूजा कुमारी, देवेन्द्र कुमार आदी शिक्षक उपस्थित थे।

कॉ. हलधर महतो की 20 वीं पुण्यतिथि पर किसान नेता जगन्नाथ रजवार ने श्रद्धांजलि

नवप्रदेश/बोकारो। कॉ. हलधर महतो स्मारक समिति कालापत्थर कि ओर से शनिवार को आयोजित झारखण्ड आन्दोलनकारी नेता स्वर्गीय कॉ.हलधर महतो की 20 वीं पुण्यतिथि सभा में किसान नेता सह चन्दनकियारी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी जगन्नाथ रजवार शामिल होकर उनके चरणों पर श्रद्धा पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी. वहीं श्री रजवार ने कहा कि स्वर्गीय हलधर महतो अपने छात्र जीवन से शोषण-जुल्म के खिलाफ के खिलाफ एक प्रखर आवाज बनके उभरे उनके हर एक आवाज जुल्म के खिलाफ व शोषित पीड़ित वंचितों का न्याय दिलाने का नाम हलधर महतो था. छात्र नेता की सफर से झारखण्ड अलग राज्य के आन्दोलन में वे अग्रिणी नेतृत्व दिए. उन्हें कई बार जेल यात्रा भी करनी पड़ी लेकिन कभी भी जुल्म के खिलाफ समझौता नहीं किया.श्री रजवार ने आगे कहा कि अगर आज हमारे बीच हलधर महतो होते तो कालापत्थर मौजा में निर्मित रेलवे स्टेशन का नामकरण चास रेलवे स्टेशन नहीं होने देते। मौके पर उनके अनुज चक्रधर महतो, पुत्र चंडी चरण महतो, झारखण्ड आन्दोलनकारी दुपलाल महतो, दुर्गा चरण महतो, तुलसी शर्मा, राम विलास महतो, मनोज महतो, भुपेंद्र केटियार, गया राम शर्मा, सोहराई महतो, तिलकेश्वर महतो आदि शामिल रहे।

गुमला की टीमों का शानदार प्रदर्शन, तीनों वर्गों में सेमीफाइनल की मजबूत दावेदारी

नवप्रदेश/गुमला। रांची में आज से आयोजित प्रमंडल स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिताझ्र2026 में गुमला जिला की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान की प्रभावशाली शुरूआत की है। प्रतियोगिता में अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग में संत पात्रिक उच्च विद्यालय, गुमला की टीमें गुमला जिला का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, जबकि अंडर-15 बालक वर्ग में संत इग्नेशियुस उच्च विद्यालय, गुमला की टीम भाग ले रही है।अंडर-15 बालक वर्ग में गुमला ने अपने पहले मैच में लोहरदगा को 3झ्र0 तथा दूसरे मैच में सिमडेगा को 10झ्र0 से पराजित कर लगातार दो शानदार जीत दर्ज की। इस वर्ग के शेष लीग मुकाबले कल सुबह खेले जाएंगे।अंडर-17 बालिका वर्ग में गुमला ने अपने पहले लीग मैच में सिमडेगा को 11झ्र0, दूसरे मैच में लोहरदगा को 8झ्र0 तथा तीसरे मैच में रांची को 2झ्र0 से पराजित कर लगातार तीन जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश की मजबूत दावेदारी पेश की।वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में गुमला का पहला मुकाबला सिमडेगा के साथ ड्रा रहा, जबकि दूसरे मैच में खूंटी को 5झ्र0 तथा तीसरे मैच में रांची को 5झ्र0 से हराकर टीम ने शानदार प्रदर्शन का परिचय दिया।बीपीओ दिलदार सिंह ने बताया कि गुमला जिला की तीनों टीमों का नेतृत्व डे बोर्डिंग बालक फुटबॉल प्रशिक्षक एवं प्रभारी बालक प्रशिक्षण केंद्र श्री रिजवान अली तथा बालिका प्रशिक्षण केंद्र की प्रशिक्षक बीना केरकेट्टा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है जबकि उनके द्वारा आवश्यक समन्वय किया जा रहा है।

15 जुलाई को हर पंचायत में होगी कांग्रेस की बैठक, कामडारा में बनी रणनीति

नवप्रदेश/कामडारा (गुमला)। हरिजन भवन, कामडारा में शनिवार को प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष अजीत केरकेट्टा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य रूप से सिसई विधानसभा प्रभारी रोहित उरांव उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए रोहित उरांव ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शों की जानकारी देते हुए कहा कि आगामी 15 जुलाई को प्रखंड की प्रत्येक पंचायत में कांग्रेस की बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी कार्यकताओं से पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा बैठकों को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता से जुटने का आह्वान किया। बैठक में पंचायतवार प्रभारियों की नियुक्ति भी की गई। इसके तहत कामडारा पंचायत के लिए अखिलेश्वर राम, कोनसा के लिए विष्णु बड़ाईक, रामतोल्या के लिए जदवा टोपनो, रेडवा के लिए यशोदा देवी, दुरुंडू के लिए देवनीश टोपनो, सरिता पंचायत के लिए प्रेम प्रकाश सुरीन, सालगुटू के लिए अश्विनी ओहदार, कुलबुरु के लिए संगीता बरला, रामपुर के लिए पतरस होरो तथा सूरुहु पंचायत के लिए जसिंता केरकेट्टा को प्रभारी बनाया गया। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के जिला सचिव राजू साहू के अलावा अमित एरिक टोपनो, विनोद सिंह, नरेंद्र बड़ाईक, संग्रेन सुरीन, ईश्वरी टोपनो, विष्णु चिक बड़ाईक, देवनीश टोपनो, मटियास टोपनो, जसिंता केरकेट्टा, यशोदा देवी, अखिलेश्वर राम, अभिषेक सोरेंग सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उर्वरक कालाबाजारी एवं मूल्य नियंत्रण को लेकर जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

नवप्रदेश/गुमला। उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में उर्वरक की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण, निर्धारित मूल्य पर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा किसानों को पारदर्शी ढंग से उर्वरक वितरण कराने के उद्देश्य से गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों पर निर्धारित मूल्य सूची (रेट चार्ट) एवं उर्वरक संबंधी आवश्यक सूचना (फर्टिलाइजेशन/सूचना चार्ट) अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। साथ ही प्रत्येक दुकान पर उर्वरक विक्रेता का वैध लाइसेंस भी प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने उर्वरक की कालाबाजारी एवं अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए संयुक्त रूप से नियमित छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को उर्वरक का वितरण केवल ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण (आधार ऑथेंटिकेशन) के उपरांत ही किया जाए। बिना ई-पॉस मशीन एवं आधार सत्यापन के किसी भी परिस्थिति में उर्वरक का वितरण नहीं किया जाएगा।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) स्तर पर भी नियमित रूप से टास्क फोर्स की बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया, ताकि अनुमंडल स्तर पर उर्वरक वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

प्रशासन का मेगा ऑपरेशन: अवैध पत्थर माफियाओं पर शिकंजा, करोड़ों की मशीनें जब्त, छह हिरासत में

नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं के नेटवर्क पर करारा प्रहार किया है। सरिया अंचल के बाल्हेडीह जंगल में संचालित अवैध पत्थर खदान पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने मेगा ऑपरेशन चलाकर करोड़ों रुपये मूल्य की मशीनें और उपकरण जब्त कर लिए। कार्रवाई के दौरान छह लोगों को हि,रासत में लिया गया, जबकि कई अन्य आ,रोपी मौके से फरार हो गए। इस बड़ी कार्रवाई के बाद पूरे इलाके के अवैध खनन कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, यह अभियान एसडीओ संतोष गुप्ता के नेतृत्व में चलाया गया। ऑपरेशन में एसडीपीओ धनंजय राम, अंचल अधिकारी संतोष कुमार, सरिया थाना प्रभारी पिंकू कुमार सिंह समेत पुलिस और प्रशासन के कई अधिकारी तथा भारी संख्या में सुरक्षा बल शामिल थे। संयुक्त टीम ने जंगल के भीतर स्थित अवैध खदान को चारों तरफ से घेर लिया और चल रहे खनन कार्य को तत्काल बंद करा दिया। छापेमारी के दौरान प्रशासन ने पत्थर उत्खनन में लगी भारी मशीनें, उपकरण और अन्य संसाधन जब्त कर लिए। मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की गई और अवैध खनन से जुड़े दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी गई है। हि,रासत में लिए गए छह लोगों से लगातार पूछताछ कर पूरे सिंडिकेट का नेटवर्क खंगाला जा रहा है। प्राथमिक जांच में ताजुद्दीन अंसारी, नरेश पासवान और सुरेश नायक के नाम सामने आए हैं। पुलिस इनकी भूमिका की गहन जांच कर रही है और अवैध खनन से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी में जुटी है। बताया जा रहा है कि बाल्हेडीह जंगल में लंबे समय से अवैध पत्थर उत्खनन की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के सत्यापन के बाद प्रशासन ने योजनाबद्ध तरीके से यह बड़ी कार्रवाई की। अचानक हुई छापेमारी से अवैध कारोबारियों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग मौके से भाग निकले। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गिरिडीह में अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और जांच के आधार पर पूरे खनन नेटवर्क पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने दो टूक कहा कि सरकारी संपत्ति और प्राकृतिक संसाधनों की लूट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा कानून तोड़ने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

एक नजर

भाजपा गिरिडीह महानगर की मासिक बैठक संपन्न

नवप्रदेश/गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी गिरिडीह महानगर की मासिक बैठक शनिवार को हरिचक स्थित जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में गिरिडीह जिला संगठन प्रभारी डॉ. संजय सिंह उपस्थित रहे। बैठक में संगठन प्रभारी डॉ. संजय सिंह ने जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों एवं शक्ति केंद्रों की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम, डिजिटल लर्निंग ऐप तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। डॉ. संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को प्रेरित करने का सशक्त माध्यम बन चुका है। इसके जरिए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, युवाओं की भागीदारी और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर समाज को जागरूक किया जाता है। उन्होंने स्क्र(विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान) की महत्ता बताते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची आवश्यक है। इस अभियान के तहत नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नामों का सत्यापन करने तथा मतदाता सूची में आवश्यक सुधार किए जाते हैं, जिससे चुनाव प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनती है। महानगर जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने जिले में चल रहे संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए मंडल अध्यक्षों एवं प्रभारियों को नियमित मंडल बैठकों और प्रवास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान के तहत प्रमुख लोगों से संपर्क का कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा। बैठक का संचालन जिला महामंत्री सिकंदर हेम्ब्रम ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष अरुण हाजरा ने किया। बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साव, चुन्नूकांत, कोडरमा सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव, वरिष्ठ नेता विनय सिंह, पूर्व महापौर सुनील पासवान, जिला उपाध्यक्ष नवीन सिन्हा, संगीता सेठ, जिला मंत्री गुड़िया देवी, रिंकी देवी, दीपक यादव, सुरेश मंडल, कार्यालय मंत्री संत कुमार लल्लू, जिला मीडिया सह-प्रभारी राजेश जायसवाल, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बद्रीनारायण साहा डीएवी पब्लिक स्कूल में रथ यात्रा सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन

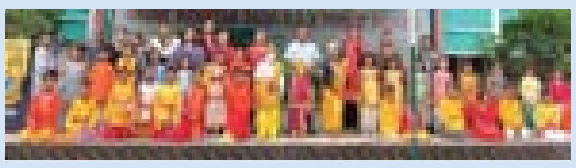

नवप्रदेश/गिरिडीह। बद्रीनारायण साहा डीएवी पब्लिक स्कूल, सिरसिया में बाल वाटिका (नर्सरी से कक्षा 2) के विद्यार्थियों के लिए रथ यात्रा सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को 'भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा' के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराना तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति उनमें आस्था एवं सम्मान का भाव विकसित करना था। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा के स्वरूप में पारंपरिक वेशभूषा धारण कर कार्यक्रम में शामिल हुए। छात्रों ने सुसज्जित रथ के साथ हर्षोल्लासपूर्वक रथ यात्रा निकाली तथा भक्ति गीतों एवं जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विद्यार्थियों ने भगवान जगन्नाथ की महिमा पर आधारित मनमोहक भाव नृत्य प्रस्तुत कर सभी दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। इसके अतिरिक्त भजन एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यालय के प्राचार्य सचिन गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि ₹ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बच्चों को भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। विद्यालय केवल शैक्षणिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास एवं सांस्कृतिक चेतना के संवर्धन के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।₹ कार्यक्रम के सफल आयोजन में छात्रों शिक्षकों एवं अभिभावकों का सराहनीय योगदान रहा।

उपायुक्त ने ट्राइबल म्यूजियम निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

नवप्रदेश/दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने आज निमार्णाधीन ट्राइबल म्यूजियम का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसी के प्रतिनिधियों द्वारा उन्हें निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपायुक्त को अवगत कराया गया कि ट्राइबल म्यूजियम का निर्माण कार्य नवंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। यह म्यूजियम राज्य की समृद्ध आदिवासी विरासत, संस्कृति, परंपराओं एवं इतिहास को संरक्षित करने तथा उन्हें प्रदर्शित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। इसके माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को आदिवासी समाज की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसी को सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए तथा निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समयावधि के भीतर निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जाएं तथा नवंबर 2026 तक परियोजना को हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि यह महत्वाकांक्षी परियोजना शीघ्र ही आमजन के लिए समर्पित की जा सके।

चांडिल बाजार से चोरी गई बाइक बरामद, दो शातिर चोर गिरफ्तार

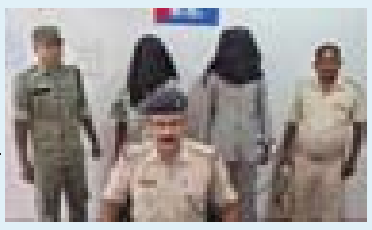

नवप्रदेश/चांडिल। चांडिल पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस संबंध जानकारी देते हुए थाना प्रभारी संतन तिवारी ने बताया कि चांडिल बाजार से मिलन प्रामाणिक की हीरो होंडा पैशन प्रो (संख्या- खल्05इळ-1692) चोरी हो गई थी। मामले में चांडिल थाना कांड संख्या 92/26, दिनांक 03 जुलाई 2026 को बीएनएस की धारा 303(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की बाइक बरामद कर ली। जांच के दौरान घटना में संलिप्त चंदन बागती उर्फ चंदू बागती (19) तथा शिवा सरदार (20), दोनों निवासी बागुनहातु, डी ब्लॉक, रोड संख्या-7, थाना सिदगोड़ा, जिला पूर्वी सिंहभूम को गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर गिरिडीह में 'जनसंख्या स्थिरता अभियान-2026' का शुभारंभ

नवप्रदेश/गिरिडीह। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य समिति, गिरिडीह के तत्वावधान में जनसंख्या स्थिरता अभियान-2026 का विधिवत शुभारंभ एमसीएच (टउल्र), चैताडीह, गिरिडीह में आयोजित समारोह के दौरान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, उप विकास आयुक्त असमृता कुमारी एवं सिविल सर्जन डॉ. बच्चा सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर जनसंख्या स्थिरता, परिवार कल्याण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा लोगों को छोटे परिवार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। समारोह में परिवार नियोजन एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, सहियाओं एवं एएनएम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कहा कि जनसंख्या स्थिरता केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास से भी जुड़ा हुआ है। इसके लिए जनजागरूकता और सभी की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप बैठा, डॉ. संजना शर्मा, डॉ. रचना सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक, सहिया, एएनएम एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान परिवार नियोजन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

बालू पंचायत में एसआईआर अभियान के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड की बालू पंचायत में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हेरहंज कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें ग्रामीणों को मतदाता सूची से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालूमाथ कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष आमिर हयात ने की। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, वे समय पर आवेदन देकर नाम जुड़वाएं। साथ ही जिन मतदाताओं के नाम, पता या अन्य विवरण में त्रुटि है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत संशोधन कराएं तथा सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर जमा करें, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से वंचित न रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने ग्रामीणों को निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित एसआईआर अभियान की जानकारी देते हुए लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से मतदाता सूची को अद्यतन कराने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। इस अवसर पर अफजाल मियां, साबिर अंसारी, बादल खान, अरुण कुमार टूरी, जितेंद्र कुमार टूरी, छोटू खान, सन्नू खान, आजाद अंसारी, रहमूल अंसारी, मोहम्मद आफताब, मोहम्मद सरवर, परवेज अंसारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वीर कुंवर सिंह चौक पर गरीबों एवं असहायों के बीच किया गया मुफ्त स्वादिष्ट भोजन का वितरण

नवप्रदेश/दुमका। 11.-.7 2026 को दुमका बाबू वीर कुंवर सिंह चौक पर भारी संख्या में जुटे गरीबों के बीच भोजन का वितरण किया गया। विगत 5 वर्षों से लगातार चल रहे इस निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम एवं गरीबों एवं असहायों को भोजन वितरण का यह कार्यक्रम गरीब सेवा समिति के अध्यक्ष मधु अली खान एवं सचिन दिनेश मुर्मू के द्वारा प्रत्येक शनिवार को 200 लोगों को मुफ्त दोपहर का भरपेट भोजन कराया जाता है। इसी क्रम में आज दोपहर के 1:00 बजे दुमका के वीर कुंवर सिंह चौक पर सैकड़ो की संख्या में बूढ़े बुजुर्ग बच्चे एवं महिलाएं उमड़ पड़ी। गरीब सेवा समिति के संचालक मधुअली खान एवं सचिव दिनेश मुर्मू के द्वारा भोजन वितरण किया जाता है बैठकर भोजन करने का प्रबंध किया गया। अचार अचार पापड़ आज छोटा ठंडा और पानी और फोल्डिंग गद्दा चादर भी गरीबों के बीच बांटा गया कैलाश इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग समिति के एमडी मुकेश झा गरीब सेवा समिति को फोल्डिंग गद्दा चादर तकिया सहयोग किया जो गरीबों के बीच बांटा गया मधुअली खान एवं दिनेश मुर्मू के द्वारा गरीबों के लिए शुद्ध एवं स्वादिष्ट भोजन का प्रबंध के साथ अचार और पानी भी बांटा गया प्रबंध किया गया। भोजन ग्रहण करने हेतु बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने भरपेट भोजन किया एवं गरीब सेवा समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं उपस्थित रहे भोजन ग्रहण करने हेतु बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने भरपेट भोजन किया एवं गरीब सेवा समिति कार्यक्रम को सफल करने में गौरव कुमार नोनीहाट सुनील कुमार सावर बाबू, विक्की गुप्ता संतोष रक्षित पीयूष झा टुनटुन सिंह उपस्थित रहे।समिति के मधुअली खान एवं दिनेश मुर्मू के द्वारा गरीबों के लिए शुद्ध एवं स्वादिष्ट भोजन का प्रबंध के साथ अचार और पानी भी बांटा गया प्रबंध किया गया।

भोजन ग्रहण करने हेतु बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने भरपेट भोजन किया एवं गरीब सेवा समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं उपस्थित रहे।

पुलिस ने विधार्थियों को नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

नवप्रदेश/ईचागढ़। तिरुलडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत डाटम मध्य विद्यालय डाटम में शनिवार को तिरुलडीह पुलिस की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी कौशल कुमार के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों ने विद्यालय के शिक्षकों की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं को सामाजिक सुरक्षा, विभिन्न कानूनों और जागरूकता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। इस दौरान छात्रों को नशा मुक्ति, महिलाओं से संबंधित अपराध, बाल विवाह की रोकथाम, महिला सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, बच्चा चोरी की अफवाहों से सतर्क रहने तथा महिलाओं के कानूनी अधिकारों और सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को आपातकालीन सेवाओं के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, डायल-112 तथा साइबर फ्रॉड टोल फ्री हेल्पलाइन 1930 की उपयोगिता और आवश्यकता के बारे में भी जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति या साइबर ठगी की घटना होने पर तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर संपर्क करें। छात्रों से अपील की गई कि वे अपने अभिभावकों को भी यह जानकारी साझा करें। थाना प्रभारी कौशल कुमार ने शिक्षकों एवं छात्रों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध सूचना या घटना की स्थिति में सबसे पहले पुलिस को सूचित करें। उन्होंने छात्रों को सड़क सुरक्षा के बारे विस्तार से जानकारी देते हुए सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित छात्र-छात्राओं के बीच कॉपी एवं कलम का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जागरूकता कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और समाज में फैली कुरीतियों तथा अपराधों के प्रति सतर्क रहने का संकल्प लिया।

दुमका के मसानजोर गेस्ट हाउस में डॉक्टर की संदिग्ध मौत

नवप्रदेश/दुमका। बेड पर मिला शव; दोस्तों के साथ घूमने आए थे रांची निवासी व हजारीबाग सदर अस्पताल में पदस्थापित थे डॉ. शशि दिनकर मिंज, देर रात दोस्तों संग रुके थे निरीक्षण भवन में; पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज। दुमका जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मसानजोर स्थित झारखंड सरकार के सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन (गेस्ट हाउस) में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक चिकित्सक का शव कमरे के बेड पर पड़ा मिला। मृतक की पहचान 48 वर्षीय डॉ. शशि दिनकर मिंज के रूप में हुई है। वे रांची के बरियातू के निवासी थे और वर्तमान में हजारीबाग सदर अस्पताल में चिकित्सक के पद पर कार्यरत थे।

जानकारी के अनुसार, डॉ. मिंज शुक्रवार को अपने तीन दोस्तों–सुनील कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह और नीरज कुमार–के साथ मसानजोर घूमने पहुंचे थे। सभी लोग रात में निरीक्षण भवन के कमरा नंबर-1 और 2 में ठहरे थे। शनिवार सुबह जब उनके साथी उन्हें जगाने कमरे में पहुंचे तो डॉ. मिंज बेड पर अचेत अवस्था में पड़े मिले। काफी प्रयास के बाद भी जब उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो तुरंत मसानजोर थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अवधेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय चिकित्सक को बुलाकर जांच कराई गई, जहां डॉ. मिंज को मृत घोषित कर दिया गया।

इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका भेज दिया। पुलिस को दिए बयान में दोस्तों ने बताया कि शुक्रवार रात सभी ने साथ बैठकर शराब पी थी और फिर अपने-अपने कमरे में सो गए थे। सुबह डॉ. मिंज को जगाने पर उनकी मौत की जानकारी मिली। डॉ. मिंज की पत्नी भी चिकित्सक हैं और जमशेदपुर में कार्यरत हैं। परिवार में उनकी दो बेटियां हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

नगर परिषद कपाली क्षेत्र में उपायुक्त ने मतदाताओं के घर पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरण का किया सत्यापन

नवप्रदेश/सरायकेला। विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने 50-ईचागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद कपाली क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्र संख्या 330, 331, 332, 333 एवं 335, 336, 337, 338, 339 तथा 340 के मतदाताओं के घर पहुंचकर गणना प्रपत्र के वितरण का सत्यापन किया तथा अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि अभियान के सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण, त्रुटिरहित एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक गणना प्रपत्र की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए शत-प्रतिशत वितरण, समयबद्ध संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही डाटा की शुद्धता, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण तथा नियमित अनुश्रवण पर विशेष बल दिया।

उन्होंने संबंधित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ को क्षेत्रवार प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के संचालन में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही अथवा उदासीनता पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी एवं इछड सुपरवाइजर के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं निर्वाचन कर्मियों को पूर्ण उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता एवं समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अभियान के सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि सभी पात्र मतदाता गणना प्रपत्र सही एवं पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित समय-सीमा के भीतर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं तथा विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में सम्मिलित होने से वंचित न रहे।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी संपन्न, श्रावणी मेला एवं कानून-व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

नवप्रदेश/गिरिडीह। 11.07.2026 को पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह की अध्यक्षता में कार्यालय अवस्थित सभागार में मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले की समग्र कानून-व्यवस्था, लंबित मामलों की समीक्षा, तकनीकी अनुसंधान की प्रगति और आगामी श्रावणी मेला-2026 के सफल एवं सुरक्षित संचालन हेतु सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, अंचल पुलिस निरीक्षक एवं थाना/ओ०पी० प्रभारियों को निम्नलिखित मुख्य निर्देश दिए गए: श्रावणी मेला हेतु विशेष तैयारी: आगामी श्रावणी मेला के मद्देनजर कांवरियों के मार्ग में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, प्रमुख शिवालयों में भीड़ प्रबंधन (Crowd Management), सादे लिबास में पुलिस बलों की तैनाती और रूट डायवर्जन को लेकर स्पष्ट कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया गया। लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन: सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणात्मक अनुसंधान सुनिश्चित करते हुए निष्पादन करने का कड़ा निर्देश दिया गया। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता: महिला संबंधी अपराधों के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने और दर्ज कांडों की संवेदनशीलता व त्वरित गति से समीक्षा कर अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

न्यायालय कार्य एवं सत्यापन में तेजी: माननीय न्यायालय से प्राप्त वारंट/कुर्की का ससमय शत-प्रतिशत निष्पादन सुनिश्चित करने, तथा लंबित पासपोर्ट एवं चरित्र सत्यापन (Character Verification) के कार्यों को बिना किसी देरी के प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की बात कही गई। सघन गश्ती एवं अपराधियों पर निगरानी: जिले में रात्रि गश्ती (Night Patrolling) को और प्रभावी बनाने तथा पेशेवर अपराधियों, वारंटियों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जनता की शिकायतों का निवारण एवं पब्लिक फ्रेंडली पुलिसिंग: आम जनता से प्राप्त शिकायतों और विभिन्न आयोगों से प्राप्त पत्रों का त्वरित व निष्पक्ष निष्पादन करने पर जोर दिया गया।आम नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करने और 'पब्लिक फ्रेंडली पुलिसिंग' को धरातल पर उतारने का निर्देश दिया गया। गिरिडीह पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा, विधि-व्यवस्था संधारण और न्याय प्रक्रिया को सुगम, सरल एवं तेज बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

खाने से गायब हुआ स्वाद

भारतीय रसोई की पहचान उसके मसालों की सुगंध और स्वाद से होती है। लेकिन आज वही मसाले और खाद्य तेल आम आदमी की पहुंच से धीरे-धीरे दूर होते जा रहे हैं। बढ़ती महंगाई ने रसोई का पूरा बजट बिगाड़ दिया है। सरसों तेल, लाल मिर्च, धनिया और अन्य आवश्यक मसालों की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि ने मध्यमवर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। स्थिति यह है कि जो परिवार पहले महीने भर का राशन और मसाले एक साथ खरीदते थे, वे अब जरूरत के हिसाब से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में सामान लेने को मजबूर हैं। मसालों और खाद्य तेलों की कीमतों में आई तेजी का सबसे बड़ा कारण बाजार में आपूर्ति का प्रभावित होना बताया जा रहा है। व्यापारियों के अनुसार मंडियों में माल की आवक कम होने से थोक बाजार में दाम बढ़ गए हैं और इसका सीधा असर खुदरा बाजार पर पड़ा है। उत्पादन में कमी, मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां, परिवहन लागत में वृद्धि तथा भंडारण संबंधी समस्याएं भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार मानी जा रही हैं। जब मांग के मुकाबले आपूर्ति कम होती है तो कीमतों का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन इसका सबसे अधिक बोझ आम उपभोक्ता पर पड़ता है। वर्तमान बाजार दरों पर नजर डालें तो सरसों तेल लगभग 170 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 190 रुपये तक पहुंच गया है। पाउडर मिर्च 240 रुपये से बढ़कर 280 रुपये, धनिया पाउडर 160 रुपये से 200 रुपये तथा साबुत लाल मिर्च 280 रुपये से बढ़कर 320 रुपये प्रति किलो बिक रही है। पहली नजर में यह वृद्धि मामूली लग सकती है, लेकिन एक सीमित आय वाले परिवार के मासिक बजट पर इसका बड़ा प्रभाव पड़ता है। महंगाई ने उपभोक्ताओं की खरीदारी की आदत भी बदल दी है। पहले जहां लोग एक या दो किलो मसाले एक साथ खरीदते थे, वहीं अब आधा किलो, पाव या सप्ताह भर की जरूरत के अनुसार ही सामान लिया जा रहा है। छोटी-छोटी बचत आज हर परिवार की प्राथमिकता बन गई है। इसका असर किराना दुकानदारों के कारोबार पर भी दिखाई दे रहा है। बिक्री कम होने से उनका कारोबार प्रभावित हुआ है और बाजार की रौनक पहले जैसी नहीं रही। यह केवल मसालों या तेल की कीमतों का मामला नहीं है, बल्कि खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता की क्रय शक्ति से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। यदि आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहीं तो इसका असर लोगों के पोषण स्तर और जीवन गुणवत्ता पर भी पड़ेगा। सरकार को आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई करने और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने होंगे। साथ ही, राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय स्थापित कर बाजार में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। रसोई केवल भोजन पकाने का स्थान नहीं, बल्कि हर परिवार की आर्थिक स्थिति का आईना होती है। यदि रसोई का बजट लगातार बिगड़ता रहा तो इसका असर समाज की समग्र आर्थिक सेहत पर भी पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण किया जाए, ताकि आम आदमी की थाली का स्वाद और उसके चेहरे की मुस्कान दोनों बरकरार रह सकें।

मुद्दा

शहरों में पैदल चलने का अधिकार या संघर्ष

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शहर तेजी से बदल रहे हैं। चौड़ी सड़कों, ऊंचे फ्लाईओवरों, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो नेटवर्क और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को आधुनिक विकास का प्रतीक माना जा रहा है, लेकिन इस चमकदार विकास के बीच एक बुनियादी प्रश्न लगातार उपेक्षित है- क्या हमारे शहर इंसानों के लिए बने हैं या केवल वाहनों के लिए? क्या एक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक ढंग से पैदल चलने का अधिकार वास्तव में उपलब्ध है? राइट टू वॉक केवल परिवहन का मुद्दा नहीं है, बल्कि आधुनिक शहरी परिदृश्यों में स्थानिक न्याय, सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा का गंभीर प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक स्थानों पर समान अधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल नहीं चल सकता, तो यह केवल यातायात की समस्या नहीं बल्कि उसके नागरिक अधिकारों के सीमित होने का संकेत है। भारत में करोड़ों लोग आज भी अपनी दैनिक यात्राओं का बड़ा हिस्सा पैदल तय करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांगजन, मजदूर, छोटे दुकानदार और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग किसी न किसी चरण में पैदल ही चलते हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी योजना में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है। फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या अतिक्रमण से घिरे हैं, या उनकी स्थिति इतनी खराब है कि लोग मजबूर होकर सड़क पर चलने लगते हैं। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन नहीं हैं, वही सबसे अधिक जोखिम उठाते हैं। जिनके पास कार है, उनके लिए चौड़ी सड़कें बनती हैं; जिनके पास वाहन नहीं, उनके लिए सुरक्षित फुटपाथ भी उपलब्ध नहीं। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि स्थानिक अन्याय का उदाहरण है। स्थानिक न्याय का अर्थ है कि शहर के सार्वजनिक संसाधनों, स्थानों और सुविधाओं पर सभी नागरिकों का समान अधिकार हो। यदि शहर का अधिकांश सार्वजनिक स्थान वाहनों को समर्पित कर दिया जाए और पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न हो, तो यह सार्वजनिक स्थानों के असमान वितरण को दशार्ता है। भारतीय शहरों की अधिकांश सड़कें वाहन-केंद्रित सोच के साथ विकसित हुई हैं। यातायात प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य वाहनों की गति बढ़ाना माना जाता है, जबकि सड़क का वास्तविक उद्देश्य लोगों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना होना चाहिए। यही कारण है कि कहीं फुटपाथ अचानक समाप्त हो जाते हैं, कहीं बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या ठेले उनके बीच खड़े मिलते हैं, तो कहीं पार्किंग ने पूरी जगह घेर रखी होती है। महिलाओं के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग केवल सुविधा नहीं बल्कि स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि किसी महिला को शाम के समय अंधेरे, सुनसान अथवा टूटी हुई सड़क से गुजरना पड़े तो उसकी आवाजाही सीमित हो जाती है। इसी प्रकार बुजुर्गों के लिए ऊंचे फुटपाथ, बिना रैंप के क्रॉसिंग और तेज रफ्तार यातायात गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। दिव्यांगजन तो अनेक बार सार्वजनिक स्थानों का उपयोग ही नहीं कर पाते। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य समावेशी, सुरक्षित और सुलभ शहरों पर विशेष बल देते हैं। शहर तभी समावेशी कहलाएंगे जब प्रत्येक नागरिक—चाहे उसकी आय, आयु, लिंग या शारीरिक क्षमता कुछ भी हो- समान सम्मान के साथ सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके। आज शहरी विकास में एक बड़ी विडंबना यह है कि विकास का मूल्यांकन प्राय: इस आधार पर किया जाता है कि सड़क पर कितनी तेजी से वाहन चल सकते हैं। जबकि किसी भी विकसित शहर का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि वहां पैदल चलना कितना सुरक्षित, आरामदायक और सहज है।

सत्य की विजय और झूठे आरोपों का सामाजिक दायित्व

सुमित गर्ग

> **यह केवल एक व्यक्तिगत चूक नहीं, अपितु सामूहिक आस्था के विरुद्ध एक कृत्य है। जब कोई व्यक्ति व्यक्तिगत प्रसिद्धि की क्षुद्र लालसा में करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं से खिलवाड़ करता है, तो प्रश्न उठता है—इसे किस श्रेणी का अपराध माना जाए? क्या यह मात्र मानहानि है, या इससे कहीं अधिक गंभीर—सार्वजनिक आस्था और सामाजिक सद्भाव के विरुद्ध एक सुनियोजित कृत्य?**

काकभुशुण्डि जी की प्रतिमा-प्रकरण

सूचना आयी कि काकभुशुण्डि जी गुम हो गए हैं। कुछ ही दिनों बाद स्पष्ट हुआ कि वे मिल गए। सत्य यह है कि इसमें आश्चर्य जैसी कोई बात थी ही नहीं – जो अजर हैं, जो अमर हैं, वे भला गुम कैसे हो सकते थे? जो स्वयं भगवान शिव के प्रिय शिष्य हैं और जिन्होंने गरुड़ जी को समस्त रामकथा सुनाई, उन चिरंजीवी काकभुशुण्डि जी का लुप्त हो जाना संभव ही कहाँ था? यह तो केवल समय की बात थी कि सत्य प्रकट हो–और वह प्रकट हुआ। वस्तुतः काकभुशुण्डि जी के गुम होने की सूचना स्वयं में अत्यंत विचित्र थी। श्रीरामचरितमानस में स्वयं काकभुशुण्डि जी ने कहा है –

तब तब जाइ राम पुर रहऊँ। सिसुलीला बिलोकि सुख लहऊँ॥
पुनि उर राखि राम सिसुरूपा। निज आश्रम आवउँ खगभूपा॥

अर्थात् –तब-तब मैं जाकर श्री रामजी की नगरी में रहता हूँ और प्रभु की शिशुलीला देखकर सुख प्राप्त करता हूँ। फिर हे पक्षीराज! श्री रामजी के शिशु रूप को हृदय में रखकर मैं अपने आश्रम को लौट आता हूँ। काकभुशुण्डि जी सदैव अयोध्या जी में विराजमान नहीं रहते – वे तो प्रभु की बाल-लीला का दर्शन कर पुनः अपने आश्रम लौट जाते हैं। यह उनका शाश्वत, चिरंतन स्वभाव है।

प्रश्न प्रतिमा का नहीं, आरोप का है

इस समूचे प्रकरण की जड़ में एक आरोप था–कि काकभुशुण्डि जी की चाँदी की प्रतिमा मंदिर परिसर से गायब है, और इसके पीछे मंदिर ट्रस्ट की कोई लापरवाही या संलिप्तता है। जाँच हुई और यह प्रतिमा भी शीघ्र ही मिल गई। किंतु वास्तविक प्रश्न कभी काकभुशुण्डि जी की प्रतिमा का था ही नहीं। वास्तविक प्रश्न उन लोगों का है जिन्होंने श्रीराम मंदिर ट्रस्ट पर प्रतिमा की चोरी का आरोप मढ़ा–एक झूठा, निराधार आरोप। अब जब सत्य सर्वसमक्ष आ चुका है, तो वे आरोप लगाने वाले लोग कहाँ हैं? उनका कोई अता-पता नहीं मिल रहा। जिस मुखरता से आरोप लगाया गया था, उसी मुखरता से क्षमा-याचना अथवा स्पष्टीकरण भी अपेक्षित था। परंतु वे मौन साध गए हैं – मानो कुछ हुआ ही न हो। यह मौन ही सबसे अधिक बोलता है।

चोर धर्मस्थल नहीं देखते

जहाँ तक दानपेटी से चंदा चुराए जाने की आशंका का प्रश्न है, तो यह स्मरण रखना आवश्यक है कि चोर और चोरियाँ धर्मस्थल नहीं देखतीं–यह कोई नई बात नहीं है। अपराधी के मन में न आस्था होती है, न श्रद्धा। इसलिए उनसे यह अपेक्षा रखना ही व्यर्थ है कि वे श्रीराम मंदिर जैसे पवित्र स्थल की मयार्दा का सम्मान करेंगे। चोर की दृष्टि में स्वर्ण मात्र स्वर्ण है, चाहे वह गर्भगृह में हो या तिजोरी में। यह अपराध-मनोविज्ञान का सामान्य सिद्धांत है, इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं। इस प्रकार के अपराधों के लिए न्याय प्रणाली में दंड निर्धारित है एवं वो अपराध सिद्ध होने पर दोषियों को मिल ही जायेगा।

झूठे आरोप की मानसिकता

जो बात समझ से परे है, वह है उन लोगों की मानसिकता जो ऐसे पावन अवसरों पर भी झूठे आक्षेप लगाकर, अल्पकालिक ही सही, स्वयं को चर्चा के केंद्र में लाना चाहते हैं। इसकी एक मनोवैज्ञानिक व्याख्या संभव है, और यह व्याख्या दान के बखान की प्रवृत्ति से जुड़ी है। यदि उन्होंने वास्तव में गुप्त दान किया था, तो जो प्रसिद्धि वे उस दान के प्रतिफल में अंतर्मन में चाहते थे, वह उन्हें प्राप्त नहीं हुई–यह अतृप्ति भीतर ही भीतर कुंठा बनकर रह गई। और यदि उन्होंने गुप्त दान किया ही नहीं था, तब भी जिस सामाजिक प्रतिष्ठा की उन्हें आकांक्षा थी, वह उन्हें अन्यथा प्राप्त नहीं हो सकी। दोनों ही स्थितियों में, यह प्रकरण उनके लिए मानो एक स्वर्णिम अवसर बन गया–अपने मित्रों, संबंधियों और समाज को यह जताने का कि हमने भी श्रीराम मंदिर के निर्माण में इतना योगदान दिया था। किंतु इस आत्म-प्रचार की लालसा को पूर्ण करने के लिए जिस मार्ग को उन्होंने चुना, वह अत्यंत ओछा, निंदनीय और अक्षम्य था–एक पवित्रतम राष्ट्रीय प्रकल्प पर झूठा कलंक मढ़ना।

सोशल मीडिया युग की विडंबना

आज के सोशल मीडिया युग में जहाँ लोग भोजन ग्रहण करने से पूर्व अपनी थाली का चित्र खींचकर उसे सार्वजनिक मंच पर साझा करना नहीं भूलते, वहाँ भला श्रीराम मंदिर में किए गए दान के बखान में वे पीछे कैसे रह जाते? दान का प्रदर्शन आज एक सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुका है– भले ही उसकी कीमत करोड़ों राम-भक्तों के हृदय को आघात पहुँचाकर चुकानी पड़े। यही वह प्रवृत्ति है जो आत्म-प्रदर्शन की भूख में सत्य और असत्य के बीच की रेखा को धुँधला कर देती है। दान देना पुण्य है, किंतु अपेक्षित प्रशंसा न मिलने पर एक राष्ट्रीय आस्था के केंद्र पर मिथ्या आरोप लगाना–यह पुण्य के मार्ग से भटककर पाप के गर्त में जा गिरना है।

क्षमा-याचना का अभाव: वास्तविक अपराध

दान की हुई वस्तु को लेकर ऐसे असत्य आक्षेप लगाना अपने आप में गंभीर है, किंतु उससे भी अधिक गंभीर है–सत्य उजागर होने के पश्चात क्षमा माँगने या पश्चाताप करने के स्थान पर चुपचाप गायब हो जाना। यही जवाबदेही से बचना सबसे बड़ा और अक्षम्य अपराध है।

जिन लोगों ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया, उनका सार्वजनिक रूप से जवाबदेह होना भी उतना ही आवश्यक था। एक समाज तभी परिपक्व माना जाता है जब वह न केवल आरोप लगाने का साहस दिखाए, अपितु आरोप निराधार सिद्ध होने पर क्षमा माँगने का साहस भी दिखाए। यहाँ यह दूसरा साहस पूर्णतः अनुपस्थित रहा।

दंड का प्रश्न : विचारणीय विषय

यह केवल एक व्यक्तिगत चूक नहीं, अपितु सामूहिक आस्था के विरुद्ध एक कृत्य है। जब कोई व्यक्ति व्यक्तिगत प्रसिद्धि की क्षुद्र लालसा में करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं से खिलवाड़ करता है, तो प्रश्न उठता है–इसे किस श्रेणी का अपराध माना जाए? क्या यह मात्र मानहानि है, या इससे कहीं अधिक गंभीर–सार्वजनिक आस्था और सामाजिक सद्भाव के विरुद्ध एक सुनियोजित कृत्य?

क्या ऐसे व्यक्तियों को केवल सामाजिक बहिष्कार से दंडित करना पर्याप्त होगा, या विधिक प्रावधानों के अंतर्गत भी इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए? यह विषय गहन चिंतन की माँग करता है–न केवल इस विशिष्ट प्रकरण के संदर्भ में, बल्कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए भी।

श्रीराम मंदिर जैसे राष्ट्रीय आस्था के केंद्र, जो पाँच सौ वर्षों के संघर्ष और प्रतीक्षा के पश्चात प्राप्त हुए हैं, उन पर झूठे आरोप लगाना केवल किसी ट्रस्ट या संस्था के विरुद्ध नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सामूहिक आस्था के विरुद्ध एक अपराध है। समाज को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा कि बिना प्रमाण के लगाए गए ऐसे आरोपों का उत्तरदायित्व कौन उठाएगा और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या ठोस उपाय किए जाने चाहिए।

देवकी की पीड़ा और न्यायिक मर्यादा

कैलाश चन्द्र

> **माता देवकी भारतीय चेतना में निर्दोष मातृत्व, अन्याय-सहन और धर्म की विजय की प्रतीक हैं। उनकी पीड़ा किसी आपराधिक प्रकरण की सामान्य उपमा नहीं बन सकती। सांस्कृतिक प्रतीकों की गरिमा तभी सुरक्षित रहती है, जब उन्हें उनके मूल संदर्भ में समझा और प्रस्तुत किया जाए।**

भारतीय न्यायपालिका केवल कानून का व्याख्याकार नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा और समाज के विश्वास की संरक्षक भी है। कोर्ट के निर्णय जितने महत्त्वपूर्ण होते हैं, उतनी ही महत्त्वपूर्ण होती है उनकी भाषा। न्यायिक आदेशों में प्रयुक्त प्रत्येक शब्द केवल एक मुकदमे का हिस्सा नहीं होता। वह समाज में न्याय, संस्कृति और संवैधानिक मयार्दा के प्रति दृष्टिकोण का निर्माण भी करता है। इसलिए न्यायिक विवेक केवल निर्णय तक सीमित नहीं रहता, उसकी अभिव्यक्ति भी उतनी ही संयमित और उत्तरदायी होनी चाहिए।

निधि (निदा) खान को जमानत

नासिक की अदालत ने टीसीएस धर्मांतरण और यौन उत्पीड़न मामले की आरोपी निधि (निदा) खान को जमानत दी। जमानत आदेश में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और माता देवकी के कारावास के उल्लेख पर बहस शुरू हो गई है। कोर्ट का मकसद संभवतः गर्भस्थ शिशु के हितों की रक्षा करना था, जो निस्संदेह एक मानवीय और विधिसम्मत विचार है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या उस मानवीय संवेदना को व्यक्त करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उदाहरण आवश्यक था?

अन्याय के विरुद्ध धर्म की उद्घोषणा

भारतीय परंपरा में श्रीकृष्ण का जन्म केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध धर्म की उद्घोषणा है। माता देवकी और

पिता वसुदेव किसी अपराध के कारण कारागार में नहीं थे। वे एक निरंकुश शासक की क्रूरता के शिकार थे। उनका कारावास सत्ता द्वारा निदोर्षों पर किए गए अत्याचार का प्रतीक है। इसलिए उनकी स्थिति की तुलना किसी ऐसे व्यक्ति से करना, जो विधिक प्रक्रिया के अंतर्गत आपराधिक आरोपों का सामना कर रहा हो, अनेक लोगों को असंगत प्रतीत होना स्वाभाविक है।

जमानत का अर्थ दोषमुक्ति नहीं होता

यह भी उतना ही सत्य है कि जमानत का अर्थ दोषमुक्ति नहीं होता। भारतीय न्यायशास्त्र का मूल सिद्धांत है कि प्रत्येक अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक उसका अपराध न्यायालय में सिद्ध न हो जाए। इसलिए किसी भी आरोपी को जमानत मिलना उसके संवैधानिक अधिकारों और न्यायिक विवेक का विषय है। किंतु न्यायिक आदेश का आधार संविधान, विधि और स्थापित न्यायिक सिद्धांत होने चाहिए धार्मिक या सांस्कृतिक प्रतीकों का सहारा तब तक नहीं लिया जाना चाहिए, जब तक उसकी स्पष्ट आवश्यकता न हो।

न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति उसकी निष्पक्षता

भारत जैसे बहुलतावादी समाज में न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति उसकी निष्पक्षता है। यही कारण है कि न्यायिक भाषा में धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग सदैव अत्यंत सावधानी से होना चाहिए। न्यायालय यदि किसी धार्मिक उपमा का उल्लेख करता है, तो उससे जुड़ी सांस्कृतिक संवेदनाएं भी स्वतः न्यायिक विमर्श का हिस्सा बन जाती हैं। परिणामस्वरूप निर्णय के विधिक पक्ष से अधिक चर्चा उसके प्रतीकों पर होने लगती है। इससे मूल न्यायिक तर्क अनावश्यक विवादों के बीच दब सकता है।

सबसे बड़ा सवाल

यह प्रकरण एक और महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाता है। क्या भारतीय न्यायालयों को अपने निर्णयों में ऐसी तुलना से बचना चाहिए, जिनसे किसी धार्मिक आस्था या ऐतिहासिक प्रसंग की भिन्न व्याख्या का विवाद खड़ा हो? उत्तर संभवतः हां में है। भारतीय संविधान स्वयं न्यायपालिका को पर्याप्त विधिक आधार प्रदान करता है। गर्भस्थ शिशु के हित, महिला की गरिमा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और जमानत के सिद्धांत ये सभी संवैधानिक आधार अपने-आप में पर्याप्त हैं। इनके रहते किसी धार्मिक उदाहरण की आवश्यकता नहीं होती।

माता देवकी भारतीय चेतना में निर्दोष मातृ

माता देवकी भारतीय चेतना में निर्दोष मातृत्व, अन्याय-सहन और धर्म की विजय की प्रतीक हैं। उनकी पीड़ा किसी आपराधिक प्रकरण की सामान्य उपमा नहीं बन सकती। सांस्कृतिक प्रतीकों की गरिमा तभी सुरक्षित रहती है, जब उन्हें उनके मूल संदर्भ में समझा और प्रस्तुत किया जाए। अंततः यह विवाद किसी एक जमानत आदेश का नहीं, बल्कि न्यायिक अभिव्यक्ति की मयार्दा का प्रश्न है। न्यायपालिका से समाज की अपेक्षा केवल निष्पक्ष निर्णय की नहीं, बल्कि ऐसी भाषा की भी है जो संविधानसम्मत, सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और विवादों से परे हो। न्याय जितना निष्पक्ष होना चाहिए, उसकी अभिव्यक्ति भी उतनी ही संतुलित, मर्यादित और विवेकपूर्ण होनी चाहिए। यही न्यायपालिका की गरिमा है और यही भारत की संवैधानिक संस्कृति की अपेक्षा भी।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं)

मानसून की चुनौती: आखिर स्मार्ट शहर भी क्यों हो रहे हैं बेबस

योगेश कुमार गोयल

> **यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है।**

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढ़ांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल ह्यप्राकृतिक आपदाह्ण कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है।

यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है। यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में लिडार तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और रॉकफॉल बैरियर्स के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूवार्नुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन (आपदा के बाद राहत से आपदा से पहले तैयारी की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही स्पंज सिटी मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढ़लानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है। जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए आवश्यक है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक ईमानदारी को एक साथ लेकर चलें। यदि अब भी हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो मानसून हमारे लिए हर वर्ष राहत के बजाय आफत बनकर आता रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर एक दीर्घकालिक और ठोस रणनीति तैयार करें, तभी हम इस प्राकृतिक चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भाजपा की अनर्गल बयानबाजी पर झामुमो का करारा पलटवार

जनता के जनादेश का अपमान बर्दाश्त नहीं: सौरभ

अपना संगठन सम्भाले भाजपा, सरकार के खिलाफ बयानबाजी बर्दास्त नहीं : सौरभ श्रीवास्तव

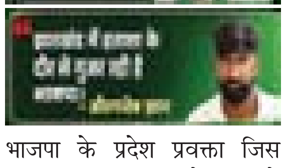

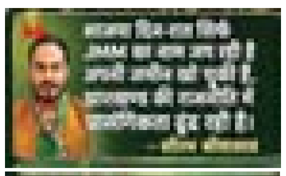

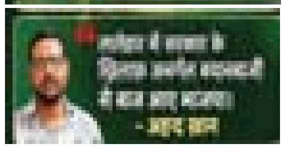

बब्लू खान

नवप्रदेश/लातेहार। जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव द्वारा निर्देशित प्रेस वार्ता में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) लातेहार ने शनिवार को जिला मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला बोला। झामुमो नेता सौरभ श्रीवास्तव ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता लाल प्रतुल नाथ शाहदेव, स्थानीय विधायक प्रकाश राम तथा भाजपा नेतृत्व द्वारा हेमंत सोरेन सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों का करारा जवाब देते हुए कहा कि झारखंड में अपनी राजनीतिक जमीन पूरी तरह खो चुकी भाजपा अब बौखलाहट में दिन-रात केवल 'जेएमएम-जेएमएम' जप रही है।सौरभ ने कहा कि भाजपा नेताओं को लातेहार को ह्रराजनीतिक पर्यटन स्थलह्न बनाना बंद कर अपने बिखरते संगठन और घटते जनाधार की चिंता करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा को नकार दिया है, इसलिए उसके नेता अब विकास की चर्चा छोड़कर केवल झूठ, भ्रम और अनर्गल बयानबाजी के सहारे राजनीति करना चाहते हैं।

उन्होंने भाजपा पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ भाजपा के प्रदेश नेता लातेहार में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके अपने विधायक डीएमएफटी फंड के बेहतर उपयोग और विकास कार्यों की सराहना करते हैं।

भाजपा पहले तय करे कि सच कौन बोल रहा है–प्रदेश नेतृत्व या उनका विधायक? यह सवाल सौरभ ने भाजपा से पूछा। उन्होंने हाल के कथित टेंडर विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस वीडियो की पूरे जिले में चर्चा हुई, उसमें दिखाई देने वाले अधिकांश चेहरे भाजपा खेमे से जुड़े बताए जा रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा को दूसरों पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।सौरभ श्रीवास्तव ने भाजपा नेतृत्व को खुली चुनौती देते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रवक्ता और स्थानीय विधायक एक ही मंच पर बैठकर संयुक्त प्रेस वार्ता करें। उसी दिन भाजपा की संगठनात्मक सच्चाई और अंदरूनी कलह जनता के सामने आ जाएगी। अपराध के मुद्दे पर भाजपा के बयानों पर पलटवार करते हुए सौरभ ने कहा कि भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता जिस एनसीआरबी (ठउफइ) के आंकड़ों का हवाला दे रहे हैं, वर्ष 2024 के बाद एनसीआरबी ने कोई आधिकारिक अपराध आंकड़ा जारी ही नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि उपलब्ध आंकड़ों पर नजर डालें तो हत्या, अपहरण, संगीन अपराध, साइबर अपराध और किशोर अपराध जैसे कई मामलों में बिहार झारखंड से आगे है, जबकि वहां वर्षों से एनडीए की सरकार है।

सौरभ ने कहा कि केंद्र सरकार के पास झारखंड का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बकाया होने के बावजूद राज्य सरकार विकास कार्यों को लगातार गति दे रही है। उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना, किसान गुरुजी क्रेडिट कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, सावित्रीबाई फुले योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं ने आम लोगों के जीवन में बदलाव लाया है और यही भाजपा की सबसे बड़ी बेचैनी का कारण है।प्रेस वार्ता के अंत में सौरभ श्रीवास्तव ने स्पष्ट चेतावनी दी कि लातेहार झारखंड मुक्ति मोर्चा का मजबूत जनाधार वाला क्षेत्र है। यहां झामुमो और हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ किसी भी प्रकार की निराधार, भ्रामक और अनर्गल बयानबाजी का लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक स्तर पर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।
झामुमो के युवा नेता औरंगजेब खान ने कहा कि भाजपा के पास जनता से जुड़े मुद्दे नहीं बचे हैं, इसलिए वह लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई लोकप्रिय हेमंत सोरेन सरकार को बदनाम करने की साजिश में जुटी हुई है।उन्होंने स्पष्ट कहा कि नीलांबर-पीतांबर की धरती लातेहार से भाजपा की इस साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

झामुमो के जिला उपाध्यक्ष समशूल होडा ने कहा कि भाजपा का विकास मॉडल पूरी तरह विफल हो चुका है, जबकि हेमंत सोरेन सरकार लगातार झारखंड को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। नई दिल्ली में हाल ही में हुई निवेशकों की बैठकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 88 हजार करोड़ रुपये से अधिक के संभावित निवेश प्रस्ताव इस बात का प्रमाण हैं कि उद्योग जगत का भरोसा झारखंड पर लगातार बढ़ रहा है।

लातेहार के ज़िला अपलसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष अहद खान ने कहा कि भाजपा नेताओं की रातों की नींद उड़ चुकी है क्योंकि जनता विकास और जनहित की राजनीति के साथ खड़ी है। ह्रभाजपा जितना झूठ फैलाएगी, झामुमो उतनी ही मजबूती से जनता के बीच सच लेकर जाएगी। हर झूठ का जवाब तथ्य और संघर्ष से दिया जाएगा।

उमराह यात्रा पर रवाना हुए अजलू मियां व यूसुफ मियां का गर्मजोशी से स्वागत, दी गई मुबारकबाद

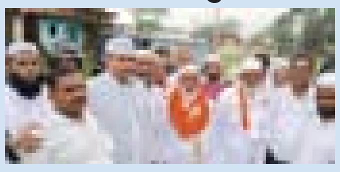

नवप्रदेश/हेरहंज। हेरहंज प्रखंड से उमराह की पवित्र यात्रा पर रवाना होने वाले अजलू मियां एवं यूसुफ मियां का स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत कर उन्हें मुबारकबाद दी। इस अवसर पर सभी ने उनकी यात्रा के सफल एवं सकुशल संपन्न होने तथा इबादत की कबूलियत के लिए दुआ की। कार्यक्रम में हेरहंज कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान सहित दामोदर तुरी, श्री अंसारी, मतीन अंसारी, मुमताज अंसारी, खलील खान एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने दोनों यात्रियों का फूल-माला पहनाकर सम्मान किया और अल्लाह से उनकी सलामती, बेहतर स्वास्थ्य तथा उमराह की इबादत को कबूल फरमाने की दुआ मांगी। मौजूद लोगों ने कहा कि उमराह की यात्रा हर मुसलमान के लिए अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक महत्व रखती है। उन्होंने अजलू मियां एवं यूसुफ मियां से देश, राज्य और क्षेत्र में अमन, भाईचारे तथा खुशहाली के लिए भी दुआ करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का माहौल धार्मिक आस्था और भाईचारे की भावना से ओत-प्रोत रहा।

कार-बाइक की टक्कर में दो घायल

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ चंदवा एन 22 मुख्य मार्ग पर चितरपुर गांव के समीप शनिवार शाम करीब 4 बजे कार और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दो लोग घायल हो गए।दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया घायलों में बाइक सवार चंदवा थाना क्षेत्र के नगर गांव स्थित माया बागी टोला निवासी राजेश भगत का 21 वर्षीय पुत्र रोशन भगत तथा कार चालक रांची जिले के चान्हो थाना क्षेत्र अंतर्गत सोस गांव निवासी मोहम्मद कुर्बान का पुत्र मोहम्मद अफसर शामिल हैं।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक दयानंद प्रसाद एवं डॉ. चंदन कुमार ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। जांच के दौरान रोशन भगत की स्थिति गंभीर पाई गई। उसके एक पैर की जांघ तथा दूसरे पैर में फ्रैक्चर होने के साथ सिर एवं शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर और आंतरिक चोटें आई हैं। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स,रांची रेफर कर दिया गया।वहीं कार चालक मोहम्मद अफसर का भी उपचार किया गया।चिकित्सकों के अनुसार दोनों घायलों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है।

एसआईआर फॉर्म भरने के नाम पर पैसे मांगने पर करें शिकायत : बीडीओ

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता प्रपत्र भरने की प्रक्रिया को पूरी तरह निःशुल्क बताते हुए आम लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि कोई बीएलओ या अन्य कर्मी स्क्रफॉर्म भरने, दस्तावेज सत्यापन या किसी भी कार्य के नाम पर पैसे की मांग करता है अथवा अनावश्यक रूप से लोगों को परेशान करता है, तो इसकी सूचना तत्काल प्रखंड कार्यालय में दें या सीधे उनसे संपर्क करें।बीडीओ ने स्पष्ट किया कि स्क्रसे संबंधित सभी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क हैं और किसी भी परिस्थिति में नागरिकों से शुल्क नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी। यदि जांच में संबंधित बीएलओ या कर्मी दोषी पाया जाता है और संतोषजनक जवाब नहीं दे पाता है, तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ बर्खास्तगी तक की कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और केवल अधिकृत बीएलओ या प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का ही पालन करें।

एसआईआर कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की गहन समीक्षा

समयबद्ध एवं त्रुटिरहित निष्पादन करे: उपायुक्त

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार के द्वारा चंदवा प्रखंड का व्यापक निरीक्षण कर विभिन्न विकास योजनाओं, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं प्रखंड कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा सभी कार्यों का समयबद्ध निष्पादन करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चंदवा का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, दवा उपलब्धता, साफ-सफाई तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय, चंदवा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, विभिन्न शाखाओं के कार्यों एवं अभिलेखों के संधारण की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में सामान्य कैशबुक अद्यतन नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित बड़ा बाबू के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही कार्यालय अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने एवं कार्यालय व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत संचालित कार्यों का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण से संबंधित अभिलेखों, प्रपत्रों के संधारण, प्राप्त आवेदनों के निष्पादन तथा प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों से एसआईआर के तहत किए जा रहे कार्यों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की तथा प्रत्येक कार्य को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

भालू के हमले से दो किशोर गंभीर घायल, लातेहार रेफर

नवप्रदेश/महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ प्रखंड के अंबवाटोली पंचायत अंतर्गत जरहाटोली गांव के समीप जंगल में पुटु एवं खुखड़ी चुनने गए दो किशोर भालू के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान कमलेश नागेशिया (16 वर्ष) एवं गोधा मुंडा (18 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक जंगल में पुटु और खुखड़ी चुन रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे एक जंगली भालू ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और शोर सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा उन्हें किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही अंबवाटोली पंचायत की मुखिया रोशनी कुजूर मौके पर पहुंचीं और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था कराई। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस दौरान 108 एंबुलेंस सेवा के विलंब से पहुंचने पर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं ने नाराजगी जताई। लोगों ने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही वनपाल गुरु दयाल सिंह, प्रभारी वनपाल ओम प्रकाश पाल, वनकर्मी सुनील कुमार, झामुमो युवा जिला सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवारों का हौसला बढ़ाया। वन विभाग ने तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हुए वन्य प्राणी हमला मुआवजा योजना के तहत पीड़ितों को नियमानुसार सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। विभाग एवं मुखिया रोशनी कुजूर ने लोगों से बरसात के मौसम में जंगल जाने के दौरान विशेष सतर्कता बरतने तथा अकेले जंगल में प्रवेश नहीं करने की अपील की।

खाद कालाबाजारी के आरोप को मुखिया संघ ने बताया राजनीति से प्रेरित

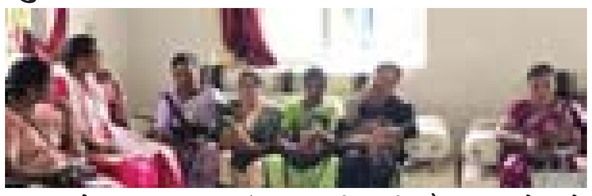

नवप्रदेश/महुआडांड़ (लातेहार)। प्रखंड मुखिया संघ के बैनर तले शनिवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न पंचायतों के मुखियाओं और जनप्रतिनिधियों ने कांग्रेस नेता संदीप प्रसाद एवं उनके भाई अरविंद कुमार पर लगाए गए खाद कालाबाजारी के आरोपों को पूरी तरह निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा के पश्चिमी मंडल अध्यक्ष अमित जायसवाल द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं और राजनीतिक द्वेष के कारण कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है।

मुखिया संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि महुआडांड़ प्रखंड में वर्तमान समय में खाद की कोई कमी नहीं है। किसानों को आवश्यकतानुसार खाद उपलब्ध हो रही है तथा इस संबंध में किसी किसान ने प्रशासन या संबंधित विभाग के समक्ष कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। उन्होंने दावा किया कि खाद की कालाबाजारी का आरोप केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के तहत लगाया गया है, ताकि एक सामाजिक कार्यकर्ता की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बिना किसी ठोस साक्ष्य के इस तरह के आरोप लगाना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने ऐसे आरोपों की कड़ी निंदा करते हुए राजनीतिक दलों से जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक राजनीति करने की अपील की।

टोरी रेलवे ओवरब्रिज की मांग को लेकर आजसू का हस्ताक्षर अभियान, 13 जुलाई को धरना का ऐलान

नवप्रदेश/लातेहार। टोरी रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की मांग को लेकर शनिवार को आजसू पार्टी ने जिला अध्यक्ष अमित पांडेय के नेतृत्व में टोरी रेलवे क्रॉसिंग के समीप हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर आरओबी निर्माण के समर्थन में हस्ताक्षर किए और शीघ्र निर्माण की मांग उठाई।जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने बताया कि टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी निर्माण की मांग को लेकर 13 जुलाई को रेलवे क्रॉसिंग के समीप एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी कार्यक्रम की तैयारी के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें हजारों लोगों ने अपना समर्थन दर्ज कराया। अमित पांडेय ने सरकार और जनप्रतिनिधियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि टोरी आरओबी का मुद्दा वर्षों से लंबित है, लेकिन आज तक इसका समाधान नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि चतरा सांसद कालीचरण सिंह आरओबी निर्माण में देरी के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं, जबकि राज्य सरकार केंद्र सरकार पर आरोप लगा रही है। दोनों सरकारों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज नहीं होने के कारण रेलवे फाटक लंबे समय तक बंद रहता है, जिससे घंटों जाम लगा रहता है।

इसका सबसे अधिक खामियाजा मरीजों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम यात्रियों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने दावा किया कि कई गंभीर मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच सके, जिससे जान तक जाने की घटनाएं सामने आई हैं। आजसू पार्टी ने सरकार से टोरी रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य अविलंब शुरू कराने की मांग की है।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने किया लोध फॉल का भ्रमण, पर्यटन विकास पर दिया जोर

नवप्रदेश/महुआडांड़ (लातेहार)। झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने शनिवार को लातेहार जिले के महुआडांड़ प्रखंड स्थित राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल लोध फॉल का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले इस विख्यात जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता का अवलोकन किया और आसपास की मनमोहक वादियों का आनंद लिया। भ्रमण के दौरान स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने मंत्री का स्वागत किया तथा उन्हें क्षेत्र में पर्यटन विकास, उपलब्ध सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। मंत्री ने लोध फॉल की प्राकृतिक धरोहर को संरक्षित रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पर्यटन के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोध फॉल झारखंड की सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन धरोहरों में से एक है। यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए सड़क, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा, पार्किंग और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास आवश्यक है। सरकार इस दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें और स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल सकें। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्यटन विकास की योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाए और क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता एवं जैव विविधता को सुरक्षित रखते हुए विकास कार्य किए जाएं। इस अवसर पर कांग्रेस जिला आदिवासी अध्यक्ष अजीत पाल कुजूर, युवा प्रखंड अध्यक्ष आमिर सुहेल, प्रशासनिक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा कांग्रेस के कई कार्यकर्ता उपस्थित

एक नजर

बालूमाथ के जंगल से करीब 100 टन अवैध कोयला जब्त, संयुक्त छापेमारी से मचा हड़कंप

नवप्रदेश/बालूमाथ। लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस, सीसीएल मगध परियोजना एवं सीआईएसएफ की संयुक्त टीम ने भालूवाही गांव जाने वाली सड़क के किनारे जंगल में छिपाकर रखा गया करीब 95 से 100 टन अवैध कोयला जब्त किया।कार्रवाई के बाद अवैध कोयला कारोबारियों में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि भालूवाही मार्ग के समीप जंगल में भारी मात्रा में अवैध कोयला भंडारित किया गया है, जिसे तस्करी के लिए बाहर भेजने की तैयारी चल रही है।सूचना के सत्यापन के बाद तत्काल संयुक्त छापेमारी दल का गठन किया गया।संयुक्त टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान जंगल के अलग-अलग स्थानों पर बड़ी मात्रा में कोयला भंडारित मिला। टीम ने मौके से करीब 95 से 100 टन अवैध कोयला जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया। जब्त कोयले को सुरक्षित रखने के साथ आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है। यह पता लगाया जा रहा है कि कोयला कहां से लाया गया, इसके भंडारण के पीछे कौन लोग शामिल हैं तथा इसे किन माध्यमों से तस्करी के लिए भेजा जाना था।

हीरो शोरूम के समीप बाइक दुर्घटना में एसबीआई कर्मी गंभीर घायल,रिम्स रेफर

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित हीरो शोरूम के समीप हुई सड़क दुर्घटना में भारतीय स्टेट बैंक के एक कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल की पहचान लोहरदगा निवासी प्रेम भगत के पुत्र गणेश भगत के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉ. चंदन कुमार ने प्राथमिक उपचार किया।स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया।मिली जानकारी के अनुसार गणेश भगत चतरा जिला मुख्यालय से बैंकिंग संबंधी कार्य पूरा कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान हीरो शोरूम के पास सड़क पर बने गड्ढे के कारण उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।चिकित्सकों के अनुसार प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर चिकित्सा के लिए रेफर किया गया है। फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर बने गड्ढों को दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बताते हुए प्रशासन से शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है।

बंद पड़ी सदर अस्पताल की करोड़ों की सीटी स्कैन, सेवा, स्टाफ के अभाव में मरीज परेशान

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार सदर अस्पताल में करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित सीटी स्कैन मशीन का उद्घाटन राज्यसभा सांसद बैजनाथ राम, विधायक रामचंद्र सिंह, उपायुक्त, सिविल सर्जन एवं अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया था। उद्घाटन के बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब जिले के मरीजों को सीटी स्कैन की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिल सकेगी। लेकिन उद्घाटन के बाद भी सेवा शुरू नहीं हो सकी है।प्रतिदिन सीटी स्कैन कराने के लिए अस्पताल पहुंचने वाले मरीज और उनके परिजन निराश होकर वापस लौट रहे हैं। जानकारी के अनुसार मशीन संचालन के लिए आवश्यक प्रशिक्षित तकनीकी कर्मियों की तैनाती नहीं होने के कारण सेवा शुरू नहीं हो पाई है। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। उन्हें निजी जांच केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति कर सीटी स्कैन सेवा शुरू कराने की मांग की है, ताकि मरीजों को जिले में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके।

नगर पंचायत की दुकानों के आवंटन में अनियमितता का आरोप

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र के अम्बाटीकर मोड़ से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने निर्मित नगर पंचायत की दुकानों के आवंटन में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी मोती प्रसाद सोनी ने नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह को आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित दुकानों का आवंटन रद्द करने की मांग की है। अपने आवेदन में मोती प्रसाद सोनी ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों के नाम पर नगर पंचायत द्वारा दुकानों का आवंटन किया गया था, उनमें से कुछ लाभुक स्वयं दुकान का संचालन नहीं कर रहे हैं। उनकी जगह अन्य व्यक्तियों को दुकान किराये पर देकर व्यवसाय कराया जा रहा है, जो नगर पंचायत के नियमों एवं आवंटन की शर्तों का उल्लंघन है। उन्होंने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित दुकानों का आवंटन तत्काल निरस्त करते हुए नियमानुसार पात्र लोगों के बीच पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पुनः आवंटन किया जाए।

एसएसबी की 32वीं वाहिनी ने पूरा किया 25 दिवसीय बेसिक कंप्यूटर कोर्स

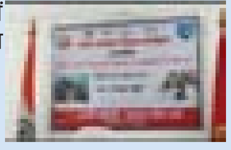

नवप्रदेश/लातेहार। सशस्त्र सीमा बल, 32वीं वाहिनी, लातेहार द्वारा मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित 25 दिवसीय ऑपरेटिंग सिस्टम (बेसिक कंप्यूटर कोर्स) का आज सफल समापन हुआ। कमांडेंट राजेश सिंह के नेतृत्व में यह कोर्स 16 जून से बी-समवाय, लातेहार में चलाया गया। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रशिक्षण में डुरूवा, धनकारा, सहित आसपास के गांवों के कुल 20 प्रतिभागी शामिल हुए। कोर्स में यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, फाइल प्रबंधन, मल्टीटास्किंग, डिवाइस कंट्रोल, इंटरनेट की जानकारी के साथ एम.एस. वर्ड, पावर पॉइंट व एक्सेल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कमांडेंट राजेश सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में कंप्यूटर ज्ञान आत्मनिर्भर भविष्य की कुंजी है। स्स्ब द्वारा नक्सल क्षेत्रों में कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण व चिकित्सा शिविर भी चलाए जा रहे हैं। 32वीं वाहिनी ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रखने का आश्वासन दिया।

लातेहार से उमरा यात्रियों का जत्था रवाना

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार जिले के विभिन्न क्षेत्रों से उमरा की पवित्र यात्रा पर जाने वाले जायरीन का जत्था शनिवार को लातेहार रेलवे स्टेशन से गरीब रथ एक्सप्रेस के माध्यम से दिल्ली के लिए रवाना हुआ। स्टेशन पर जायरीन को विदा करने के लिए बड़ी संख्या में उनके परिजन, शुभचिंतक तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर लातेहार जिला कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी ने सभी जायरीन से गले मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनसे देश, राज्य तथा जिले में अमन, शांति, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ करने की दरख्वास्त की। उन्होंने कहा कि उमरा की यात्रा आध्यात्मिक आस्था का महत्वपूर्ण अवसर है और यह समाज में प्रेम, सौहार्द एवं मानवता का संदेश देती है। जायरीन को विदाई देने पहुंचे लोगों ने उनके सुरक्षित एवं सफल सफर की कामना की। रेलवे स्टेशन का माहौल भावुक होने के साथ-साथ धार्मिक उत्साह से भी सराबोर रहा। इस दौरान लातेहार जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष रब्बानी हुसैन, कामगार कर्मचारी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष कामिल अंसारी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला नेता समसूल होदा, वारिश अंसारी, इस्माइल अंसारी, शौकत अली, आजाद खान, अयूब अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार, उमरा के लिए रवाना हुआ जत्था पहले दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगा। वहां से सभी जायरीन हवाई मार्ग से सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का और मदीना के लिए रवाना होंगे, जहां वे उमरा के सभी धार्मिक अरकान अदा कर अपने परिवार, समाज और देश की सुख-समृद्धि तथा शांति के लिए दुआ करेंगे।

श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों में जुटा प्रशासन

आम्रेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

नवप्रदेश/खूंटी। आगामी 30 जुलाई से 28 अगस्त तक आयोजित होने वाले श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों को लेकर खूंटी के उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने शनिवार को तोरपा स्थित बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर सभागार में मंदिर प्रबंधन समिति और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि श्रावण माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलार्पण के लिए आम्रेश्वर धाम पहुंचते हैं। ऐसे में उन्हें सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मेला की सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

बैठक में मंदिर परिसर और आसपास नियमित साफ-सफाई, पेयजल, मोबाइल एवं स्थायी शौचालय, निर्बाध बिजली आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, पर्याप्त पुलिस बल एवं दंडाधिकारी, स्वयंसेवकों की तैनाती, सड़क मरम्मत, पार्किंग, स्वास्थ्य शिविर, पैरामेडिकल टीम, एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग को मंदिर मार्ग और आसपास की सड़कों के किनारे उगी झाड़ियों की सफाई तथा आवश्यकतानुसार सड़क मरम्मत कराने को कहा। वहीं बनई नदी और मंदिर परिसर स्थित तालाब के समीप गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

बैठक में ट्रैफिक डायवर्जन, बैरिकेडिंग, साइनेज, एलईडी स्क्रीन, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। मंदिर प्रबंधन समिति को सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह सक्रिय रखने, श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित कतार व्यवस्था बनाने और स्वयंसेवकों को सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग होगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस अथवा नियंत्रण कक्ष को सूचना देने की अपील की।

बैठक के बाद उपायुक्त मो. जावेद हुसैन और पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मलय डैम आंदोलनः दुलसुलमा में बैठक कर किसानों को 16 जुलाई के महा-आंदोलन का दिया गया निमंत्रण

सतबरवा (पलामू): मलय डैम चैनल संख्या 18 मरम्मत कार्य नहीं होने के विरोध में आगामी 16 जुलाई को होने वाले महा-आंदोलन की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में आज सतबरवा प्रखंड के दुलसुलमा गांव में बैठक आयोजित कर ग्रामीणों व किसानों को आंदोलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मलय डैम सतबरवा, मेदिनीनगर सदर और लेस्लीगंज प्रखंड के 105 गांवों के हजारों किसानों के लिए लाइफ लाइन है, लेकिन पिछले नवंबर से नहर टूटने के कारण पानी बहकर बर्बाद हो रहा है और किसान पटवन के लिए तरस रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार सिन्हा ने कहा कि इस समस्या को लेकर तत्कालीन उपायुक्त सहित स्थानीय सांसद, विधायक और विभागीय अधिकारियों को पूर्व में ज्ञापन सौंपा गया था, परंतु आठ महीने बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। वर्तमान में किसान धान का बिचड़ा डालकर भारी संकट में हैं। इसी के विरोध में 16 जुलाई दिन गुरुवार को ब्रह्म स्थान के पास विशाल किसान जुटान होगा। मौके पर जितेन्द्र सिंह, चरखु मोची, बिगन राम, जय नाथ सिंह, लालबहादुर सिंह, कमलेश सिंह, अनिल सिंह, अभिमान सिंह, सतेन्द्र सिंह, बलवंत सिंह, उपेन्द्र सिंह, राना प्रताप सिंह, बिमाली देवी, प्रतिमा देवी, कश्मीरी देवी, अनीता देवी सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में बीएनएस की धारा 163 लागू

मेदिनीनगर (पलामू): दिनांक 12 जुलाई 2026 (रविवार) को आयोजित होने वाली झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद द्वारा संचालित पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026 के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सदर अनुमंडल पदाधिकारी, मेदिनीनगर द्वारा परीक्षा केंद्रों के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। यह आदेश परीक्षा की तिथि को सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक सभी परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में प्रभावी रहेगा। आदेश के तहत परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी व्यक्ति के हथियार लेकर चलने, पाँच या अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, बिना अनुमति लाउडस्पीकर अथवा ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग, परीक्षा कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने तथा किसी प्रकार के धरना-प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोकॉपी की दुकानों को भी परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश परीक्षा कार्य में संलग्न पदाधिकारियों, कर्मियों, पुलिस बल तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिनियुक्त अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों से परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग करने तथा जारी आदेश का पालन करने की अपील की है।

सतबरवा के करमा गांव से आठ जायरीन हज उमराह के लिए मक्का-मदीना रवाना, भव्य विदाई

सतबरवा (पलामू): प्रखंड क्षेत्र के ग्राम करमा से मक्का-मदीना (सऊदी अरब) हज उमराह के लिए आठ जायरीनों का जत्था रवाना हुआ। हज पर जाने वालों में मुख्य रूप से मोहम्मद कुदूश अंसारी व उनकी धर्मपत्नी, मोहम्मद अलीम सिद्दिकी व उनकी धर्मपत्नी, मोहम्मद जमालुदीन अंसारी व उनकी धर्मपत्नी, मोहम्मद हनीफ अंसारी एवं मुनिया खातून शामिल हैं। इस पावन यात्रा पर रवानगी के मौके पर धावाडीह पंचायत समिति सदस्य के भावी प्रत्याशी सह पांकी विधायक प्रतिनिधि महेश यादव ने सभी जायरीनों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और उनकी सुरक्षित यात्रा की कामना की।मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता अबुल हसन, जुम्मन मियां, डॉ. जहीदुल्ला, वकील अहमद, इकबाल अंसारी, बदरुद्दीन अंसारी, हसबुद्दीन अंसारी, हसन अंसारी, शमशाद अंसारी, शिक्षक सेठा यादव, गोपी अंसारी, शकील अंसारी, समतुल्लाह अंसारी, सगीर अंसारी, अल्लादीन अंसारी, मोहिब सिद्दीकी, अखलेश यादव, विकास यादव, राजेश साहू, जुबेर अंसारी, इरशाद अंसारी एवं असगर अंसारी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कैच द रेन' अभियान की शुरूआत, जल संरक्षण की शपथ के साथ जनभागीदारी का आह्वान

छतरपुर। नगर पंचायत छतरपुर ने भारत सरकार के 'कैच द रेन' अभियान के तहत जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को लेकर जनजागरूकता अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष अरविन्द कुमार गुप्ता ने जनप्रतिनिधियों, नगरकर्मियों एवं सफाईकर्मियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। नगर अध्यक्ष ने कहा कि वर्षा की हर बूंद अनमोल है और छतरपुर को जल संकट से बचाने के लिए हर नागरिक को वर्षा जल संचयन अपनाना होगा। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी फैजूर रहमान अंसारी ने बताया कि अगले 30 दिनों तक नगर क्षेत्र में जल संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान, जल संवाद और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के पुनर्जीवीकरण का कार्य किया जाएगा।

बोहीता माइंस ब्लास्टिंग के कारण ग्रामीणों में आक्रोश युवाओं के आवेदन पर जिला खनन कार्यालय ने डीजीएमएस रांची को तकनीकी जांच के लिए लिखा पत्र

नवप्रदेश/सतबरवा (पलामू): प्रखंड क्षेत्र के मौजा बोहिता स्थित पत्थर माइंस (खाता नं० 237, प्लॉट संख्या 273, रकबा 4.52 एकड़) में गुरुवार को हुई तेज ब्लास्टिंग के बाद खेतों में 4-5 बड़े पत्थर और खपरैल मकानों पर छोटे टुकड़े गिरने का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने मौके पर जमकर हंगामा किया। इसके बाद गांव के 50-60 ग्रामीणों के हस्ताक्षर वाला आवेदन लेकर मुख्य रूप से 4-5 युवा पलामू जिला खनन विभाग पहुंचे। इस लिखित शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला खनन कार्यालय, पलामू ने पत्रांक 1736/एम०, दिनांक 10-07-2026 के तहत रीजनल डायरेक्टर, डीजीएमएस रांची को तकनीकी जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के लिए आधिकारिक पत्र भेजा है।

माइंस प्रबंधन का पक्षः इस पूरे मामले पर माइंस प्रबंधन का पूरा वीडियो न्यूज 11 में चल रहा है जिसमें उनका दिया हुआ बयान एवं मौखिक रूप से मिली जानकारी के अनुसार उन्होंने गंभीर रुख अपनाते हुए आरोपों को मनगढ़ंत बताया है। प्रबंधन के अनुसार, किसी के मकान पर कोई पत्थर नहीं गिरा है, बल्कि माइनिंग के नजदीक स्थित खेत की क्यारियों में जो पत्थर गए थे, उन्हें कुछ लोग उठाकर अपने घरों की छतों पर रख दिए हैं। कुछ लोग पिछले कुछ दिनों से बोरिंग कराने की मांग कर रहे थे और मांग पूरी नहीं होने के कारण इस तरह का झूठा इशू बना रहे हैं। पिछले 7-8 सालों से यहां ऐसा कभी नहीं हुआ। प्रबंधन जांच में प्रशासन का पूरा सहयोग करने को तैयार है।

नन्हा सा दिल अभियान शुरू, 18 जुलाई तक होगी बच्चों के हृदय की जांच

विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों में 11 से 18 वर्ष के बच्चों की होगी निःशुल्क स्क्रीनिंग

प्रतिनिधि, हरिहरगंज. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरिहरगंज में संजीवनी ट्रस्ट के सहयोग से नन्हा सा दिल अभियान की शुरूआत हुई. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद ने जांच दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा रांची से आए चिकित्सकीय दल को सफल अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं. अभियान के तहत 10 से 18 जुलाई तक हरिहरगंज प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 11 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के हृदय संबंधी रोगों की निःशुल्क जांच की जाएगी. पहले दिन डेमा, मिडिल स्कूल और सतगावां में बच्चों की स्क्रीनिंग की गयी. चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद ने अभिभावकों से अपने बच्चों की जांच कराने की अपील की, बताया गया कि जांच में यदि किसी बच्चे में हृदय संबंधी बीमारी मिलती है, तो संजीवनी ट्रस्ट की ओर से उसके इलाज की भी निःशुल्क व्यवस्था की जाएगी. मौके पर डॉ राजेश कुमार, डॉ तौहीद, डॉ साजिद, डॉ सुनील कुमार, डॉ देवेंद्र प्रसाद, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सह डाटा प्रबंधक सत्यनारायण कुमार, प्रखंड लेखा प्रबंधक सुनील कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे.

शहीद हवलदार प्रबोध महतो के स्मारक निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

नवप्रदेश/नावा बाजार/पलामू। देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद हवलदार प्रबोध महतो की स्मृति में बनने वाले स्मारक कासाथ सपना अब साकार होने की ओर बढ़ चला है। लंबे समय से ग्रामीणों एवं शहीद परिवार की ओर से की जा रही मांग शनिवार को भूमि पूजन के साथ पूरी होती दिखाई दी। तुकबेरा पंचायत भवन परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूरे विधि-विधान के साथ स्मारक निर्माण का भूमि पूजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी रेणु बाला, नावा बाजार थाना प्रभारी संजय कुमार यादव, एसडीएम सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। भूमि पूजन के बाद उपस्थित अधिकारियों ने शहीद हवलदार प्रबोध महतो के अदम्य साहस और देश के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्र ऐसे वीर सपूतों का सदैव ऋणी रहेगा। अधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित स्मारक केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का प्रेरणास्थल होगा। इससेना युवाओं को शहीदों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा मिलेगी तथा उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। इस अवसर पर शहीद के परिजनों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से स्मारक निर्माण की मांग की जा रही थी। भूमि पूजन होने से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की भावनाओं को सम्मान मिला है। ग्रामीणों ने भी स्मारक निर्माण की पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। मालूम हो की लंबे समय से कारगिल युद्ध में दुश्मनों को दांत खट्टे करने वाले वीर शहीद प्रबोध महतो के शहादत से क्षेत्र के लोग लंबे समय से अनजान थे।

कैच द रेन अभियान को सफल बनाने की बनी कार्ययोजना 30 दिनों तक चलेंगे जागरूकता कार्यक्रम

हरिहरगंज नगर पंचायत कार्यालय सभागार में शनिवार को कैच द रेन-2026 अभियान के सफल संचालन को लेकर कार्यालय कर्मियों एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में 11 जुलाई से शुरू होने वाले 30 दिवसीय अभियान की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। अभियान का उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण, जल स्रोतों का संवर्द्धन तथा आम लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। सामुदायिक संगठनकर्ता विचित्रा कुमारी ने बताया कि अभियान के तहत नगर पंचायत क्षेत्र में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। स्वयं सहायता समूह की दीदियां घर-घर जाकर लोगों को वर्षा जल संचयन, जल की बबादी रोकने तथा जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करेंगी। इसके अलावा सार्वजनिक स्थलों पर भी स्वच्छता एवं जल संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में नगर प्रबंधक नजीबुल्लाह अंसारी ने सभी कर्मियों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। बैठक में सीएलटीसी संजय कुमार राणा, कनीय अभियंता सुबोध कुमार, सामुदायिक संगठनकर्ता विचित्रा कुमारी, सामुदायिक संसाधन सेविका रिशु कुमारी, लालमुनी कुमारी, अनिता कुमारी सहित स्वयं सहायता समूह की दीदियां शामिल थीं।

एक नजर

बरसात से पूर्व नालों की सफाई का जायजा, रेलवे ने नगर परिषद को हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

नवप्रदेश/पश्चिम सिंहभूम। नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव की अध्यक्षता में शुक्रवार को शहर के विभिन्न वार्डों का समग्र निरीक्षण किया गया। इस दौरान मानसून को देखते हुए नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था तथा आवश्यक विकास कार्यों की स्थिति का विस्तृत जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरिया एवं नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय कुमार साव भी मौजूद रहे। मंडल रेल प्रबंधक ने नगर परिषद को आश्वस्त किया कि शहरहित से जुड़ी सभी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में रेलवे की ओर से पूर्ण सहयोग दिया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि नगरवासियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बरसात से पहले सभी नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करना नगर परिषद की प्राथमिकता है। रेलवे और नगर परिषद के आपसी समन्वय से विकास कार्यों में तेजी आएगी तथा शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने कहा कि नगर परिषद और रेलवे के बीच बेहतर समन्वय से शहर के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जलजमाव की समस्या से स्थायी समाधान के लिए सभी संबंधित विभाग मिलकर कार्य करेंगे। मानसून के दौरान किसी भी क्षेत्र में जल निकासी बाधित न हो, इसके लिए आवश्यक कदम समय रहते उठाए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि नालों में कचरा न डालें और स्वच्छता बनाए रखने में नगर परिषद का सहयोग करें। मौके पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, आईओडब्ल्यू, कनिष्ठ अभियंता, नगर परिषद के वार्ड पार्षदगण तथा संबंधित विभाग के कनीय अभियंता उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और जल निकासी व्यवस्था को समय रहते दुरुस्त करने पर बल दिया।

बिजली पोल के अभाव में अंधेरे में जी रहे 10 दलित परिवार, ग्रामीणों ने लगाई गुहार

प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज प्रखंड के तूरी पंचायत अंतर्गत भुइयां टोला (पहाड़ी तार) में आज भी करीब 10 दलित परिवार बिजली के पोल व नियमित विद्युत व्यवस्था के अभाव में अंधेरे में जीवन बिताने को विवश हैं. ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विभागीय अधिकारियों से मांग करने के बावजूद अब तक टोले में बिजली के पोल व तार नहीं लगाए गए हैं. युवा नेता सह समाजसेवी उमा यादव ने कहा कि दलित बहुल इस टोले के लोग लकड़ी के खंभे गाड़कर निजी स्तर पर तार खींचकर किसी तरह घरों में रोशनी की व्यवस्था कर रहे हैं. अस्थायी व्यवस्था होने के कारण तार टूटने का खतरा बना रहता है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है. ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण सांप, बिच्छू समेत विषैले जीव-जंतुओं का खतरा बढ़ जाता है. पर्याप्त रोशनी नहीं रहने से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी होती है. ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से शीघ्र बिजली के पोल लगाकर नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है. मौके पर समाजसेवी ओमप्रकाश यादव, अर्जुन यादव, मुन्ना यादव, पंचम भुइयां, मनोज भुइयां, राजू भुइयां, अनिल भुइयां, अनीता देवी, पनपतिया देवी, सरिता देवी, सोनी देवी, जितेंद्र भुइयां, विकास भुइयां, विनय भुइयां, उषा देवी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे.

विधायक प्रतिनिधि सह पूर्व जिला पार्षद अनुज राम उपस्थित

प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज पावर सब स्टेशन (पीएसएस) में सांसद बीडी राम के प्रयास से उपलब्ध कराया गया 10 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर शनिवार को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद चालू कर दिया गया. इसके साथ ही शहर की बिजली व्यवस्था को बड़ी राहत मिली है. नए ट्रांसफार्मर के चालू होने से शहरी फीडर पर ओवरलोड की समस्या खत्म होगी और बार-बार होने वाली ट्रिपिंग से उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है. ट्रांसफार्मर चालू होने के अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन एवं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जानू चौधरी ने पूजा-अर्चना कर लोगों के बीच मिठाइयां बांटी. सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन ने बताया कि अब तक पीएसएस में लगे दो 5-5 एमवीए ट्रांसफार्मरों से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की जा रही थी. बढ़ते विद्युत भार के कारण शहरी फीडर लगातार ओवरलोड रहता था, जिससे बार-बार ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती थी. अब नए 10 एमवीए ट्रांसफार्मर से शहरी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति होगी, जबकि पहले से स्थापित दोनों 5 एमवीए ट्रांसफार्मरों से ग्रामीण क्षेत्रों को बिजली मिलेगी. उन्होंने सांसद बीडी राम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सतत प्रयास का ही परिणाम है कि हरिहरगंज को यह सौगात मिली है. इससे शहर के हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा. उन्होंने कहा कि क्षेत्र की बिजली समस्याओं को लेकर उनके द्वारा लगातार आंदोलन और मांग उठाई जाती रही है तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी जल्द एक और 10 एमवीए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने का प्रयास जारी है. मौके पर पंडित गुड्डु मिश्रा, अखिलेश मेहता, मृत्युंजय सिंह, शंभू यादव, अवधेश मेहता, संजय जायसवाल, मनीष जायसवाल, गोलू कुमार, राजू शर्मा, उदय मेहता, शिक्षक मदन सिंह, संतोष सोनी, विजय सोनी, संतोष मेहता, चंदन सोनी, गौतम सिंह सहित कई लोग मौजूद थे.

विश्व जनसंख्या दिवस पर अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर में जागरूकता कार्यक्रम

छतरपुर। विश्व जनसंख्या दिवस 2026 के अवसर पर शनिवार को अनुमंडलीय अस्पताल, छतरपुर में परिवार कल्याण एवं जनसंख्या स्थिरीकरण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख उर्मिला कुमारी, उप प्रमुख संतोष यादव, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी (एमओआईसी), अमित कुमार सिंह (ब्लॉक डाटा मैनेजर), उमाकांत सहाय (बीएएम) तथा अस्पताल के अन्य पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस की थीम बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार रहे स्वस्थ और खुशहाल रही। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों, बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतराल के महत्व, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, छोटे एवं स्वस्थ परिवार के लाभ तथा जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति विस्तार से जानकारी दी गई।

श्रावणी मेला 2026: 25 जुलाई तक सभी तैयारियां पूरी हों, श्रद्धालुओं की सुविधा-सुरक्षा से नहीं होगा समझौता : उपायुक्त

देवघर में समीक्षा बैठक, बारिश को देखते हुए जल निकासी, बिजली, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश; 34 हाईटेक सूचना केंद्र और 10 मातृत्व विश्राम गृह बनेंगे

नवप्रदेश/देवघर। राजकीय श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने शनिवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक कर सभी विभागों को 25 जुलाई तक गुणवत्तापूर्ण तरीके से सभी कार्य हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करें।

बैठक में उपायुक्त ने बाबा मंदिर परिसर, नए फुटओवर ब्रिज, कांवरिया पथ, क्यू कॉम्प्लेक्स, पार्किंग, जल निकासी, पेयजल, शौचालय, विश्राम गृह, सड़क मरम्मत और साफ-सफाई सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मानसून को देखते हुए जलभराव रोकने, ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने, वॉटरप्रूफ पंडाल बनाने तथा विद्युत सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि मेला क्षेत्र में सभी वाहन पड़ाव स्थलों पर सुरक्षा, स्वच्छता, शौचालय, पेयजल और विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वहीं, मेला ड्यूटी में तैनात अधिकारियों, पुलिस बल, दंडाधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए भी बेहतर आवासन की व्यवस्था करने को कहा गया।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जिला प्रशासन ने विशेष तैयारी की है। मेला क्षेत्र में अस्थायी अस्पताल, स्वास्थ्य शिविर, हेल्थ कंट्रोल रूम, जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती तथा 24 घंटे सक्रिय आपदा प्रबंधन टीम और पर्याप्त एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को हाईटेक बनाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा। इंटीग्रेटेड मेला कंट्रोल रूम (आईएमसीआर) को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया जाएगा, जहां से भीड़ प्रबंधन, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी होगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार 34 हाईटेक सूचना सह सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां सभी आवश्यक जानकारी और सहायता उपलब्ध होगी। महिला श्रद्धालुओं और बच्चों के लिए 10 मातृत्व विश्राम गृह 24 घंटे संचालित रहेंगे। इसके अलावा छह सांस्कृतिक मंच, 30 एलईडी स्क्रीन, शिवलोक परिसर में प्रदर्शनी, शिवगंगा और जलसार में लाइट एंड साउंड शो तथा टॉवर चौक और बाबा मंदिर में लेजर शो का आयोजन भी किया जाएगा।

बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुलोचना मीना, सिविल सर्जन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता और प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जन्मदिन पर हरियाली का संकल्पः 11 वर्षों से हजारों पौधे बांट रहे बीएम पांडेय

नवप्रदेश/नावाबाजार (पलामू)। जन्मदिन को केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति दायित्व निभाने का माध्यम बनाया जा सकता है, इसका प्रेरणादायी उदाहरण नावाबाजार प्रखंड के बसना गांव में देखने को मिला। रेलवे में कार्यरत बीएम पांडेय ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक बार फिर फलदार एवं इमारती पौधों का निःशुल्क वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पिछले 11 वर्षों से लगातार चल रही यह पहल अब एक जन-अभियान का रूप ले चुकी है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर एसडीएम सह एसडीओ संजय पांडेय, प्रखंड विकास पदाधिकारी रेणु बाला, थाना प्रभारी संजय यादव, एएसआई प्रद्युम्न पासवान, विश्रामपुर सांसद प्रतिनिधि अनूज पांडेय, पूर्व मुखिया सुरेश मेहता, सतीश पांडेय, ज्वाला पांडेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अतिथियों ने ग्रामीणों के बीच पपीता, आंवला, कटहल, अनार, अमरूद समेत कई फलदार एवं इमारती पौधों का वितरण किया। मुख्य अतिथि संजय पांडेय ने कहा कि बीएम पांडेय ने अपने जन्मदिन को पर्यावरण संरक्षण के नाम समर्पित कर समाज के सामने एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। उन्होंने प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और तब तक उसकी देखभाल करे, जब तक वह एक मजबूत पेड़ का रूप न ले ले। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, सूखा और पर्यावरण असंतुलन जैसी चुनौतियों का सबसे प्रभावी समाधान व्यापक स्तर पर पौधरोपण ही है। एक पेड़ केवल छाया और फल ही नहीं देता, बल्कि शुद्ध प्राणवायु, भू-जल संरक्षण और आर्थिक समृद्धि का भी आधार बनता है। प्रखंड विकास पदाधिकारी रेणु बाला ने कहा कि पौधरोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण देने का संकल्प है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पौधे लगाने चाहिए और उनकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए। यदि हर परिवार वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसे पेड़ बनने तक सुरक्षित रखे, तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य स्वतः ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि फलदार एवं इमारती पौधे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाते हैं और लोगों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ पहुंचाते हैं। थाना प्रभारी संजय यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

छाताबाद में भू-धसान से दहशत, महापौर संजीव सिंह ने किया निरीक्षण, अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई की मांग

नवप्रदेश/धनबाद/कतरास। कतरास प्रखंड अंतर्गत छाताबाद क्षेत्र में लगातार हो रहे भू-धसान ने स्थानीय लोगों की नींद उड़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शनिवार को धनबाद नगर निगम के महापौर संजीव सिंह प्रभावित इलाके का दौरा करने पहुंचे। उनके साथ निगम के अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

पैदल घूमकर लिया जायजा, लोगों से सुनी व्यथा.......

महापौर ने छाताबाद के भूधसान प्रभावित इलाकों में करीब एक घंटे तक पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने दरक चुके मकानों, सड़क पर पड़े दरारों और खतरे की जद में आए घरों को बारीकी से देखा। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उनके साथ थे।ग्रामीणों ने महापौर के सामने अपनी परेशानी रखी। लोगों का कहना था कि पिछले कुछ महीनों से जमीन धंसने की घटनाएं बढ़ गई हैं। कई घरों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। रात में सोते समय भी डर लगा रहता है। ग्रामीणों ने मांग की कि सरकार तुरंत उन्हें सुरक्षित स्थान पर बसाए,उचित मुआवजा दे और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों इसके लिए पुख्ता इंतजाम करे। स्थल निरीक्षण के बाद

पत्रकारों से बातचीत में महापौर संजीव सिंह ने कहा कि छाताबाद की स्थिति बेहद चिंताजनक है।यहां लोगों का जीवन संकट में है।उन्होंने भू-धसान के लिए बंद खदानों में चल रहे अवैध खनन और कोयला चोरी को सीधे जिम्मेदार ठहराया। महापौर ने कहा,बंद खदानों के अंदर अवैध तरीके से कोयला निकालने के कारण जमीन के नीचे बड़े-बड़े गड्ढे और खोखली जगहें बन गई हैं। इसी वजह से ऊपर की जमीन धंस रही है। अगर अभी इस पर रोक नहीं लगी तो आने वाले दिनों में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। महापौर ने मौके पर ही जिला प्रशासन,पुलिस,बीसीसीएल प्रबंधन और संबंधित विभागों से कई ठोस कदम उठाने की मांग की। अवैध खनन पर रोक: **बंद खदानों में** अवैध खनन और कोयला तस्करी रोकने के लिए पुलिस और बीसीएल संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाए। वैज्ञानिक सर्वे: भू-धसान संभावित सभी क्षेत्रों का भू-वैज्ञानिक सर्वे कराया जाए। खतरे वाले इलाकों को चिन्हित कर वहां आबादी हटाई जाए। तत्काल राहत: जिन परिवारों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं उन्हें तत्काल सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित किया जाए। उन्हें रहने,खाने और चिकित्सा की समुचित व्यवस्था दी जाए। साथ ही नुकसान का आकलन कर मुआवजा दिया जाए। इस समस्या के स्थायी निदान के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और बीसीएल मिलकर एक संयुक्त कार्ययोजना बनाएं। महापौर संजीव सिंह ने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि उन्हें इस संकट में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा,मैं इस मामले को जिला स्तरीय बैठक से लेकर राज्य सरकार और केंद्र के संबंधित मंत्रालय तक उठाऊंगा। छाताबाद के लोगों को भयमुक्त जीवन देना हमारी प्राथमिकता है। अवैध खन पर पूरी तरह रोक लगाने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।स्थानीय लोगों ने महापौर के दौरे और आश्वासन का स्वागत किया। अब सबकी निगाहें प्रशासन और बीसीसीएल द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर टिकी हैं।

धनबाद सदर अस्पताल में मुफ्त हुआ जटिल ऑपरेशन

धनबाद। धनबाद सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने एक जटिल ऑपरेशन कर महिला को नया जीवन दिया। झरिया के डिगवाडीह नंबर-10 की 45 वर्षीय प्रमिला देवी की बच्चेदानी में बड़ा ट्यूमर था। शनिवार को सदर अस्पताल में उनका सफल ऑपरेशन किया गया। पिछले एक साल से प्रमिला देवी को पेट दर्द और ज्यादा खून जाने की समस्या थी। जांच में पता चला कि बच्चेदानी में ट्यूमर है। प्रमिला देवी सहिया का काम करती हैं। उनके पति किसान हैं। आर्थिक तंगी की वजह से वे निजी अस्पताल में इलाज नहीं करा पा रहे थे। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार प्रसाद की देखरेख में ऑपरेशन हुआ। इसमें डॉ. पवन और ओटी सहायक रंजना भी शामिल थीं। डॉक्टरों ने बताया कि निजी अस्पताल में यही ऑपरेशन 40 से 50 हजार रुपये में होता। लेकिन सरकारी योजना के तहत यह बिल्कुल मुफ्त हुआ।ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति अब स्थिर है। परिवार ने डॉक्टरों और जिला प्रशासन का धन्यवाद किया।

झरिया में मतदाता जागरूकता अभियान तेज घर-घर पहुंचकर बांटे जा रहे फॉर्मम

झरिया। निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत झरिया विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जागरूकता का काम तेज कर दिया गया है। कांग्रेस के स्थानीय नेता और बूथ लेवल एजेंट-2 कार्तिक हाड़ी मतदाताओं से सीधे संपर्क कर रहे हैं।बूथ संख्या 134 पर कैंप लगाकर हाड़ी और उनकी टीम लोगों को एन्यूमरेशन फॉर्म दे रही है। साथ ही फॉर्म भरने का तरीका, जरूरी कागजात और अंतिम तिथि से पहले जमा करने की जानकारी भी दी जा रही है। उनका मकसद है कि कोई भी योग्य मतदाता सूची में नाम जुड़वाने या उसमें संशोधन कराने से वंचित न रह जाए।कार्तिक हाड़ी ने बताया कि टीम घर-घर जाकर लोगों को इस अभियान की अहमियत समझा रही है। उन्होंने कहा,मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। पार्टी बूथ स्तर पर लोगों की मदद कर रही है ताकि सूची साफ-सुथरी और पारदर्शी बने और किसी का वोट का अधिकार न छूटे। इस दौरान बीएलए मधु वर्मा, पर्यवेक्षक मॉर्निंग, साजिद हुसैन, वालंटियर अखिलेश सिंह और बीएलए-2 भोला हाड़ी भी मौजूद रहे।

शादी से लौटते वक्त मातम: ट्रेन से गिरकर गंवाया पैर,परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

धनबाद। जसीडीह रेलवे स्टेशन पर एक पल की चूक ने बलियापुर के एक परिवार की खुशियां छीन लीं। शादी समारोह से घर लौटते समय ट्रेन में चढ़ने के दौरान संतुलन बिगड़ने से एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसका दाहिना पैर कट गया। घायल युवक की पहचान बलियापुर थाना क्षेत्र के आमटाल गांव निवासी लक्ष्मण सिंह के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि पूरा परिवार जसीडीह में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आया था। वापसी के दौरान प्लेटफॉर्म पर चलती ट्रेन पकड़ने के प्रयास में लक्ष्मण का पैर फिसल गया और वह ट्रेन के नीचे आ गया।घटना के तुरंत बाद मौजूद लोगों ने घायल को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। पहले उसे धनबाद के एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर बताते हुए शनिवार को उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया। लक्ष्मण सिंह पेशे से राजमिस्त्री हैं और घर की सारी जिम्मेदारी उन्हीं पर है। अचानक हुए इस हादसे के बाद परिवार गहरे सदमे में है। रिम्स में उनका इलाज जारी है।

गोविंदपुर में बालिकाओं के लिए मुफ्त मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण केंद्र शुरू

गोविंदपुर। बालिकाओं को आत्मरक्षा में दक्ष बनाने के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ गोविंदपुर ने बरियो स्थित क्रेसेंट इंटरनेशनल स्कूल में लायंस क्लब मार्शल आर्ट्स गर्ल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की शुरूआत की। शनिवार को हुए उद्घाटन समारोह में निरसा विधायक अरूप चटर्जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन,गुब्बारे उड़ाकर और पंजीकरण फॉर्म जारी कर संस्थान का उद्घाटन किया।विधायक चटर्जी ने कहा कि आज के समय में हर लड़की का आत्मरक्षा सीखना जरूरी है।यह कौशल सुरक्षा के साथ आत्मविश्वास और साहस भी देता है। उन्होंने इस सामाजिक पहल के लिए लायंस क्लब की सराहना की और हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। लायंस क्लब अध्यक्ष एवं स्कूल निदेशक ईसा शमीम ने बताया कि हर रविवार को स्कूल परिसर में बालिकाओं को निःशुल्क मार्शल आर्ट्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी लायन नूपुर जायसवाल संभालेंगी। कार्यक्रम में छात्राओं ने आत्मरक्षा के गुर दिखाकर सबको प्रभावित किया। स्कूल चेयरमैन डॉ. एम.डी. शमीम अहमद और प्राचार्या विजेता दास ने कहा कि शिक्षा के साथ जीवन कौशल देना भी जरूरी है।लायन रोशन अग्रवाल ने समाज से इस अभियान में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम का संचालन लायन राजेश जायसवाल ने किया।

दुखहरनी मंदिर में खुशियों की उड़ान संस्था ने किया भोग वितरण

नवप्रदेश/झरिया। झरिया स्थित दुखहरनी मंदिर परिसर में खुशियों की उड़ान संस्था के सदस्यों ने पूजा-अर्चना के साथ सामाजिक सेवा का उदाहरण पेश किया। कार्यक्रम की शुरूआत माता के पूजन से हुई, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी भोग का वितरण किया गया।संस्था की अध्यक्ष सरिता सिंह ने बताया कि विगत 4 वर्षों से संस्था समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि गरीब और असहाय लोगों की सहायता करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। इसी उद्देश्य के तहत संस्था निरंतर विभिन्न सामाजिक कार्य कर रही है। इस अवसर पर संस्था की सचिव निहारिका सिंह ने संस्था की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था द्वारा अब तक रक्तदान शिविर, गरीब कन्याओं के विवाह और जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता जैसे कई कार्य किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्था को रक्तदान के क्षेत्र में नेशनल अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।कार्यक्रम में संस्था की सभी पदाधिकारी एवं गणमान्य महिलाएं उपस्थित थीं।

धनबाद में सख्ती का असर: जून में सड़क हादसों और मौतों में 36% की गिरावट

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद पुलिस की सख्ती और लगातार चलाए जा रहे ट्रैफिक अभियान का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर और ट्रैफिक डीएसपी रोहित कुमार साव के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के बाद जून महीने में जिले में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों में बड़ी कमी दर्ज की गई है। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार जून में जिले में 30 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जबकि मई में यह संख्या 45 थी। इसी तरह जून में 25 लोगों की मौत हुई, जबकि मई में 39 लोगों ने सड़क हादसों में जान गंवाई थी। इस तरह एक महीने में दुर्घटनाओं और मौतों दोनों में करीब 36 प्रतिशत की कमी आई है। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि यह कमी पुलिस की सतत कार्रवाई, ट्रैफिक पुलिस की मेहनत और आम जनता के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सड़क सुरक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए अभियान को लगातार जारी रखा जाए।

3,361 वाहनों पर कार्रवाई, 58 लाख वसूला जुमार्ना.....

जून में ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान 3,361 वाहनों के खिलाफ चालान काटकर 50 लाख 6 हजार 200 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। एंटी ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के तहत 67 वाहनों को जब्त किया गया। इन पर न्यायालय ने 7 लाख 37 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। विपरीत दिशा में वाहन चलाने पर 16 वाहन जब्त कर 56 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

किन उल्लंघनों पर सबसे ज्यादा कार्रवाई........

पुलिस ने विभिन्न नियमों के उल्लंघन पर भी कड़ी कार्रवाई की। प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं होने पर 1,343, हेलमेट नहीं पहनने पर 512, बीमा नहीं होने पर 483, खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने पर 360,गलत पार्किंग पर 357 और बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने पर 143 चालान किए गए। इसके अलावा सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 31, नो-एंट्री उल्लंघन पर 16, फैंसी नंबर प्लेट पर 141, बिना निबंधन पर 35, बिना नंबर प्लेट पर 24, काला शीशा लगाने पर 11 और अवैध रूप से मॉडिफाई वाहन पर 18 मामलों में कार्रवाई हुई। वाहन चलाते समय मोबाइल इस्तेमाल करने पर 2 चालान काटे गए।

नियम पालन की अपील.....

एसएसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल राजस्व वसूली नहीं है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे गति सीमा का पालन करें, दोपहिया पर हेलमेट और चारपहिया में सीट बेल्ट लगाएं और नशे की हालत में वाहन न चलाएं।उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे भी सघन वाहन जांच और जन-जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जाएंगे।

धनबाद में आंगनबाड़ी केंद्रों के बीच पोषण वाटिका प्रतियोगिता शुरू

नवप्रदेश/धनबाद। बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका प्रतियोगिता शुरू करने का निर्णय लिया है।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर यह पहल की गई है। उपायुक्त ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को ताजी,सुरक्षित एवं पोषणयुक्त हॉट कुक्ड मील उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही केंद्रों में स्थानीय स्तर पर हरी सब्जियों एवं फलों की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी इसका लक्ष्य है। जिला स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा विकसित पोषण वाटिकाओं का निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।इसमें पोषण वाटिका के बेहतर विकास, नवाचार तथा सामुदायिक भागीदारी को विशेष महत्व दिया जाएगा। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले केंद्रों को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके तहत प्रथम पुरस्कार 10 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 8 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 6 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पुरस्कार राशि का उपयोग संबंधित केंद्र द्वारा अपनी पोषण वाटिका को और सुदृढ़ एवं विकसित करने में किया जाएगा।

यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन की बैठक संपन्न

4 श्रम संहिता और संयुक्त द्विपक्षीय कोयला वेतन समझौता-12 को लेकर बनी आंदोलन की रणनीति

बाघमारा। यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन की केंद्रीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को भूरकुंडा नदी तट स्थित केंद्रीय कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में कोयला श्रमिकों के हित और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। शुरूआत में दिवंगत साथियों को श्रद्धांजलि दी गई।बैठक में भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह यूनियन के महामंत्री रमेंद्र कुमार, भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र महासंघ के अध्यक्ष अशोक यादव, उपाध्यक्ष लखन लाल महतो, बरोरा क्षेत्र से संतोष गोराई, नर्मदेश्वर पांडे, उदय शंकर चौहान, नरेश चौहान सहित 39 पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक के मुख्य निर्णय......

आंदोलन का ऐलान: केंद्र सरकार के 4 श्रम संहिता निरस्त करने और 12वें संयुक्त द्विपक्षीय कोयला वेतन समझौता के गठन की मांग को लेकर हिंद मजदूर सभा,अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस और सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस के संयुक्त मोर्चे के तहत पूरे कोयला क्षेत्र में आंदोलन चलाया जाएगा।

सदस्यता अभियान: संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता में 10% वृद्धि का लक्ष्य रखा गया। सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

प्रतिनिधि चयन: 22 से 26 नवंबर तक बेंगलुरु में होने वाले भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र महाधिवेशन के लिए यूनियन के प्रतिनिधि चुने गए।केंद्रीय नेतृत्व ने पदाधिकारियों से एकजुट होकर आंदोलन को ऐतिहासिक बनाने और सदस्यता अभियान तेज करने का आह्वान किया।

धनबाद में स्कूली छात्राओं और बच्चों के लिए 13 जुलाई से बड़े स्तर पर स्वास्थ्य शिविर

नवप्रदेश/धनबाद। जिले की कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने विशेष मेडिकल शिविर लगाने का फैसला लिया है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर यह अभियान 13 जुलाई से शुरू होगा। कहां-कहां लगेगा शिविर-: प्रशासन के अनुसार झरिया स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 13 से 15 जुलाई तक स्वास्थ्य जांच होगी। वहीं टुंडी और पूर्वी टुंडी क्षेत्र के आवासीय विद्यालयों में यह शिविर 13 से 17 जुलाई तक चलेगा।

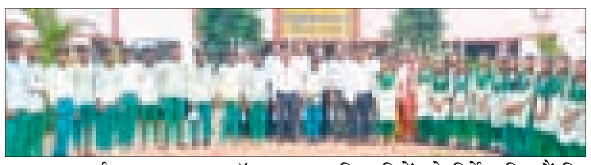

13 जुलाई एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल,टुंडी,14 जुलाई मॉडल स्कूल,लोधरिया, 15 जुलाई कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, टुंडी,17 जुलाई कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय,पूर्वी टुंडी में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शिविरों को सुचारू रूप से चलाने के लिए उपायुक्त ने झरिया सह जोरापोखर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और टुंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मेडिकल टीम को सभी जरूरी दवाएं और उपकरण समय पर उपलब्ध कराए जाएं। उपायुक्त ने बताया कि 13 जुलाई को जिले के सभी प्रखंडों में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ फर्स्ट लाइन ट्रीटमेंट शिविर आयोजित किए जाएंगे। स्क्रीनिंग के दौरान चिन्हित करीब 3000 बच्चों को इसमें लाभ मिलेगा।इन शिविरों में बच्चों के दांत, हृदय, त्वचा, सुनने की क्षमता के साथ-साथ क्लब फुट,कटा होंठ जैसी समस्याओं की जांच कर इलाज किया जाएगा। जिन बच्चों को विशेषज्ञ डॉक्टर या आगे के उपचार की जरूरत होगी, उन्हें जिला स्तरीय अस्पताल भेजा जाएगा।स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले शुक्रवार को सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लगे आरबीएसके शिविर में 375 बच्चों का सफल इलाज किया गया। सिविल सर्जन ने आरबीएसके से जुड़े सभी चिकित्सकों को शिक्षा विभाग के साथ तालमेल कर सूचीबद्ध बच्चों को शिविर में लाना सुनिश्चित करने को कहा है।

निरसा के लाइसेंस शिविर में अव्यवस्था 5000 में से सिर्फ 550 आवेदन निपटे, लोग लौटे मायूस

नवप्रदेश/निरसा। प्रखंड कार्यालय परिसर में शनिवार को आयोजित ड्राइविंग लाइसेंस निर्माण शिविर पूरी तरह कुव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। प्रशासन की अपर्याप्त तैयारी और सीमित समय-स्लॉट के कारण हजारों आवेदक दिनभर भटकने के बाद खाली हाथ लौट गए। सुबह 6 बजे से ही प्रखंड कार्यालय के बाहर आवेदकों की लंबी कतारें लग गई थीं।अनुमान है कि 5000 से अधिक लोग लाइसेंस बनवाने पहुंचे थे।लेकिन विभाग की ओर से महज 550 आवेदनों के निपटारे की व्यवस्था थी।नतीजा यह हुआ कि अधिकांश लोग घंटों इंतजार करने के बाद बैरंग वापस लौटने को मजबूर हुए।

ऑनलाइन शुल्क जमा करने वालों को भी झटका......

आवेदकों का आरोप है कि कई लोगों ने पहले से ऑनलाइन आवेदन कर निर्धारित शुल्क भी जमा कर दिया था। बावजूद इसके उनके फॉर्म स्वीकार नहीं किए गए। लोगों ने कहा कि यदि स्लॉट सीमित थे तो इसकी पूर्व सूचना दी जानी चाहिए थी।सूचना के अभाव में दूर-दराज से आए लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

शिविर का निर्धारित समय सुबह 10:30 से दोपहर 2 बजे तक रखा गया था। जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर द्विवेदी अपने कर्मियों के साथ 10:30 बजे ही मौके पर पहुंचे। महज साढ़े तीन घंटे में हजारों आवेदनों का निपटारा संभव नहीं था, जिससे पूरे परिसर में अफरातफरी का माहौल रहा।इस बीच जब पत्रकारों ने डीटीओ से अव्यवस्था और आवेदकों की शिकायतों पर सवाल किया तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डीटीओ ने कहा कि जो लिखना है लिख दीजिए, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उनके इस रवैये को लेकर मौके पर मौजूद लोगों में गहरी नाराजगी देखी गई।

लोगों ने की पारदर्शी व्यवस्था की मांग.......

शिविर में पहुंचे आवेदकों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसे आयोजनों के लिए पर्याप्त स्लॉट की व्यवस्था की जाए।साथ ही ऑनलाइन आवेदन करने वाले सभी पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन सुनिश्चित किए जाएं और तारीख व संख्या को लेकर पहले से स्पष्ट जानकारी दी जाए, ताकि किसी को अनावश्यक दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

एक नजर

बाघमारा रेल फाटक पर ओवरब्रिज की मांग

बाघमारा। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में गोमो-महूदा के बीच स्थित खानुडीह के पास बाघमारा रेल फाटक पर घंटों जाम और बार-बार बंद रहने की समस्या से परेशान बाजारवासियों का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को विधायक और सांसद से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो और धनबाद सांसद ढुल्लु महतो से चिटाही स्थित उनके आवास पर मुलाकात कर बाघमारा रेल फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। स्थानीय लोगों का कहना है कि फाटक बार-बार बंद होने से एंबुलेंस, स्कूल वाहन और मरीजों को भारी परेशानी होती है। कई बार घंटों तक जाम लग जाता है। ज्ञापन मिलने के बाद विधायक और सांसद ने लोगों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र की समस्या को गंभीरता से लेते हुए ओवरब्रिज निर्माण के लिए रेल मंत्रालय और संबंधित विभागों से सकारात्मक पहल की जाएगी।इस दौरान योगेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह, राहुल गुप्ता, सज्जन खंडेलवाल, सुरेश साव, विश्वनाथ साव, रामकुमार पांडे, उत्तम पांडे, प्रमोद चौरसिया, तनु बनर्जी, अमित राय सहित बड़ी संख्या में बाजार के गणमान्य लोग मौजूद थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघमारा में परिवार नियोजन पखवाड़े का शुभारंभ

बाघमारा। विश्व जनसंख्या दिवस 2026 के अवसर पर शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघमारा में परिवार नियोजन पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े का शुभारंभ बाघमारा प्रमुख गीता देवी प्रखंड विकास पदाधिकारी लक्ष्मण यादव और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रीनाथ द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.श्रीनाथ ने बताया कि यह पखवाड़ा पूरे माह चलाया जाएगा। इस दौरान सहिया और सहिया साथी घर-घर जाकर परिवार नियोजन एवं जनसंख्या नियंत्रण की विभिन्न विधियों के बारे में आम लोगों को जानकारी देंगे और जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत परिवार नियोजन से संबंधित परमानेंट, टेम्परारी साधन, टेबलेट और ऑपरेशन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे और निःशुल्क दवाओं का वितरण किया जाएगा। इस पखवाड़े में परिवार नियोजन ऑपरेशन भी शुरू किए जाएंगे।मौके पर बेहतर कार्य करने वाली 30 सहिया, 20 सहिया साथी और परिवार नियोजन से जुड़ी एएनएम स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सिखा, आरबीएसके के गालिब हुसैन, डॉ विद्याधर मंडल, डा शेखर चंद्रा, डॉ सुधीर कुमार,बीपीएम भावेश चंद्र प्रकाश, बीपीएम सन्नी लाल विद्यार्थी, बिटिटी शांति देवी, गीता देवी, बाल देव महतो सभी स्वास्थ्य कर्मी,सभी बीपीएम और बिटिटी और सहिया एवं सहिया साथी उपस्थित थे।

धनबाद में एसआईआर 2026: 14.99 लाख ईएफ का वितरण पूरा, 3.68 लाख का डिजिटाइजेशन

धनबाद। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण -एसआईआर 2026 के तहत कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार धनबाद के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में अब तक 14 लाख 99 हजार 364 ईएफ का वितरण किया जा चुका है। वहीं 3 लाख 68 हजार 949 ईएफ का डिजिटाइजेशन भी पूरा कर लिया गया है। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंदरी विधानसभा में सर्वाधिक 3,06,792 ईएफ वितरित किए गए हैं। इसके बाद निरसा में 2,71,932, टुंडी में 2,65,759, धनबाद में 2,64,029, बाघमारा में 2,18,402 और झरिया में 1,72,450 ईएफ मतदाताओं तक पहुंचाए गए हैं। डिजिटाइजेशन की बात करें तो निरसा विधानसभा में 96,251 ईएफ के साथ सबसे आगे है। सिंदरी में 86,171, टुंडी में 67,386, बाघमारा में 49,825, धनबाद में 36,461 और झरिया में 32,855 ईएफ का डिजिटाइजेशन पूर्ण किया जा चुका है।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि ईएफ वितरण और डिजिटाइजेशन के कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी लगातार मतदान केंद्रों का भ्रमण कर रहे हैं।प्रशासन का प्रयास है कि एसआईआर 2026 की प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराया जाए।

धनबाद स्टेशन पर छापेमारी, लावारिस बैगों से मिली 116 लीटर विदेशी बीयर

धनबाद। रेलवे सुरक्षा बल ने सजग अभियान के तहत धनबाद रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई की।लालकुआं एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे से 6 लावारिस बैग बरामद किए गए। इन बैगों से भारी मात्रा में विदेशी बीयर मिली जिसकी अनुमानित कीमत 27 हजार 410 रुपये है। जब्त की गई शराब को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है।वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के आदेश पर धनबाद रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट के प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट धनबाद और अपराध आसूचना शाखा की संयुक्त टीम स्टेशन पर निगरानी और गश्त कर रही थी।इसी दौरान मंच संख्या- 3 पर पहुंची 12353 संख्या वाली लालकुआं एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे की जांच की गई।जांच के दौरान डिब्बे में दो पहिए वाले बड़े बैग और चार पीठू बैग बिना किसी दावेदार के मिले। आसपास मौजूद यात्रियों से पूछताछ की गई लेकिन किसी ने भी बैग अपना होने की बात नहीं कही। बैगों की तलाशी लेने पर उसमें कुल 89 डिब्बे किंगफिशर स्ट्रांग प्रीमियम बीयर और 144 डिब्बे हेवर्ड्स 5000 प्रीमियम स्ट्रांग बीयर बरामद हुए। सभी डिब्बों पर केवल पश्चिम बंगाल में बिक्री के लिए लिखा हुआ था। बरामद बीयर की कुल मात्रा 116.5 लीटर आंकी गई।रेलवे सुरक्षा बल ने मौके पर ही जब्ती की कार्रवाई पूरी की और शराब को पोस्ट धनबाद लाया गया। उप निरीक्षक पालिका मिंज की लिखित शिकायत के आधार पर पूरा मामला उत्पाद विभाग धनबाद को सौंप दिया गया।समाचार लिखे जाने तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शराब किसकी थी और इसे कहां ले जाया जा रहा था, इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है।

धनबाद: ज्वेलरी दुकान में सेंध,लाखों की चांदी उड़ाई,सबूत मिटाने को ले गए डीवीआर

धनबाद। शहर में चोरों के हौसले लगातार बढ़ते दिख रहे हैं। सदर थाना इलाके में बीती रात चोरों ने एक ज्वेलरी शॉप को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चांदी पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद पहचान छिपाने के लिए बदमाश दुकान में लगे सीसीटीवी का डीवीआर भी उखाड़ कर ले गए।घटना पॉलिटेक्निक रोड स्थित कार्मेल स्कूल के सामने संचालित मधु लक्खी ज्वेलर्स की है। दुकानदार नीलकंठ कुमार वर्मा जब शनिवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच में पता चला कि चोरों ने बगल की कारपेंटर दुकान की आड़ लेकर दीवार में छेद किया और उसी रास्ते अंदर दाखिल हुए।दुकान से अनुमानित डेढ़ से दो किलो चांदी के गहने गायब हैं। जाते- जाते आरोपियों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और रिकॉर्डिंग वाला डीवीआर भी साथ ले गए ताकि उनकी पहचान न हो सके।घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौका-ए-वारदात का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुकानदार के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है।अधिकारियों के अनुसार आसपास लगे अन्य कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर भी छानबीन की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरी में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

झरिया के गांधी रोड से हटा अतिक्रमण

झरिया। लंबे समय से जलजमाव और जाम से जूझ रहे झरिया के गांधी रोड पर शनिवार को धनबाद नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया। नालियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए निगम की टीम ने अभियान चलाया।सहायक नगर आयुक्त सन्नी राज के नेतृत्व में चले इस अभियान में निगम अधिकारी विश्वनाथ भगत,अनिल कुमार,भारी पुलिस बल और जेसीबी मशीनें शामिल थीं। टीम को क्षेत्र में पहुंचते देख नाली पर कब्जा कर दुकानदारी कर रहे व्यापारियों में अफरा-तफरी मच गई।कई दुकानदार खुद ही हथौड़ा लेकर अपने अवैध निर्माण तोड़ने लगे।नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, दुकानदारों ने नालियों के ऊपर कंक्रीट के स्लैब और चबूतरे बना दिए थे। इससे नालियों की सफाई नहीं हो पा रही थी और गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा था।

सड़क निर्माण में भारी अनियमितता का आरोप जांच की मांग

चंचालिनी धाम की जर्जर सड़क बनी श्रद्धालुओं की मुसीबत

डीसी से की अविलंब मरम्मत की मांग

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। डोमचांच प्रखंड के कानीकेंद से प्रसिद्ध चंचालिनी धाम मंदिर तक जाने वाली पक्की सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर झामुमो के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रविंद्र शांडिल्य ने जिला प्रशासन से तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों, टूटी सतह और बरसात के दौरान कीचड़ के कारण श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रविंद्र शांडिल्य ने बताया कि चंचालिनी धाम जिले का प्रमुख आस्था केंद्र है, जहां सोमवार, मंगलवार, शनिवार और विशेष पर्वों पर झारखंड सहित अन्य राज्यों से

हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। जर्जर सड़क के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा लगातार बना रहता है। मंदिर के पुजारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने भी वर्षों से सड़क मरम्मत की मांग लंबित रहने पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक परेशान हैं। चंचाल पूजा समिति के अध्यक्ष भागीरथ सिंह ने भी जिला प्रशासन से कानीकेंद से चंचालिनी धाम तक सड़क की शीघ्र मरम्मत एवं चौड़ीकरण कराने की मांग करते हुए कहा कि आस्था से जुड़े इस मार्ग को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाना चाहिए। वहीं चंचलिनी धाम सड़क निर्माण में भारी अनियमितता बरती गई है. उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता से स्थानीय लोगों ने जांच की मांग कर सम्बंधित संवेदक पर कार्रवाई की मांग की है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में गूंजे संस्कृत के श्लोक विद्यार्थियों ने बटोरीं तालियां

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। मॉडर्न पब्लिक स्कूल के सभागार में 'वाग्भूषण सभा' के तत्वावधान में कक्षा 9 (ए एवं बी) के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य श्लोक उच्चारणप्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संस्कृत श्लोकों का शुद्ध उच्चारण और उनके अर्थ की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरीं। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने तथा नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता विकसित करना था। प्रतियोगिता में श्रीजा लोहानी ने प्रथम, हरजस कौर ने द्वितीय, सारांश अग्रवाल ने तृतीय तथा शीवम राणा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने कहा कि संस्कृत हमारी संस्कृति की आत्मा है और श्लोकों का नियमित अभ्यास बच्चों के व्यक्तित्व विकास में सहायक है। वहीं निदेशिका संगीता शर्मा ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक जयतोष झा ने किया तथा विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भाजपा कोडरमा की मासिक बैठक सम्पन्न, संगठन विस्तार व जनसंपर्क अभियान पर जोर : अनूप जोशी

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। भाजपा जिला कोडरमा की मासिक बैठक शनिवार को नगर स्थित गीतांजलि बैंक्वेट हॉल में जिला अध्यक्ष अनूप जोशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तीकरण और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन व राष्ट्र की आधारशिला है। बैठक में कार्यकताओं को मतदाता पुनरीक्षण अभियान एसआईआर को गंभीरता से सफल बनाने, प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में जोड़ने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण करने का आह्वान किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री के ₹सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष₹ की उपलब्धियों को जनसंपर्क अभियान के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक बूथ पर नियमित रूप से ₹मन की बात₹ कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण और बूथ समिति की बैठक आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक को जिला प्रभारी प्रवीण मेहता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नितेश चंद्रवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह, सुनील भारती, अल्पसंख्यक मोर्चा के ज़िलाध्यक्ष अरशद खान, प्रकाश राम, सुरेश यादव, गोपाल कुमार गुतूल, सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में जिले के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आइक्यूएसी के तत्वावधान में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर बी. एड. सत्र 2025. 27 के प्रशिक्षुओं ने विषय क्या भारत को 'एक बच्चे की नीति' अपनानी चाहिए या नहीं? पर वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग लिया।

कार्यक्रम में प्रशिक्षु पूनम कुमारी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात प्रतियोगिता के नियमों से आईक्यूएसी समन्वयक मनीष कुमार सिन्हा ने अवगत करवाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ मोहित कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मानव विकास और सतत विकास

के संतुलन का संकल्प लेना आवश्यक है। भारत की नवीनतम जनगणना उपलब्ध होने तक आधिकारिक आँकड़ों का आधार 2011 की जनगणना है। जबकि मानव विकास सूचकांक हमें शिक्षा, स्वास्थ्य और आय में सुधार की दिशा में निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देता है। हम सभी को जागरूक नागरिक बनकर स्वस्थ, शिक्षित और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। मानव विकास सूचकांक के अनुसार विकास करना आवश्यक है। कार्यक्रम में डीएलएड समन्वयक खुशबू कुमारी सिन्हा ने अपने विचारों को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में डीएलएड विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, डॉ॰ इंद्र कुमार जायसवाल और सीताराम यादव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पवन कुमार ,द्वितीय स्थान मनीषा कुमारी और तृतीय स्थान समीना परवीन प्राप्त किया। कार्यक्रम में बीएड सत्र 2025. 27 के प्रशिक्षु अंकित , पूजा कुमारी, पवन पंडित, प्रियंका कुमारी, सोनिया कुमारी, कुंदन कुमार, साक्षी कुमारी, लवजीत कुमार, बबीता कुमारी, सद्दाम अंसारी ,अनीशा आदि और महाविद्यालय के शैक्षिक समन्वयक सौरभ शर्मा, डॉ रामकृष्ण प्रसाद, संजीत कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष सुधीर साव शिक्षकेत्तर कर्मचारी सुचित कुमार,दीपक पांडे,आलम मुख्तार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रशिक्षु उर्मिला कुमारी एवं मंच संचालन प्रशिक्षु सूरज कुमार और ज्योति कुमारी के द्वारा किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका विनीता कुमारी के देखरेख में संपन्न किया गया।

सीआरपीएफ जवान की मौत पर उबाल, 45 घंटे से चतरा-सिमरिया मार्ग जाम

चतरा। सिमरिया थाना क्षेत्र के देल्हो घाटी में सड़क हादसे में सीआरपीएफ जवान लक्ष्मण कुमार यादव की मौत के बाद जनाक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 45 घंटे से अधिक समय से चतरा-सिमरिया मुख्य मार्ग पूरी तरह जाम है। आंदोलन को विधायक उज्ज्वल दास, सांसद कालीचरण सिंह, झामुमो नेता मनोज चंद्रा और पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता का समर्थन मिल गया है। जम्मू-कश्मीर में तैनात विराजपुर निवासी जवान छुट्टी पर घर आए थे। इसी दौरान बाइक से सिमरिया जाने के क्रम में एक हाईवा की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए और रांची ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीण मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा, दोषी चालक पर कार्रवाई और चतरा के रास्ते हजारीबाग के कोयले की ढुलाई बंद करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन जाम पर बैठे हैं। जाम के कारण चतरा-हजारीबाग और चतरा-टंडवा-रांची मार्ग पर यातायात ठप है और कोयला डिस्पैच भी प्रभावित हुआ है।

प्रिंस खान गैंग के दो मुख्य सहयोगी गिरफ्तार

चतरा। संगठित अपराध और रंगदारी गिरोह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में चतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हंटरगंज थाना में दर्ज रंगदारी के चर्चित मामले में पुलिस ने कुख्यात प्रिंस खान उर्फ हैदर अली गिरोह के दो मुख्य सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर हवाला के जरिए आर्थिक लेन-देन करने और शूटरों तक पैसे पहुंचाने का आरोप है। चतरा पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने शनिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि हंटरगंज थाना क्षेत्र के पिंडरा गांव निवासी व्यवसायी प्रेम सिंह ने प्रिंस खान के खिलाफ रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया था। इसके आधार पर हंटरगंज थाना में मामला दर्ज किया गया था। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने बिहार के भोजपुर जिले से मोहम्मद अस्फाक आलम (30) और सद्दाब अंसारी को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से मोबाइल फोन और पैसों के ट्रांजैक्शन से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं। जांच में गिरोह के सदस्यों और शूटरों के साथ आर्थिक लेन-देन के महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं।

चौपारण पुलिस ने विद्यालय चोरी कांड का चंद घंटों में किया खुलासा

चार आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के भूषणडीह मे राजकीय मध्य विद्यालय में गुरुवार देर रात हुई चोरी की घटना का पुलिस ने चंद घंटों के भीतर सफल उद्भेदन कर बड़ी सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गए सामान बरामद कर लिए तथा घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, फरार दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, चोर देर रात विद्यालय परिसर में घुसे और सबसे पहले कार्यालय का ताला व कब्जा उखाड़ दिया। इसके बाद आईसीटी लैब की चाबी तलाश की, लेकिन

चाबी नहीं मिलने पर करीब 13 ताले तोड़ दिए। सिकड़ काटकर लैब का दरवाजा क्षतिग्रस्त किया गया और अंदर रखी छह बैटरियां, एक स्टेबलाइजर तथा एक आईआर कैमरा चोरी कर लिया गया। इस दौरान लैब में रखे अन्य सामानों को भी नुकसान पहुंचाया गया। शुक्रवार अहले सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले ग्रामीण कैलाश यादव एवं महेंद्र माली की नजर विद्यालय परिसर में संदिग्ध लोगों पर पड़ी। दोनों के आवाज लगाने पर चोर एक साइकिल छोड़कर चोरी का सामान लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना प्रभारी प्रधानाध्यापक उमेश कुमार सिंह को दी गई, जिन्होंने चौपारण थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। आवेदन मिलते ही थाना प्रभारी पंकज कुमार ने पुलिस टीम के साथ जांच शुरू की। संदेह के आधार पर पूछताछ के दौरान पूरे मामले का खुलासा हो गया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया सामान बरामद कर लिया गया। पुलिस ने इस मामले में राकेश राणा (पिता- रूदो राणा), संतोष कुमार यादव (पिता- महेश यादव), युगेश माली (पिता- महेंद्र माली) तथा रितेश कुमार यादव (पिता- शंकर यादव), सभी निवासी भूषणडीह को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि मामले में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। घटना के त्वरित उद्भेदन पर क्षेत्र के लोगों ने चौपारण पुलिस की कार्यशैली की सराहना की। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस टीम ने लगातार गांव पहुंचकर जांच और छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा संभव हो सका।

जवनपुर में अतिक्रमण नोटिस के विरोध में ग्रामीण एकजुट

निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड की जवनपुर पंचायत अंतर्गत जवनपुर गांव में अतिक्रमण हटाने को लेकर जारी नोटिस के विरोध में ग्रामीण एकजुट हो गए हैं। शनिवार को 50 से अधिक ग्रामीणों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त आवेदन अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव के नाम सौंपकर अतिक्रमण वाद संख्या-01/2026-27 के तहत प्रस्तावित कार्रवाई पर रोक लगाने तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। ग्रामीणों ने आवेदन में कहा कि भूखंड संख्या 332 एवं 334 पर अतिक्रमण की शिकायत किसी एक व्यक्ति ने आपसी रंजिश के कारण की है। उनका कहना है कि संबंधित लोगों ने अपने घरों के

सामने बरसात के दौरान पानी से दीवारों की सुरक्षा के लिए केवल अस्थायी व्यवस्था की है। इससे न तो आम लोगों के आवागमन में कोई बाधा उत्पन्न हो रही है और न ही किसी सरकारी कार्य में व्यवधान पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, प्रशासन ने कुछ दिन पूर्व तीन दर्जन से अधिक लोगों को अतिक्रमण के आरोप में नोटिस जारी कर उपस्थित होकर पक्ष रखने का निर्देश दिया था। इसके बाद गांव में बैठक कर सर्वसम्मति से प्रशासन के समक्ष सामूहिक रूप से अपना पक्ष रखने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में अंचल अधिकारी के नाम आवेदन अंचल निरीक्षक शशि कुमार को सौंपा गया।

आवेदन में संबंधित लोगों के विरुद्ध किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं करने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। आवेदन सौंपने वालों में डब्ल्यू अंसारी, भुवनेश्वर प्रजापति, नकुल प्रसाद, ज्याउल रहमान, सोहराब अली सहित 50 से अधिक ग्रामीण शामिल थे।

इस मौके पर पूर्व पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्ल्यू अंसारी ने कहा कि यदि प्रशासन अतिक्रमण हटाने का अभियान चला रहा है तो कार्रवाई सभी पर समान रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल कुछ लोगों को नोटिस देना उचित नहीं है। चतरा मोड़ से लेकर चौपारण सीमा तक जहां-जहां सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है, वहां भी बिना भेदभाव एक समान कार्रवाई की जानी चाहिए।

एक नजर

एनजीटी प्रतिबंध के बीच चौपारण पुलिस की दूसरी कार्रवाई, महूदी से अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

नवप्रदेश/चौपारण। एनजीटी द्वारा बालू उठाव पर लगाए गए प्रतिबंध के बीच चौपारण पुलिस ने अवैध बालू परिवहन के खिलाफ दूसरी कार्रवाई करते हुए महूदी क्षेत्र से एक अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने महूदी क्षेत्र में छापेमारी की, जहां बिना वैध दस्तावेज के बालू का परिवहन किया जा रहा था। ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया गया है तथा संबंधित चालक एवं मालिक के विरुद्ध खनन अधिनियम और अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि एनजीटी के निदेर्शानुसार इस अवधि में बालू का उठाव और परिवहन प्रतिबंधित है। इसके बावजूद रात के समय अवैध बालू कारोबार लगातार जारी रहने की शिकायतें मिल रही हैं। सूत्रों की माने तों प्रतिदिन रात करीब 9 बजे से सुबह 5 बजे तक भलुवा क्षेत्र से बड़ी संख्या में ट्रैक्टर बालू लोड कर बेखौफ चौपारण की ओर आते-जाते हैं वही दिन के उजाले इटखोरी रोड मे बालू लदा ट्रैक्टर बेखौफ दौड़ते नजर आते हैं। ऐसे में लोगों ने सवाल उठाया है कि इन ट्रैक्टरों पर व्यापक कार्रवाई कब होगी। वही पुलिस का कहना है कि अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण का उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने किया निरीक्षण, सतगावां के कई बूथों का लिया जायजा

नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिले में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने शनिवार को सतगावां प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सतगावां प्रखंड के सुदूरवर्ती मतदान केंद्र संख्या 38, 40, 41, 42, 49, 60, 62 एवं 71 का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं बूथ स्तरीय अधिकारियों से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण निर्वाचन प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे तथा मृत, स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियों का नियमानुसार सत्यापन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने सभी बीएलओ को घर. घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करने, निर्धारित प्रपत्रों का सही ढंग से संधारण करने तथा पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी,त्रुटिरहित और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे मतदाता सूची में अपने नाम एवं विवरण की जांच करें। यदि नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन की आवश्यकता हो तो संबंधित बीएलओ से संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करें।

रैनीटांड को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर अंचलाधिकारी को दिया गया लिखित आवेदन

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। थाना क्षेत्र के ग्राम गादी मौजा स्थित वर्षों पूर्व से मोहर्रम का ताजिया बैठाने वाला गैर मजरूआ जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर गांव के मो. सागीर हुसैन और मो. इमामुल ने अंचलाधिकारी परमेस्वर कुशवाहा को एक लिखित आवेदन शनिवार को दिया है। वहीं दिएगए आवेदन में बताया गया है की मौजा गादी के खाता नंबर 55 प्लॉट नंबर 248 रकवा 47 डिसमिल और प्लॉट नंबर 69 रखवा एक एकड़ 15 डिसमिल जमीन वर्षों पूर्व से मुहर्रम त्यौहार के शुभ अवसर पर ग्राम गांदी एवं ग्राम तेलोडीह का ताजिया बैठने तथा खेलकूद का कार्यक्रम पूरे ग्रामीणों द्वारा किया जाता रहा है साथ ही गांव के बच्चे लोग सुबह. शाम खेल कूद तथा गांव के मवेशी वगैरा बैठने का उपयोग में उक्त गैर मजरूआ भूमि को लाया जाता है इस खाता प्लॉट वाला जमीन को वर्तमान में गांव के कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्ती जेसीबी मशीन लगाकर अतिक्रमण कर दखल कब्जा किया जा रहा है. जिस कारण पूरे गांव में प्रतिशोध एवं आक्रोश का माहौल उत्पन्न हो गया है तथा इस कारण से कभी भी अप्रिय घटना घटने की संभावना बनी हुई है अतः इस संबंध में अपने स्तर से छानबीन करते हुए यथा शीघ्र उक्त भूमि गैर मजरूआ भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का दया करें। वहीं दूसरी ओर द्वितीय पक्ष मो खलील, मो कुद्दूस और मो समसुद्दीन वगैरा का कहना है की हमलोगों द्वारा जिस भूमि पर जेसीबी चलाया गया है, वह जमीन हमारे पूर्वजों के नाम से रैयती खाते की भूमि है। और उक्त लोगों द्वारा उसे सरकार के गैर मजरूआ खाते की भूमि बताया जारहा है। जो बिल्कुल गलत है हमने कोई गैर मजरूआ भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया हूं ये हमारा रैयती खाते की भूमि है।

पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

देवघर। साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे लगातार अभियान के तहत देवघर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से 08 मोबाइल फोन और 08 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर देवघर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्ध साइबर अपराधियों के विरुद्ध विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान बरामद मोबाइल फोन और सिम कार्ड का उपयोग साइबर ठगी में किए जाने की पुष्टि हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित फर्जी ग्राहक सेवा अधिकारी बनकर लोगों को अपना शिकार बनाते थे। इसके अलावा कैशबैक, केवाईसी अपडेट, बैंकिंग सहायता और एपीके फाइल भेजने के बहाने लोगों से ठगी करते थे। पुलिस ने सभी बरामद मोबाइल फोन और सिम कार्ड को जब्त कर लिया है और गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है। साथ ही साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। देवघर पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड न करें, अपनी बैंकिंग और ओटीपी संबंधी जानकारी साझा न करें एवं किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन या स्थानीय पुलिस को दें।

पुलिस-एसएसबी की कड़ी निगरानी में शांतिपूर्ण रहा प्रदर्शन, ग्रामीणों ने निकाला मार्च

सड़क, शिक्षा व अन्य सुविधाओं की मांग उठाई

- जय सिंह के नेतृत्व में नौरंगिया दौन से खेरेहनी तक ग्रामीणों ने निकाला मार्च

नवप्रदेश/रामनगर। गोबरहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत गोबरहिया दौन में शुक्रवार की शाम मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर ग्रामीणों ने समाजसेवी जय सिंह के नेतृत्व में शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला। नौरंगिया दौन से खेरेहनी तक निकाले गए इस मार्च में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, महिलाएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में मोमबत्तियां लेकर लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया।
कैंडल मार्च के मद्देनजर गोबरहिया थाना पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान पूरे समय मुस्तैद रहे। पूरे मार्ग पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस अधिकारियों ने लगातार स्थिति पर नजर बनाए रखी, जिससे कार्यक्रम के दौरान कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। प्रशासन की सतर्कता एवं एसएसबी के समन्वित सहयोग से मार्च शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।मार्च के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, विद्युत, संचार एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दौन क्षेत्र आज भी कई आवश्यक सुविधाओं से वंचित है, जिससे आम लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सरकार एवं प्रशासन से शीघ्र प्रभावी पहल करने की मांग की।समाजसेवी जय सिंह ने कहा कि यह कैंडल मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य किसी प्रकार का विरोध या अशांति फैलाना नहीं, बल्कि दौन क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं को प्रशासन और सरकार के समक्ष मजबूती से रखना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के लिए आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाई जाती रहेगी।
पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कैंडल मार्च में शामिल सभी लोगों ने अनुशासन का परिचय दिया तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद क्षेत्र में सामान्य स्थिति बनी रही।

करंट की चपेट में आने से एक की मौत

नवप्रदेश/दावत। दावत थाना क्षेत्र के जामसोला गांव में बीती रात खेत पटवन करने गए एक किसान की विद्युत करंट की चपेट में आने से मौत हो गई. वहीं घटना की सूचना मिलते हैं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करने के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया। प्रभारी थाना अध्यक्ष ने बताया कि दावत थाना क्षेत्र के जमसोना गांव के 56 वर्षीय किसान फेस लाल चौधरी शुक्रवार की रात्रि गांव के ही बाजार में खेत पटवन करने गए थे जो अचानक विद्युत करंट की चपेट में आकर उनकी मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम करने के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा रहे शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

मीटर बाईपास कर बिजली चोरी, तीन पर प्राथमिकी

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। विद्युत विभाग की जांच में सूर्यपुरा व दावथ प्रखंड में तीन उपभोक्ता मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते पकड़े गए। गोशलडीह टोला के जितेंद्र कुमार सिंह पर 14,346 रुपये, सुधीर कुमार सिंह पर 22,007 रुपये जबकि दावथ थाना में बतसा निवासी बलिराज शर्मा पर 7,852 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। तीनों के विरुद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।कनीय विद्युत अभियंता आनंद कुमार ने कहा कि बिजली चोरी के विरुद्ध विभाग का अभियान लगातार जारी रहेगा। थानाध्यक्ष ने बताया कि विभाग के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अगरेड कला गांव से एक अभियुक्त गिरफ्तार

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। सूर्यपुरा पुलिस ने थाना क्षेत्र के अगरेड कला गांव से एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा। थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि थाना क्षेत्र के अगरेड कला गांव से एक महिला के साथ छेड़खानी मामले में फरार चल रहे अभियुक्त उपेंद्र सिंह को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई के बाद शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

युवा पत्रकार समीर बाजपेई का हुआ निधन,दी गई श्रद्धांजलि

नवप्रदेश/बेतिया। एक हृदयविदारक घटना में,सब की खबर रखने वाला प्रखर युवा पत्रकार, समीर वाजपेई का शाम 800 बजे योगापट्टी थाना क्षेत्र के बेतिया नवलपुर रोड में लक्ष्मीपुर गांव के पास दो बाइकों कीआमने सामने टक्कर में घायल होने के कारण बेतिया सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक,समीर वाजपेई के मौत की सूचना मिलने पर पत्रकार जगत में गम का माहौल छा गया,चारोंओर सनसनी फैल गई।सभी पत्रकारों नेअपने अपने तौर पर मृतक को श्रद्धांजलिअर्पित की है।इस घटना से पूरे पत्रकार जगत में सनसनी फैल गई,इस समाचार को सुनने के बाद सभी पत्रकार दांतों तले उंगली काट रहे हैं,साथ ही उनके समाचार संकलन करने समाचार कोअंतिम छोर तक पहुंचाने में किए गए कार्य की सराहना करते हुए श्रद्धांजलि देने परआतुर हैं। पत्रकार के मौत के साथी दो लोग भी घायल हो गए हैं प्रत्यक्ष दर्शन के अनुसार समीर बाजपेई बाइक से बिटिया की ओर जा रहे थे दूसरी बाइक पर सवार चौमुख गांव निवासी विनोद यादव उम्र 45 वर्ष एवं मुख्तार यादव उम्र 45 वर्ष बिटिया के से अपने गांव लौट रहे थे दोनों को आमने-सामने के टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची जोगापट्टी पुलिस ने स्थानीय लोगों के मदद से घायलों को स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद, चिकित्सकों ने जीएमसीएक बेतिया रेफर कर दिया, अस्पताल पहुंचने से पहले ही पत्रकार ने दम तोड़ दिया।

नहर पुल में डूबे किशोर का शव काफी मशकत के बाद दूसरे दिन किया गया बरामद

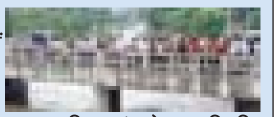

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के जोन्ही गांव के समीप शुक्रवार को नहर में नहाने के दौरान डूबे किशोर का शव शनिवार को पुल से कुछ हीं दूरी पर से बरामद कर लिया गया है। शव व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज के पास स्थिति पचमोरिया से बरामद किया गया। थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि परिजनों द्वारा शव के पोस्टर्माटम कराने से इंकार किये जाने के कारण आगे की कार्रवाई करते हुए शव को परिजनों को सौप दिया गया। आपको बता दे कि जोन्ही निवासी मो. सैयद खां उर्फ जोधा खाँ का 14 वर्षीय पुत्र सिकंदर खां अपने कुछ दोस्तों के साथ शुक्रवार को नहर में नहाने गया था। नहाते समय पैर फिसलने के कारण वह नहर की तेज धार में बह गया। उसके दोस्तों ने गांव में जाकर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण नहर की ओर दौड़े और कुछ युवक नहर के तेज बहाव में किशोर के शव की तलाश में जुट गए। जब कोई सफलता नहीं मिली तो बिक्रमगंज नगर परिषद के पूर्व सभापति रबनवाज राजू और ग्रामीणों द्वारा एसडीएम बिक्रमगंज और डीएम रोहतास से नहर के पानी का बहाव कम किये जाने का आग्रह किया गया।

डबल मर्डर: मुख्य आरोपी का पुलिस से एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

नवप्रदेश/बांका। चर्चित बलिया-पड़तल्लो डबल मर्डर मामले में शनिवार को हथियार बरामदगी के दौरान पुलिस और मुख्य आरोपी सचिन सिंह के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने जंगल में छिपाकर रखी पिस्टल निकालकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे काबू में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार ने बताया कि दोहरे हत्याकांड के खुलासे के लिए गठित विशेष जांच एवं छापेमारी दल ने घटना के 72 घंटे के भीतर एक आरोपी सोमनाथ सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद लगातार छापेमारी करते हुए शुक्रवार को रांची के एक होटल से मुख्य आरोपी सचिन सिंह को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ के दौरान सचिन सिंह ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्टल उसने बलिया गांव के जंगल में छिपा रखी है। हथियार बरामद कराने के लिए पुलिस टीम उसे मौके पर लेकर पहुंची। इसी दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की कर भागने का प्रयास किया और छिपाई गई पिस्टल निकालकर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल से वारदात में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर ली है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

काल के क्रूर हाथों से कोई नहीं बच सकता : पंडित भरत उपाध्याय

नवप्रदेश/बगहा। अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य पं०भरत उपाध्याय ने प्रिय छोटे गुरु और मां जैसी चाची के असामयिक निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि किसी के जीवन का मूल्य उसकी लम्बाई साल से नहीं, बल्कि उसके किए गए कार्यों और योगदान से आंका जाता है। परसों गुरु पुत्र सोलह वर्षीय छोटे महराज जी का पीजीआइ में बैकुंठधाम जाना हृदय विदारक तथा गुरुकुल पर वज्रपात है। महाराज जी के चेहरे पर जो चमक थी,उससे उम्मीद थी की आंखें खुलेंगी! मगर काल के क्रूर विधान ने उन्हें हमसे छीन लिया। ऐसे में प्रेरणा देने वाले ,संदेश देने वाले, उच्चारण सीखाने वाले, मार्ग दिखाने वाले, व्यवहार सीखाने वाले और तत्वबोध कराने वाले- ये 6 प्रकार के गुरु बताए गए हैं। हमें अपनी छोटी सी जिन्दगी में इनसे सीख लेनी चाहिए। जीवन है तो मृत्यु भी है, मृत्यु इस संसार का अटल और और शाश्वत सत्य है।

1100 की पेंशन निकालने गई महिला के खाते में दिखे 740 करोड़

नवप्रदेश/नवादा। बिहार के नवादा जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 1100 रुपये निकालने ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) पहुंची एक महिला के खाते में करीब 740 करोड़ रुपये का बैलेंस दिखाई दिया। इतनी बड़ी राशि देखकर महिला घबरा गई और उसकी तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार, नवादा शहर की रहने वाली रेखा देवी शुक्रवार को अपने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते से 1100 रुपये की पेंशन निकालने सीएसपी पहुंची थीं। निकासी के बाद मिली रसीद में उनके खाते का बैलेंस 7,40,68,72,895.78 रुपये (करीब 740 करोड़ रुपये) दर्ज था। बैलेंस देखकर सीएसपी संचालक और रेखा देवी दोनों हैरान रह गए। मजाक में संचालक ने कहा दीदी, आप तो राजा बन गईं। लेकिन गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली रेखा देवी इस रकम को देखकर बुरी तरह घबरा गईं। रेखा देवी ने बताया कि खाते में करोड़ों रुपये दिखने के बाद वह पूरी रात सो नहीं सकीं। चिंता के कारण उनकी तबीयत भी बिगड़ गई। फिलहाल माना जा रहा है कि यह बैंकिंग सिस्टम या तकनीकी त्रुटि का मामला हो सकता है। मामले की जांच और वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है।

हाईटेंशन तार के स्पार्क की चपेट में आने से किशोर की मौत, गांव में मातम

नवप्रदेश/सहरसा। बसनहीं थाना क्षेत्र के अतलखा वार्ड संख्या-2 में शनिवार की सुबह हाईटेंशन बिजली तार से गिरे स्पार्क (चिनगारी) की चपेट में आने से 14 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान अतलखा वार्ड संख्या-2 निवासी सूरज साह के 14 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार के रूप में हुई है। वह दो भाइयों में सबसे छोटा था तथा स्थानीय अतलखा मध्य विद्यालय में सातवीं कक्षा का छात्र था। परिजनों ने बताया कि शनिवार सुबह नीरज अपने घर के दरवाजे पर टहल रहा था। इसी दौरान घर के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार से अचानक तेज स्पार्क गिरा, जिसकी चपेट में आने से उसे जोरदार करंट लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के पिता सूरज साह ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके घर के ऊपर से लंबे समय से हाईटेंशन लाइन गुजर रही है, जिससे हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती थी। उन्होंने बताया कि करीब छह महीने पहले भी इसी तार से गिरे स्पार्क की चपेट में आने से उनके एक मवेशी की मौत हो चुकी थी। कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग ने समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया, जिसका परिणाम आज उनके बेटे की मौत के रूप में सामने आया। घटना की सूचना मिलने पर बसनहीं थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सहरसा सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि करंट लगने से किशोर की मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है। इधर, घटना के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति भारी आक्रोश है।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 7,876 लीटर विदेशी शराब बरामद

- 5 जुलाई को लावारिस मिली ट्रक से जुड़ा मामला, निमार्णाधीन मकान का ताला तोड़कर की गई कार्रवाई

नवप्रदेश/अकोढ़ीगोला (रोहतास)। रोहतास जिले के अकोढ़ीगोला थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 7,876 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। शुक्रवार देर रात करकटपुर गांव स्थित पेट्रोल पंप के सामने पूर्व दिशा में एक निमार्णाधीन मकान का ताला मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तोड़कर भारी मात्रा में शराब जब्त की गई। बरामद शराब में इम्पीरियल ब्लू, रॉयल स्टैग और रॉयल ग्रीन व्हिस्की के करीब 855 कार्टन के अलावा बोरों में रखी सैकड़ों बोतलें शामिल हैं। सभी बोतलों पर "For Sale in Punjab Only" अंकित था। बरामद शराब की बाजार कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। यह कार्रवाई 5 जुलाई को बराढी गांव के राइस मिल के समीप लावारिस हालत में बरामद ट्रक से जुड़े मामले में हुई। पुलिस ने उस दिन छत्तीसगढ़ नंबर (CG-04-LT-5516) की एक खाली ट्रक जब्त की थी, जिस पर केवल वॉल पुट्टी की कुछ बोरियां मिली थीं। जांच में ट्रक छत्तीसगढ़ निवासी रेशमा दास के नाम पर पंजीकृत पाया गया। बाद में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि इसी ट्रक से भारी मात्रा में शराब उतारी गई थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार रात करीब 10 बजे करकटपुर गांव के निमार्णाधीन मकान तक पहुंचकर जांच की। पुष्टि होने के बाद वरीय अधिकारियों से मजिस्ट्रेट की मांग की गई। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में मकान का ताला तोड़कर अंदर रखी भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने पूरी रात मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी और शनिवार को जब्त शराब को थाना लाया गया। इस पूरे मामले में यह सवाल भी उठ रहा है कि थाना क्षेत्र में इतनी बड़ी मात्रा में शराब की खेप कैसे पहुंची और उसे निमार्णाधीन मकान तक पहुंचा दिया गया, जबकि पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। स्थानीय स्तर पर इसे लेकर चर्चा है कि यदि उस रात नियमित गश्ती प्रभावी होती तो शराब कारोबारी पूरी खेप के साथ पकड़े जा सकते थे। थानाध्यक्ष राकेश गोसाईं ने बताया कि शराब जब्ती के बाद मामले की जांच जारी है। यह पता लगाया जा रहा है कि शराब कहां से लाई गई थी, इसे कहां खपाया जाना था तथा इस अवैध कारोबार में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

डेहरी को लोकसभा का दर्जा मिलना चाहिए, अगले परिसीमन में बने डेहरी लोकसभा : टीम डेहरीयंस

नवप्रदेश/डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास)। टीम डेहरीयंस ने अगले परिसीमन में डेहरी के नाम से लोकसभा क्षेत्र बनाए जाने की मांग उठाते हुए कहा है कि डेहरी जैसे बड़े शहर की लगातार उपेक्षा की गई है। संस्था ने घोषणा की है कि इस मांग के समर्थन में जल्द ही हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा और उसका ज्ञापन भारत निर्वाचन आयोग के दिल्ली एवं पटना कार्यालय को भेजा जाएगा। टीम डेहरीयंस के संस्थापक सह अध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि वर्ष 2009 के लोकसभा परिसीमन के दौरान डेहरी लोकसभा बनाने का प्रस्ताव तैयार हुआ था, लेकिन बाद में काराकाट के नाम से लोकसभा क्षेत्र का गठन कर दिया गया। उनका कहना है कि डेहरी सड़क और रेल मार्ग से बेहतर ढंग से जुड़ा एक प्रमुख शहर है तथा इसकी आबादी तीन लाख से अधिक है, जबकि काराकाट एक छोटा नगर पंचायत है। ऐसे में बड़े क्षेत्र के बजाय छोटे क्षेत्र के नाम पर लोकसभा क्षेत्र का नाम रखा जाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग से कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। चंदन कुमार ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान जब विभिन्न राष्ट्रीय मीडिया संस्थान काराकाट पहुंचे थे, तब स्थानीय लोगों ने भी उन्हें बताया था कि चुनावी गतिविधियों का मुख्य केंद्र डेहरी है और लोकसभा क्षेत्र का सबसे बड़ा शहर भी डेहरी ही है। टीम डेहरीयंस का कहना है कि बिहार में भविष्य के परिसीमन के दौरान यदि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ती है, तो डेहरी को अलग लोकसभा क्षेत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। संगठन का मानना है कि जिस क्षेत्र का आकार, जनसंख्या और महत्व अधिक हो, उसी के नाम पर लोकसभा क्षेत्र का नाम होना चाहिए।

एक नजर

जनता दरबार में आम लोगों की समस्याएं सुनीं

नवप्रदेश/लौरिया (पश्चिम चंपारण)। लौरिया अंचलाधिकारी के स्थानांतरण के बाद राजस्व अधिकारी राहुल अग्रवाल को अंचलाधिकारी का प्रभार सौंपा गया है। इसकी जानकारी स्वयं राहुल अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि जब तक नए अंचलाधिकारी की पदस्थापना नहीं हो जाती, तब तक अंचल का प्रभार उनके पास रहेगा। शनिवार, 11 जुलाई 2026 को आयोजित जनता दरबार में उन्होंने आम लोगों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि अंचल कार्यालय में आने वाले सभी कार्यों का निष्पादन पूरी पारदर्शिता और नियमानुसार किया जाएगा।राहुल अग्रवाल ने आमजन से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि दाखिल-खारिज, परिमार्जन तथा भूमि संबंधी सभी मामलों का निष्पादन निर्धारित नियमों के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सभी आवेदनों पर निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने भी अपनी समस्याएं रखीं, जिनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। नए अंचलाधिकारी के योगदान तक अंचल प्रशासन की सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन राहुल अग्रवाल द्वारा किया जाएगा।

थाना परिसर में युवक को बंधक बनाकर 5 हजार वसूली का आरोप, गृह रक्षक पर प्राथमिकी दर्ज

नवप्रदेश/भगवानपुर (कैमूर)। भगवानपुर थाना परिसर में एक युवक को भय दिखाकर 5 हजार की अवैध वसूली करने के आरोप में एक गृह रक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में भगवानपुर थाना के थानाध्यक्ष सह पुलिस अवर निरीक्षक चंद्रशेखर शर्मा के लिखित आवेदन पर कार्रवाई शुरू की गई है।जानकारी के अनुसार, 8 जुलाई 2026 की रात करीब 11 बजे भभुआ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से एक वीडियो तथा गृह रक्षक मदन प्रसाद का पुलिस अधीक्षक के नाम दिया गया आवेदन भगवानपुर थानाध्यक्ष को भेजा गया। जांच के निर्देश मिलने पर वीडियो की पड़ताल की गई। वीडियो भगवानपुर के नए थाना भवन स्थित उस बैरक का बताया गया, जहां वर्तमान में गृह रक्षक रहते हैं। वीडियो में गृह रक्षक मनोज कुमार बिंद एक व्यक्ति से रुपये लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। जांच के दौरान वीडियो बनाने वाले गृह रक्षक मदन प्रसाद ने बताया कि 27 मई 2026 की शाम करीब 5 बजे मनोज कुमार बिंद एक व्यक्ति को पकड़कर थाना परिसर स्थित बैरक में लाए थे। बाद में उस व्यक्ति का एक परिजन वहां पहुंचा, जिससे कथित रूप से कहा गया कि 5 हजार देने पर छोड़ दिया जाएगा, अन्यथा जेल भेज दिया जाएगा।

टाटा मोटर ने लांच किया इलेक्ट्रिक व्हीकल ग्राहकों को बड़ी राहत

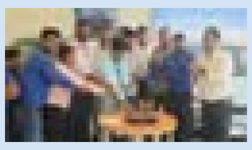

नवप्रदेश/आरा। आरा पेट्रोल डीजल की लगातार बढ़ रही कीमत और ए20 को लेकर जारी कन्फ्यूजन के बीच टाटा मोटर्स ने अपने ग्राहकों को बड़ी राहत दी है दरअसल आरा के टाटा मोटर्स के शोरूम अनन्या मोटर्स में टियागो मॉडल ने अपना EV और सीएनजी व्हीकल मार्केट में लॉन्च किया। इस मौके पर कंपनी के अधिकारियों समेत काफी संख्या में ग्राहक और प्रबुद्ध जन मौजूद थे। शोरूम के मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक कुमार उर्फ विक्की ने बताया कि टाटा टियागो ने सीएनजी पेट्रोल के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल के रूप में भी दो गाड़ियों को आज मार्केट में लॉन्च किया है, इसका सीधा फायदा कस्टमर को होगा। विधिवत रूप से ग्राहक कर्मचारी एवम बैंक अधिकारियो के द्वारा दीप प्रज्जवलित करके और केक काटकर इसकी लांचिंग की गई उन्होंने बताया कि दोनों गाड़ियां काफी दमदार मजबूत और स्टाइलिश हैं साथ ही इनका माइलेज और मेंटेनेंस भी काफी बढ़िया है को मेंटेनेंस वाली यह गाड़ियां पॉकेट फ्रेंडली है और मिडिल क्लास साथ ही लोअर मिडल क्लास फैमिली के लिए काफी भरोसेमंद है। वैसे भी टाटा मोटर्स ने पहले ग्राहक ऑन के बजट के हिसाब से कई गाड़ियों को लांच किया है जिसमें की लाख तकिया गाड़ी टाटा नैनो भी शामिल है।

जवईनियां बांध पर पेयजल की व्यवस्था, समाजसेवा की मिसाल बनी पहल

नवप्रदेश/बड़हरा (भोजपुर)। बड़हरा प्रखंड के पंडितपुर गांव निवासी हिंदू पुत्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेश सम्राट के पहल पर शाहपुर प्रखंड क्षेत्र के जवईनियां गांव के बांध पर रह रहे लोगों की पेयजल समस्या को देखते हुए शनिवार को हिन्दू पुत्र संगठन की पहल पर चापाकल स्थापित कराया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पंडितपुर निवासी नागेश सम्राट के नेतृत्व में कराए गए इस कार्य से स्थानीय लोगों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिल गई है। बताया गया कि बांध पर रह रहे लोगों ने पेयजल संकट की जानकारी देते हुए चापाकल लगाने का अनुरोध किया था। सूचना मिलने के बाद संगठन ने त्वरित पहल करते हुए उसी दिन चापाकल लगवाकर लोगों की समस्या का समाधान कराया। स्थानीय लोगों ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें काफी राहत मिली है। इस अवसर पर नागेश सम्राट ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह पहल दिवंगत भरत भूषण तिवारी के समाजसेवा के विचारों और सपनों से प्रेरित है तथा भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे। चापाकल लगने के बाद स्थानीय लोगों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर की गई यह पहल समाज के प्रति उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता का बेहतर उदाहरण है।

बगहा-1 एवं बैरिया में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण

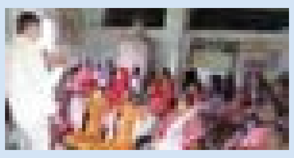

नवप्रदेश/बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बगहा-1 एवं बैरिया प्रखंड के चंदरपुर रतवल और लगुनहा चौतरवा पंचायत में कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस फॉर डिमांड (CoP-D) कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत स्तर पर आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सीएम जीविका, एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समुदाय में नियमित टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पात्र बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कार्य में सहयोग के लिए टूल किट एवं बैग पैक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही उन्हें व्यवहार परिवर्तन संचार से संबंधित विभिन्न उपकरणों, संवाद सामग्री एवं वीडियो आधारित शिक्षण माध्यमों के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे समुदाय तक टीकाकरण संबंधी संदेशों को अधिक प्रभावशाली ढंग से पहुंचा सकें।प्रशिक्षकों द्वारा नियमित टीकाकरण के महत्व, समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करने की रणनीतियों, छूटे हुए बच्चों की पहचान एवं उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के उपायों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी जा रही है।

ढाई माह में उजड़ गया सुहाग: नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, दहेज उत्पीड़न में 9 नामजद

नवप्रदेश/चौतरवा। थाना क्षेत्र के कोल्हुआ चौतरवा पंचायत अंतर्गत कोल्हुआ गांव के वार्ड संख्या-3 में गुरुवार को एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। विवाह के महज ढाई माह बाद हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप लगाते हुए चौतरवा थाना में लिखित आवेदन दिया, जिसके आधार पर पुलिस ने नौ लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। घटना की सूचना मिलते ही चौतरवा एवं भैरोगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, बगहा भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतका की पहचान कोल्हुआ गांव निवासी मधु बैठा के लगभग 20 वर्षीय पुत्र दीपू बैठा की 18 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी के रूप में हुई है। सुनीता, तोनवा गांव निवासी दिनेश बैठा की पुत्री थी। दोनों का विवाह अप्रैल 2026 में हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

त्रिपुरा के विधायक जितेंद्र चौधरी और अभिनेता प्रकाश राज का सीजेपी को समर्थन

नई दिल्ली। केरल के पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक, त्रिपुरा के विधायक जितेंद्र चौधरी और अभिनेता प्रकाश राज शनिवार को जंतर-मंतर पहुंचे और सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के पिछले 20 दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इसी बीच सीजेपी ने आगामी 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक शांतिपूर्ण मार्च करने का एलान किया है। उल्लेखनीय है कि छात्र मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर सीजेपी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ी है। विपक्ष के कई नेताओं का इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है। वहीं, पिछले 14 दिनों से अनशन पर बैठे पर्यावरणविद सोनम वांगचुक और यहां एकत्रित छात्र समूह का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका यह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

मोदी ने वियतनाम में नाव हादसे पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वियतनाम में नाव हादसे में कई भारतीय नागरिकों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि फु-क्वोक के निकट भारतीय नागरिकों से जुड़ी नौका दुर्घटना की दुखद खबर से उन्हें अत्यंत पीड़ा हुई है। उन्होंने दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायल हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भारत का दूतावास और वाणिज्य दूतावास प्रभावित भारतीयों तथा उनके परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। इसके साथ ही भारतीय अधिकारी इस मामले में वियतनाम के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं ताकि राहत एवं सहायता कार्यों में कोई कमी न रहे। उल्लेखनीय है कि वियतनाम में भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव के फु-क्वोक द्वीप के पास पलटने से 15 लोगों की मौत हो गयी है। हादसे में 21 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर 32 भारतीय पर्यटक और 4 चालक दल के सदस्य सवार थे।

बेंगलुरु में युवक ने मां, नानी और मामा की हत्या के बाद फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

बेंगलुरु। बेंगलुरु के कामाक्षीपाल्या थाना क्षेत्र के कोट्टिगेपल्या में शनिवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। 34 वर्षीय एक युवक ने अपनी मां, नानी और मामा की धारदार हथियार से हत्या करने के बाद घर के एक कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी। मृतकों की पहचान आरोपित की मां मंगलाम्मा, नानी नंजम्मा और मामा सतीश के रूप में हुई है, जबकि आरोपित की पहचान प्रशांत के रूप में की गई है। घटना शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे उस समय हुई, जब परिवार के मुखिया चिक्कण्णा रोज की तरह काम पर जा चुके थे। घर में उस समय प्रशांत समेत कुल चार अन्य सदस्य मौजूद थे।

गूंज कार्यक्रम की तैयारियों में जुटी युवा कांग्रेस

हरिद्वार। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 17 जुलाई को देहरादून में प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हरिद्वार में युवा कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में आज ऋषिकुल स्थित कांग्रेस कार्यालय में हरिद्वार के युवा कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि कांग्रेस इस आंदोलन के माध्यम से केंद्र सरकार के सामने तीन प्रमुख मांगें रख रही है। इनमें परीक्षा प्रणाली की व्यापक समीक्षा और सुधार, लगातार हो रहे पेपर लीक की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग व देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी भर्तियों के लिए वार्षिक तय कैलेंडर लागू करना शामिल है, जिसका सभी बोर्ड और आयोगों द्वारा अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। उन्होंने बताया कि देहरादून कार्यक्रम में करीब 20 हजार युवाओं और छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस डिजिटल अभियान भी चला रही है, जिसके तहत छात्र ऑनलाइन अपनी भागीदारी दर्ज करा रहे हैं। देहरादून के बाद राहुल गांधी का प्रयागराज, पटना और दिल्ली में भी छात्रों से संवाद करने का प्रस्तावित कार्यक्रम है। बैठक में प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष विशाल सिंह भोजक,वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी, मनोज सैनी, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव दिव्यांश अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष अंकुर सैनी, महानगर महासचिव सार्थक ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष यश शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा, समर्थ अग्रवाल, सागर बेनीवाल, निखिल सौदाई, आशु श्रीवास्तव, राव शादाब सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरा, बड़ा हादसा टला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर बिलासपुर रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को शंकर नगर आरओबी के नीचे कोरबा की ओर जा रही एक खाली मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। घटना डाउन लाइन पर हुई, लेकिन ट्रेन की रफ्तार कम होने की वजह से बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के इंजीनियरिंग और तकनीकी विभाग की टीम मौके पर पहुंची और वैगन को दोबारा पटरी पर लाने तथा ट्रैक बहाल करने का काम शुरू कर दिया। रेलवे प्रशासन की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। इस हादसे की वजह से ट्रैक पर परिचालन प्रभावित हुआ, लेकिन रेलवे की आपातकालीन और तकनीकी टीम ने तत्काल स्थिति को संभालने के लिए मोर्चा संभाल लिया है। इस घटना से कुछ ट्रेनों की आवाजाही पर मामूली असर पड़ा है। घटना के बाद रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा के मद्देनजर डाउन लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही को नियंत्रित किया। रेलवे का कहना है कि ट्रैक को जल्द सामान्य कर ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह बहाल कर दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया है कि रेलवे ने घटना की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। शुरूआती तौर पर यह पता लगाया जा रहा है कि मालगाड़ी का डिब्बा किन कारणों से पटरी से उतरा। जांच में ट्रैक की स्थिति, डिब्बे की तकनीकी हालत और अन्य जरूरी पहलुओं की पड़ताल की जाएगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे की असली वजह साफ हो पाएगी। यदि किसी तरह की लापरवाही या तकनीकी खामी सामने आती है तो उसके अनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी।

नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद समर्थकों का उग्र प्रदर्शन, धारा 163 लागू

हंगामे के बीच नरोत्तम मिश्रा की पहली प्रतिक्रिया, बोले- ये पार्टी का निर्णय, उग्र प्रदर्शन न करें कार्यकर्ता, संयम रखें

भोपाल। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के कद्दावर नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद क्षेत्र में भारी हंगामा हो रहा है। उनके समर्थक उग्र पदर्शन कर रहे हैं। भारी हंगामे के बीच डॉ. नरोत्तम मिश्रा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है।

उन्होंने मीडिया के माध्यम से अपने समर्थकों और कार्यकताओं को संदेश देते हुए कहा है कि उम्मीदवार का चयन पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का निर्णय है, इसलिए सभी कार्यकर्ता संयम बनाए रखें। किसी भी तरह का उग्र विरोध नहीं होना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर मिट्टी का तेल या पेट्रोल डालने जैसी हरकतें करना बिल्कुल ठीक नहीं है। उन्होंने कार्यकताओं को हिदायत दी कि वे किसी भी सूरत में मार्ग अवरुद्ध न करें, क्योंकि पार्टी फोरम पर अपनी बात रखने का एक तय तरीका होता है और इस तरह का उग्र प्रदर्शन कतई स्वीकार्य नहीं है।

दरअसल, दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार की घोषणा के बाद शुक्रवार शाम करीब 5:30 बजे से समर्थकों ने हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ देर में पथराव, चक्काजाम और पुलिस से झड़प शुरू हो गई। प्रदर्शनकारियों ने ग्वालियर-झांसी हाइवे पर करीब 15 से 20 किलोमीटर लंबा चक्काजाम कर दिया और सैकड़ों वाहन फंस गए। शनिवार सुबह प्रदर्शन के दौरान उग्र भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और एक गाड़ी को पलट दिया गया। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इस पथराव में दतिया एसपी, एसडीओपी समेत आठ पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात किया। बताया गया कि कुछ समर्थकों ने भाजपा कार्यालय में खुद को बंद कर लिया था, जिन्हें बाद में प्रशासन की समझाइश के बाद बाहर निकाला गया।

इस भारी बवाल और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को देखते हुए दतिया कलेक्टर ने तुरंत एक्शन लिया है। शनिवार सुबह प्रशासन ने पूरे जिले में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी। इसके तहत बिना अनुमति किसी भी सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन और सार्वजनिक आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है।

जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंजीत सिंह चावला ने कहा कि जिले में कई जगहों पर प्रदर्शन हुए। तीन हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने लगभग 12 घंटे तक एनएच-44 को जाम रखा, जिसमें दतिया के पुलिस अधीक्षक और कई अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। बाद में सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को हटाया और उनमें से कुछ को हिरासत में ले लिया।

विजयवर्गीय बोले- टिकट घोषित होने के बाद बदलने की परंपरा भाजपा में नहीं

दतिया उपचुनाव में टिकट को लेकर मचे बवाल की प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा है कि भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है। कार्यकताओं को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन सभी कार्यकताओं से संवाद कर मतभेद दूर करेगा। भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी भारी मतों से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. नरोत्तम मिश्रा पार्टी के वरिष्ठ और समर्पित नेता हैं। संगठन के निर्णय का सम्मान करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा में टिकट घोषित होने के बाद उसे बदलने की परंपरा नहीं है। दतिया में भी उम्मीदवार बदलने की संभावना नहीं है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा डैमेज कंट्रोल करने के लिए दतिया रवाना भाजपा संगठन ने दतिया में टिकट के बाद उपजे असंतोष और विरोध को थामने की जिम्मेदारी उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को दी है। इसके लिए वे दतिया के लिए रवाना हो गए हैं। दतिया रवाना होने से पहले उपमुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि दतिया विधानसभा के चुनाव को लेकर जो निर्णय हुआ है, वह भारतीय जनता पार्टी का निर्णय है। हम सभी उस निर्णय को शिरोधार्य करते हैं। संगठन हमारे लिए सर्वोपरि है और सभी कार्यकर्ता संगठन के निर्णय का सम्मान करेंगे। यदि किसी भी प्रकार का कोई विषय है तो उसका निराकरण पार्टी स्तर पर बैठकर किया जाएगा।

एक्सपायर्ड, असुरक्षित खाद्य पदार्थ बेचने के आरोप में

स्विगी इंस्टामार्ट को एफएसएसएआई के 9 नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्विगी इंस्टामार्ट को उपभोक्ताओं की कई शिकायतों के आधार पर नौ नोटिस जारी किए हैं। शिकायतों में एक्सपायर्ड, सड़े-गले, दूषित और मानव उपभोग के लिए असुरक्षित खाद्य उत्पादों की बिक्री सहित खाद्य सुरक्षा नियमों के कई कथित उल्लंघनों का आरोप लगाया गया है।

एफएसएसएआई द्वारा शनिवार को जारी नोटिसों के अनुसार, हेल्दीफाई 100 प्रतिशत प्रोटीन, नोइस होमस्टाइल मद्रास मिक्सर विथ पीनट, अक्षयकल्पा ऑरगैनिक अंडा और काके द पराठा जैसे उत्पादों को लेकर शिकायतें मिलीं हैं। आरोप है कि कुछ उत्पाद एक्सपायरी डेट के बाद बेचे गए, जबकि कुछ खराब, दुर्गंधयुक्त और दूषित पाए गए। एक मामले में यह भी आरोप लगाया गया कि वापस किए गए खराब खाद्य उत्पाद को दोबारा ग्राहक को भेज दिया गया। एफएसएसएआई ने यह भी पाया कि नोइस ब्रांड के अंडे ऐसे ब्रांड नाम से बेचे जा रहे थे, जो संबंधित एफएसएसएआई लाइसेंस में अनुमोदित उत्पाद श्रेणी में शामिल नहीं था। प्राधिकरण ने निर्देश दिया कि वैध लाइसेंस मिलने तक ऐसे उत्पादों की बिक्री रोक दी जाए और आवश्यकता पड़ने पर लाइसेंस में संशोधन कराया जाए।

शिकायतों में खराब अंडे, दूध और पैकेज्ड फूड की डिलीवरी, गलत या अमान्य एफएसएसएआई लाइसेंस नंबरों के उपयोग तथा शिकायतों के समाधान में लापरवाही के भी आरोप लगाए गए हैं। कुछ मामलों में ग्राहकों का आरोप है कि खाद्य सुरक्षा संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय केवल रिफंड की पेशकश की गई।

एफएसएसएआई ने विक्रेताओं के ऑनबोर्डिंग, नियामकीय अनुपालन, ट्रेसेबिलिटी, खाद्य गुणवत्ता की निगरानी, शिकायत निवारण और खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन से जुड़े सिस्टम पर भी गंभीर चिंता जताई है।

प्राधिकरण ने स्विगी इंस्टामार्ट के फूड बिजनेस ऑपरेटर को विस्तृत स्पष्टीकरण और अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। प्राधिकरण ने कहा कि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

मालदा में गृह मंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप में महिला कंटेंट क्रिएटर गिरफ्तार

मालदा। मालदा जिले के चांचल क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। देश के गृह मंत्री के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और अशोभनीय टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने शनिवार को एक महिला कंटेंट क्रिएटर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपित की पहचान मुसु यासमीन के रूप में हुई है, जो चांचल थाना क्षेत्र के मुबारकपुर इलाके की निवासी है। यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शिकायत के आधार पर करीब 12 घंटे के भीतर की गई। भाजपा नेताओं का आरोप है कि मुसु यासमीन लंबे समय से सोशल मीडिया पर राष्ट्रवाद और हिंदुत्व विरोधी वीडियो पोस्ट करती रही हैं। हाल ही में उन्होंने बांग्लादेश सीमा मुद्दे से जुड़े एक वीडियो में गृह मंत्री को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जिसके बाद शुक्रवार शाम को चांचल थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और शनिवार को आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा नेताओं ने यह भी आशंका जताई है कि इस तरह के वीडियो के पीछे कोई संगठित देश विरोधी नेटवर्क सक्रिय हो सकता है, जिसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, हालांकि जांच के हित में फिलहाल ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आगे की कार्रवाई अदालत के निदेर्शानुसार की जाएगी।

सरकार ने तय की 39 जरूरी दवाओं की कीमतें उच्च रक्तचाप से मधुमेह तक की दवाएं शामिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग समेत विभिन्न बीमारियों के उपचार में इस्तेमाल होने वाली 39 दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत तय कर दी हैं। यह निर्णय ड्रग्स ऑर्डर, 2013 के प्रावधानों के तहत लिया गया है। एनपीपीए की अधिसूचना के अनुसार निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक कीमत पर इन दवाओं की बिक्री नहीं की जा सकेगी। प्राधिकरण का उद्देश्य मरीजों को आवश्यक दवाएं किफायती दरों पर उपलब्ध कराना और इलाज का आर्थिक बोझ कम करना है। इन दवाओं में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल संबंधी बीमारियों तथा अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में उपयोग होने वाली कई दवा फॉमूर्लेशन शामिल हैं। नई कीमतें अधिसूचना जारी होने के साथ ही प्रभावी हो गई हैं। अम्लोडिपाइन और टेलमिसर्ट टैबलेट की खुदरा कीमत 14.74 रुपये प्रति टैबलेट तय की गई है। आंखों की सर्जरी के बाद और बैक्टीरिया संक्रमण के इलाज में इस्तेमाल होने वाले नेपाफिनक, ऑपथाल्मिक सल्यूशन दवाओं की कीमत 68.64 रुपये प्रति मिलीलीटर तय की गई है। वहीं हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को कम करने के लिए दी जाने वाली दवाई की कीमत 6.37 रुपये प्रति कैप्सूल तय की गई है। सूची में डायबिटीज के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं की कीमतें भी तय की गई है।

बसपा के बढ़ते प्रभाव से बेचैन हैं विरोधी दल : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को विरोधी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बसपा के बढ़ते प्रभाव से विपक्षी दलों में बेचैनी और द्वेष की भावना बढ़ गई है। इसी कारण वे साम, दाम, दंड और भेद जैसी रणनीतियों का सहारा लेकर दलित एवं बहुजन समाज के विभिन्न वर्गों को गुमराह करने और भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं।

मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि बसपा दूसरी पार्टियों की तरह अपना राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ साधने के लिये धरना-प्रदर्शन, सड़क जाम, तोड़फोड़, हवाहवाई वादों-दावों और झूठे प्रचार से जनता को गुमराह करने में विश्वास नहीं रखती। बसपा पूरी तरह से पाक-साफ देश की एकमात्र ऐसी अम्बेडकरवादी पार्टी है जो सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के सिद्धान्त व नीति पर चलकर गरीबों, मजदूरों, शोषितों-पीड़ितों व उपेक्षितों के हित व कल्याण के लिए समर्पित है। उत्तर प्रदेश में बसपा के नेतृत्व में चार बार रही सरकार में व्यापक जनहित, जनकल्याण, विकास तथा अपराध-नियंत्रण व कानून व्यवस्था के मामलों में कानून का बेहतरीन राज रहा है। बसपा प्रमुख ने किसी भी राजनीतिक पार्टी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव नजदीक आता देख विरोधी पार्टियां अपने हथकंडों आदि के साथ-साथ दलित संगठनों व गुलाम मानसिकता रखने वाले लोगों के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीतिक स्वार्थ का अपना खेल आगे बढ़ाना चाहती हैं, जिससे सर्वसमाज के लोगों को व विशेषकर दलित एवं बहुजन समाज के सभी लोगों को सचेत व सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बसपा की असली चिन्ता यही है कि सर्वसमाज के गरीब, मजदूर व बेरोजगार नौजवान आदि के साथ-साथ समाज के शोषित-पीड़ित व अन्य उपेक्षित लोग, अपनी समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरने के क्रम में सरकारी द्वेष, उत्पीड़न आदि का शिकार ना बनने पायें। नौजवान अगर सरकारी ज्यादती के कारण यदि मुकदमा व जेल आदि में उलझ जायेंगे तो इससे उनका भविष्य खतरे में पड़ जाने की आशंका है, जो बसपा कतई भी नहीं चाहती है। मायावती ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए कुछ विरोधी पार्टियों व उनके इशारे पर चलने वाले दलित संगठन की तरह छल व छलावा की राजनीति तथा उनके लिए मगरमच्छ के आंसू नहीं बहाती। न ही संकीर्ण स्वार्थ के लिए गिरगिट की ही तरह रंग बदलती है, बल्कि करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ-साथ अपरकास्ट समाज के गरीबों के वास्तविक हित व कल्याण के लिए अपने गुरु, महापुरुषों के बताये रास्तों पर चलती है।

गडकरी ने ब्रिक्स देशों के बीच परिवहन सहयोग बढ़ाने का किया आह्वान

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रिक्स देशों से सतत, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप परिवहन प्रणालियों के निर्माण के लिए आपसी सहयोग मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों की सामूहिक शक्ति नवाचार, साझेदारी और साझा जिम्मेदारी के माध्यम से वैश्विक परिवहन के भविष्य को दिशा दे सकती है।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत नागपुर में आयोजित तीसरी ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक में गडकरी ने सदस्य देशों के मंत्रियों, प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने बैठक को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच परिवहन सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय ₹लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण₹ है, जो ह्यवसुधैव कुटुंबकमह्ल की भावना और मानव-केंद्रित विकास के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

भारत के परिवहन क्षेत्र में तेज विकास का उल्लेख

गडकरी ने कहा कि परिवहन आर्थिक विकास की रीढ़ है और भारत सड़क, रेल, समुद्री तथा विमानन क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारत ने विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क विकसित किया है और एक्सप्रेस वे तथा बहुआयामी संपर्क परियोजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा, सोनमर्ग सुरंग और 10,000 किलोमीटर से अधिक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहलें बुनियादी ढांचे को पर्यावरणीय स्थिरता और तकनीकी नवाचार से जोड़ती हैं।

रेलवे और समुद्री क्षेत्र में आधुनिकीकरण पर जोर

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत के ब्रॉड-गेज रेल नेटवर्क का लगभग पूर्ण विद्युतीकरण हो चुका है। वंदे भारत सेवाओं का विस्तार, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और नए पंबन ब्रिज जैसी परियोजनाएं रेलवे आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने समुद्री क्षेत्र में मैरीटाइम अमृत काल विजन 2047, ई-नाविक, ई-समुद्र और ग्रीन शिपिंग जैसी पहलों को भारत की समुद्री क्षमता और लॉजिस्टिक्स सुधारने वाली योजनाएं बताया। गडकरी ने इलेक्ट्रिक बसों, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी स्कीम और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने वाली उड़ान योजना का उल्लेख किया।

पुस्तकालयों में युवाओं की भीड़ ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का आधार : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं को पुस्तकालयों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी देश के भविष्य का आकलन उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में आने वाले युवाओं की संख्या से होता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और विवेक ही राष्ट्र निर्माण की वास्तविक शक्ति हैं और इनका सबसे बड़ा स्त्रोत पुस्तकालय हैं।

शाह नई दिल्ली में 'जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर स्थापित यह पुस्तकालय दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक और लोकतंत्र के प्रबल प्रहरी रहे जयप्रकाश नारायण का जीवन देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

उन्होंने कहा कि एक विचारक ने कहा था कि किसी राष्ट्र का भविष्य इस बात से तय होता है कि उसके पुस्तकालयों में कितनी भीड़ है और वहां कितने युवा अध्ययन कर रहे हैं। कृषि, उद्योग और बाजार किसी देश की प्रगति के संकेत हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्र को वैभव तक पहुंचाने का आधार ज्ञान और उसका व्यवहारिक उपयोग होता है, जो पुस्तकालयों से प्राप्त होता है।

युवाओं से पुस्तकालयों से जुड़ने की अपील करते हुए शाह ने कहा कि यदि युवा नियमित रूप से पुस्तकालय आएंगे तो उनके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा। किसी भी विषय पर विचार करने से पहले उस विषय का अध्ययन करना चाहिए और यह सुविधा पुस्तकालय ही उपलब्ध कराता है। उन्होंने सुनी-सुनाई बातों के बजाय पुस्तकों में उपलब्ध प्रामाणिक ज्ञान अर्जित करने पर बल दिया। गृहमंत्री ने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पुस्तकालयों के विकास का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां प्रत्येक गांव में तीन से चार हजार पुस्तकों वाले पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं, जिन्हें लाखों पुस्तकों वाले केंद्रीय पुस्तकालय से जोड़ा गया है। चार मोबाइल पुस्तकालय वैन भी संचालित की

जा रही हैं, जिनके माध्यम से गांव का कोई भी छात्र अपनी पसंद की पुस्तक मंगवा सकता है और प्रत्येक शुक्रवार को वह पुस्तक उसके गांव तक पहुंचा दी जाती है।

उन्होंने कहा कि इन पुस्तकालयों को स्थानीय स्कूलों से भी जोड़ा गया है ताकि विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित हो। उन्होंने दिल्ली के इस पुस्तकालय के अधिकारियों से भी आग्रह किया कि वे आसपास के विद्यालयों से संपर्क कर विद्यार्थियों को पुस्तकालय आने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यदि युवा एक बार पुस्तकालय आने की आदत बना लें तो आगे का कार्य पुस्तकें स्वयं कर देंगी।

शाह ने सुझाव दिया कि दिल्ली सरकार सभी सार्वजनिक पुस्तकालयों को आपस में डिजिटल रूप से जोड़ने की दिशा में भी कार्य करे। दो मंजिला इस आधुनिक पुस्तकालय में 32 हजार से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। यहां शोधार्थियों के लिए अलग अध्ययन कक्ष, आधुनिक रीडिंग एरिया, बहुउद्देश्यीय सभागार, निःशुल्क वाई-फाई तथा एक करोड़ से अधिक ई-पुस्तकों वाली ई-लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध है।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर लोकतंत्र की रक्षा तक हर चरण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आपातकाल के दौरान जयप्रकाश नारायण ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष का नेतृत्व किया और बिहार के गांधी मैदान से 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया, जिसने देशभर में लोकतांत्रिक चेतना का संचार किया।

उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान अनेक विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया, प्रेस पर प्रतिबंध लगाए गए और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गंभीर संकट आ गया था। ऐसे समय में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की पंक्ति 'अंधेरे में एक प्रकाश, जयप्रकाश' लोकतंत्र समर्थकों की आवाज बन गई। शाह ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता जनता के विश्वास से चलती है और यदि सत्ता अहंकार में अंधी हो जाए तो जनता उसका उत्तर देना जानती है। शाह ने जयप्रकाश नारायण के उस विचार का भी उल्लेख किया जिसमें उन्होंने कहा था कि देश केवल प्रधानमंत्री से नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सामूहिक प्रयासों से बनता है।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)